

मुंबई विद्यापीठ  
UNIVERSITY OF MUMBAI



Amongst the Top 500 Universities in the World  
University with Potential for Excellence

दिनांक २८ व २९ मार्च, २०१२ रोजी झालेल्या  
अधिसभेच्या वार्षिक सभेचे इतिवृत्त.

Minutes of the Annual Meeting of the Senate  
held on  
28<sup>th</sup> & 29<sup>th</sup> March, 2012.

मुंबई विद्यापीठ  
UNIVERSITY OF MUMBAI



Amongst the Top 500 Universities In the World  
University with Potential for Excellence

दिनांक २८ व २९ मार्च, २०१२ रोजी झालेल्या  
अधिसभेच्या वार्षिक सभेचे इतिवृत्त.



Minutes of the Annual Meeting of the Senate  
held on 28<sup>th</sup> & 29<sup>th</sup> March, 2012.

## मुंबई विद्यापीठ

मसुदा

क्र.२-२०११-२०१२



अधिसभा

२८ आणि २९ मार्च, २०१२

अधिसभेची वार्षिक सभा विद्यापीठाचे सर कावसजी जहांगीर सभागृह (दीक्षांत सभागृह), येथे बुधवार दिनांक २८ मार्च, २०१२ रोजी सकाळी ११.०० वाजता सुरू झाली आणि ही सभा गुरुवार, दिनांक २९ मार्च, २०१२ रोजी सकाळी ११.०० वाजता पुन्हा सुरू झाली. सभेमध्ये खाली नमूद केल्याप्रमाणे सदस्य उपस्थित होते -

|  | २८ मार्च | २९ मार्च |
|--|----------|----------|
| १. डॉ. राजन वेळूकर (कुलगुरु)                 | P        | P        |
| २. प्राचार्य (डॉ.) राजपाल एस्. हांडे         | P        | P        |
| ३. श्री. मृदुळ निळे                          | P        | P        |
| ४. डॉ. (श्रीमती) प्रतिभा ए. गोखले            | P        | P        |
| ५. डॉ. दिलीप एस्. पाटील                      | P        | P        |
| ६. प्राचार्य रविंद्रन कर्धाडी                | P        | P        |
| ७. प्राचार्य (श्रीमती) मंजुळा जे. निचाणो     | P        | P        |
| ८. प्राचार्य गोरक्ष व्ही. पारगावकर           | P        | P        |
| ९. प्राचार्य नारायण एम्. राजाध्यक्ष          | P        | P        |
| १०. प्राचार्य मारोती टी. भगत                 | P        | P        |
| ११. प्राचार्य विष्णू एन्. मारे               | P        | P        |
| १२. प्राचार्य राजीव बी. बावधनकर              | P        | P        |
| १३. प्राचार्य (श्रीमती) अँन्सी जोस           | P        | P        |
| १४. प्राचार्य दत्ताजीराव य. पाटील            | P        | P        |
| १५. प्राचार्य (श्रीमती) चैताली टी. चक्रवर्ती | P        | P        |

|   |     |   |
|---|-----|---|
| १६. प्राचार्य विठ्ठल बी. रोकडे              | P   | P |
| १७. प्राचार्य (श्रीमती) कमला बालसुब्रमन्यम् | P   | P |
| १८. प्राचार्य सुधीर रा. भोसले               | LOA | P |
| १९. प्राचार्य (श्रीमती) हर्षा के. मेहता     | P   | P |
| २०. प्राचार्य (श्रीमती) प्रमिला एस्. राऊत   | P   | P |
| २१. प्राचार्य सिद्धेश्वर टी. गडवे           | P   | P |
| २२. श्री. झहीर आय. काझी                     | P   | A |
| २३. श्री. हसमुख डी. रांभीया                 | P   | P |
| २४. श्री. महेश के. म्हात्रे                 | P   | P |
| २५. श्री. वसंतरावजी जी. ओस्वाल              | P   | A |
| २६. श्री. संजय बी. शेटे                     | P   | P |
| २७. श्री. भिकू आर. इदाते                    | P   | P |
| २८. कु. झेनिया या. मोतीवाला                 | P   | A |
| २९. कु. धनश्री व्ही. पाटील                  | P   | P |
| ३०. प्राचार्य (डॉ.) एम. एस. कु-हाडे         | P   | P |
| ३१. डॉ.(श्रीमती) मोहसिना मुकादम             | P   | P |
| ३२. डॉ. जालिंदर अडसुळे                      | P   | P |
| ३३. डॉ. आद्याप्रसाद पांडे                   | P   | P |
| ३४. डॉ. हेमंत एम्. पेडणेकर                  | P   | P |
| ३५. डॉ. (श्रीमती) मधू एस्. परांजपे          | P   | P |
| ३६. डॉ.(श्रीमती) संगिता ए. गोडबोले          | P   | P |
| ३७. डॉ. बिंदुप्रकाश बी. मिश्रा              | P   | P |
| ३८. डॉ. संजय कुमार                          | P   | P |
| ३९. डॉ. (श्रीमती) अनुराधा मझुमदार           | P   | A |

|     |                                   |   |   |
|-----|-----------------------------------|---|---|
| ४०. | डॉ. विवेक बी. देहमुख              | P | P |
| ४१. | डॉ. अभय एन्. बांबोले              | P | P |
| ४२. | डॉ. (श्रीमती) सुनिता खारीवाल      | P | P |
| ४३. | डॉ. प्रल्हाद गंगाराम पवार         | P | P |
| ४४. | डॉ. दिपक जी. बीडवई                | P | P |
| ४५. | डॉ. (श्रीमती) माधवी एस्. निकम     | P | P |
| ४६. | डॉ. (श्रीमती) आरती प्रसाद         | P | P |
| ४७. | डॉ. (श्रीमती) अनुपमा जे. सावंत    | P | P |
| ४८. | डॉ. वसंत एस्. शेकडे               | P | P |
| ४९. | डॉ. विजय एन्. पवार                | P | P |
| ५०. | श्री. जितेंद्र आव्हाड             | A | P |
| ५१. | श्री. गजाजन (उर्फ) दिलीप ए. करंडे | P | P |
| ५२. | श्री. महादेव बी. जगताप            | P | P |
| ५३. | श्री. प्रदीप बी. सांवत            | P | P |
| ५४. | श्री. सुधाकर एस्. तांबोळी         | P | P |
| ५५. | श्री. गणेश एस्. चव्हाण            | P | P |
| ५६. | श्रीमती निलीमा एन्. भुर्के        | P | P |
| ५७. | श्री. संजय टी. वैराळ              | P | P |
| ५८. | श्री. तुषार व्ही. कुमारे          | P | A |
| ५९. | श्री. शशिकांत के. झोरे            | P | P |
| ६०. | श्री. राजन व्ही. कोळंबेकर         | P | P |
| ६१. | प्राचार्य मुरलीधर जी. चांदेकर     | P | P |
| ६२. | श्री. श्रीराम एस्. दांडेकर        | P | A |
| ६३. | प्रा. अंबादास वाय. मोहिते         | P | P |



|                                      |     |   |
|--------------------------------------|-----|---|
| ६४. श्री. प्रकाश व्ही. पागे          | P   | P |
| ६५. श्री. सलीम बी. पटेल              | P   | P |
| ६६. प्रा.(श्रीमती) रुपा शहा          | P   | P |
| ६७. डॉ. राजन एम्. तुंगारे            | P   | P |
| ६८. डॉ. उदय साळुंखे                  | P   | P |
| ६९. डॉ. उल्हास जे. दीक्षित           | P   | A |
| ७०. डॉ. (श्रीमती) शुभदा ए. जोशी      | P   | P |
| ७१. डॉ. प्रल्हाद जी. जांगदंड         | P   | A |
| ७२. डॉ. (श्रीमती) माधुरी के. पेजावर  | P   | A |
| ७३. डॉ. सुरेश के. ठकरंडे             | P   | P |
| ७४. डॉ. टी. पी. मधू नायर             | P   | P |
| ७५. श्री. दिलीप डी. पवार             | P   | P |
| ७६. डॉ. किरण व्ही. माणगावकर          | P   | P |
| ७७. डॉ. बाळकृष्ण वि. भोसले           | P   | P |
| ७८. डॉ. गंगाधर ए. मेश्राम            | P   | P |
| ७९. डॉ. (श्रीमती) सुनिता व्ही. मंगरे | P   | P |
| ८०. डॉ. (श्रीमती) शेफाली आर. पंडया   | P   | P |
| ८१. डॉ. रामभाऊ महादू बडोदे           | LOA | P |

सभेची सुरुवात 'वंदे मातरम्' या गीताने झाली.

सर्वप्रथम कुलगुरूंनी सभागृहास सांगितले की, श्रीमती कवल अजय वर्मा, डॉ. रामभाऊ महादू बडोदे व डॉ. स्टीफन डिसिल्वा, प्राचार्य कृष्णा अप्पया पाटील, प्राचार्य दिलीप गंभीर बोरसे यांनी कळविले आहे की, ते या सभेस उपस्थित राहू शकणार नाहीत आणि त्यांना या सभेत अनुपस्थित राहण्यास परवानगी द्यावी, अशी त्यांनी विनंती केली आहे.

अधिसभेने श्रीमती कवल अजय वर्मा, डॉ. रामभाऊ महाडू बडोदे व डॉ. स्टिफन डिसिल्वा, प्राचार्य कृष्णा अप्पया पाटील, प्राचार्य दिलीप गंभीर बोरसे या सन्माननीय सदस्यांची अधिसभेत अनुपस्थित राहण्याची विनंती मान्य केली.

यानंतर कुलगुरूंनी मुंबई विद्यापीठाच्या विद्यार्थी परिषदेच्या अध्यक्षपदी निवडून आल्याने, महाराष्ट्र विद्यापीठ अधिनियम १९९४ च्या कलम २२५(२)(एन) अन्वये अधिसभेच्या पदसिध्द सदस्या झाल्याबद्दल कु. झेनिया याझरी मोतीवाला व मुंबई विद्यापीठाच्या विद्यार्थी परिषदेच्या सचिवपदी निवडून आल्याने, महाराष्ट्र विद्यापीठ अधिनियम १९९४ च्या कलम २२५(२)(एन) अन्वये अधिसभेच्या पदसिध्द सदस्या झाल्याबद्दल कु. धनश्री वसंत पाटील यांचे विद्यापीठ प्रशासनातर्फे व अधिसभेतर्फे स्वागत व अभिनंदन केले.

डॉ. दिवाकर शंकर गो-हे, श्री. दत्ता सावंत, श्री. बापूसाहेब काळराते, श्री. सुबल सरकार, श्री. एस. के. श्याम, श्रीमती इंदिरा रायसम गोस्वामी, श्री.शशीशेखर काशीनाथ आठल्ये, श्री. धरमदेव आनंद, श्री. मारिओ मिरांडा, प्रा. सुधाकर लवाटे, डॉ. प्रभाकर वर्के, श्री. नारायण एल. मयेकर, प्रा. सदा क-हाडे, डॉ. श्री. आ. देशपांडे, श्री. रवी शंकर, श्री. नागनाथअण्णा नायकवडो, श्री. माणिक गोडघाटे ऊर्फ ग्रेस, प्राचार्य प्रविण देवस्थळे, चेतना महाविद्यालय, प्राचार्य अजित नाईक, विद्यालंकार महाविद्यालय व श्री. व्ही. पी. चव्हाण माजी उपकुलसचिव व जनसंपर्क अधिकारी, मुंबई विद्यापीठ यांच्या दुःखद निधनावद्दल शोक व्यक्त करून त्यांना पुढील शब्दात श्रध्दांजली वाहिली.

#### डॉ. दिवाकर शंकर गो-हे

डॉ. दिवाकर शंकर गो-हे यांचे दिनांक ३० ऑक्टोबर २०११ रोजी वृद्धापकाळाने निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ८३ वर्षांचे होते. डॉ. गो-हे यांनी पशुवैद्यक शास्त्राची पदवी घेतल्यानंतर गुजरातमधील भादरण येथे त्यांनी पशुवैद्यक म्हणून काम केले.

मुंबई पशुवैद्यकीय महाविद्यालयात प्राध्यापक म्हणून नोकरी केली. पॅरिस येथील सोरबोन विद्यापीठाची डॉक्टरेट त्यांनी मिळविली होती. केंद्रीय कृषी विद्यापीठाच्या निवड समितीचे सदस्य म्हणून त्यांनी काम केले होते. पशुवैद्यक संघटनेने त्यांचा जीवनगौरव पुरस्काराने गौरव केला होता.

#### श्री. दत्ता सावंत

देशी खेळांचे गाढे अभ्यासक आणि देशी खेळांसाठी झटणारे निष्ठावंत ज्येष्ठ क्र्रीडा पत्रकार श्री. दत्ता सावंत यांचे दिनांक ३१ ऑक्टोबर २०११ रोजी वृद्धापकाळाने निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ७१ वर्षांचे होते. गेली तीन दशके देशी खेळाच्या प्रचारासाठी व प्रसिद्धीसाठी आपल्या पत्रकारितेचा सद्युपयोग करणारे श्री. दत्ता सावंत यांनी आपल्या रोखठोक शैलीच्या जोरावर क्र्रीडा पत्रकारितेत प्रवेश केला होता.

### श्री. बापूसाहेब काळदाते

ज्येष्ठ समाजवादी नेते व माजी खासदार श्री. बापूसाहेब काळदाते यांचे दिनांक १६ नोव्हेंबर २०११ रोजी दीर्घ आजाराने निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ८१ वर्षांचे होते. इ. स. १९८४ ते १९९६ अशी सलग १२ वर्षे श्री. काळदाते राज्यसभेचे सभासद होते. इ. स. १९८० मध्ये देशातील समाजवाद्यांनी स्थापन केलेल्या जनता दलाचे ते राष्ट्रीय सरचिटणीस होते.

### श्री. सुबल सरकार

मराठी चित्रपटसृष्टीतील ज्येष्ठ नृत्यदिग्दर्शक श्री. सुबल सरकार यांचे दिनांक १३ नोव्हेंबर २०११ रोजी दीर्घ आजाराने निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ७६ वर्षांचे होते. कठोर परिश्रम, चोख काम, वक्तृशौरपणा या गुणांमुळे श्री. सुबल सरकार यांनी मराठी चित्रपटसृष्टीत गेली चार दशके नृत्यदिग्दर्शनाची धुरा सांभाळली. श्री. सुबल सरकार यांनी ६०० हून अधिक मराठी चित्रपटांचे नृत्यदिग्दर्शन केले आहे.

त्यांना उत्कृष्ट नृत्यदिग्दर्शनासाठी नऊ वेळा राज्य शासनाचे पुरस्कार व दादासाहेब फाळके अकॅडमीचा जीवनगौरव पुरस्कार मिळाला होता. तसेच अखिल भारतीय चित्रपट महामंडळातर्फे 'चित्रभूषण' या पुरस्काराने त्यांना गौरविण्यात आले होते.

### श्री. एस. के. श्याम

ज्येष्ठ क्रीडा पत्रकार श्री. एस. के. श्याम यांचे दिनांक २८ नोव्हेंबर २०११ रोजी निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ७१ वर्षांचे होते. इ. स. १९५० मध्ये 'फ्री प्रेस जर्नल' या इंग्रजी वृत्तपत्राचे दिवंगत क्रीडा संपादक रोन हॅडिक्स यांच्या मार्गदर्शनाखाली त्यांनी क्रीडा पत्रकारितेला सुरुवात केली.

क्रीडा क्षेत्राचे दांडगे अभ्यासक आणि ज्येष्ठ पत्रकार असलेल्या श्री. एस. के. श्याम यांनी आपल्या ५० वर्षांच्या दीर्घ कारकिर्दीत अनेक महत्वाच्या स्पर्धांचे वृत्तांकन केले आहे. तसेच श्री. श्याम हे मुंबई प्रेस क्लबच्या संस्थापकांपैकी एक होते. मुंबई पत्रकार संघाचे अध्यक्षपदही त्यांनी भूषविले होते.

### श्रीमती इंदिरा गोस्वामी

आसाममध्ये गेली तीन दशके सुरू असलेल्या बंडखोरीच्या छायेत लेखन करणा-या 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार विजेत्या ज्येष्ठ आसामी लेखिका श्रीमती इंदिरा रायसम गोस्वामी यांचे दिनांक २९ नोव्हेंबर २०११ रोजी प्रदीर्घ आजाराने निधन झाले. मृत्यूसमयी त्या ६९ वर्षांच्या होत्या.

श्रीमती इंदिरा गोस्वामी यांनी आपल्या लेखणीतून आसाममधील हिंसाचाराच्या वेदनेला, त्याच्या व्यथेला वाचाच फोडली नाही, तर 'उल्फा' या दहशतवादी संघटनेला सरकारसोबत वाटाघाटीसाठी पुढे आणण्यातही महत्वाची भूमिका बजावली. श्रीमती इंदिरा गोस्वामी यांनी कथा, कादंबरी, कविता, लेख अशा सर्व साहित्यप्रकारात लेखन केले. 'मामोर धोरा तारोवाल' या त्यांच्या कादंबरीला इ. स. १९८२ सालचा साहित्य अकादमी पुरस्कार मिळाला होता.



### श्री. शशीशेखर काशीनाथ आठल्ये गुरुजी.

प्रजा समाजवादी पक्षाचे माजी आमदार व ज्येष्ठ स्वातंत्र्यसेनानी श्री. शशीशेखर काशीनाथ आठल्ये गुरुजी यांचे दिनांक ३० नोव्हेंबर २०११ रोजी वृद्धापकाळाने निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ९८ वर्षांचे होते.

इ. स. १९३० ते ४२ सालच्या सर्व स्वातंत्र्यलढ्यांत त्यांनी हिररीने सहभाग घेतला होता. त्यांच्या सामाजिक कार्याची सुरुवात राष्ट्रसेवा दलातून झाली.

### श्री. धरमदेव आनंद

हिंदी चित्रपटसृष्टीतील प्रसिध्द अभिनेते, निर्माते व दिग्दर्शक श्री. धरमदेव आनंद यांचे दिनांक ३ डिसेंबर २०११ रोजी निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ८८ वर्षांचे होते.

श्री. देव आनंद यांनी सुमारे ६५ वर्षांच्या प्रदीर्घ कारकिर्दीत ११४ चित्रपटांमध्ये अभिनय केला. इ. स. २००१ साली त्यांना पद्मभूषण पुरस्कार व इ. स. २००२ साली दादासाहेब फाळके पुरस्कार देऊन त्यांचे चित्रपटक्षेत्रातील योगदान गौरविले.

### श्री. मारिओ मिरांडा

विख्यात व्यंगचित्रकार श्री. मारिओ मिरांडा यांचे दिनांक ११ डिसेंबर २०११ रोजी निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ८५ वर्षांचे होते. श्री. मिरांडा यांना पहिल्यांदा व्यंगचित्रकार म्हणून ब्रेक दिला तो 'करंट' साप्ताहिकाने त्यानंतर वर्षभरात टाईम, टाईम्स ऑफ इंडिया, फेमिना आणि इकॉनॉमिक टाईम्स या दैनिकात त्यांची व्यंगचित्रे प्रकाशित होत होती.

त्यांच्या अतुलनीय कामगिरीबद्दल पद्मश्री आणि पद्मभूषण पुरस्काराने त्यांचा सन्मान भारत सरकारने केला.

### प्रा. सुधाकर लवाटे

ज्येष्ठ चित्रकार आणि जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट्समधील लोकप्रिय शिक्षक यांचे दि. १३ फेब्रुवारी, २०१२ रोजी हृदयविकाराच्या झटक्याने निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ७४ वर्षांचे होते.

प्रा. लवाटे यांनी आपल्या जीवनातील प्रदीर्घ काळ जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट्समधील सेवेत व्यतीत केला. विद्यार्थीप्रिय शिक्षक अशी त्यांची ख्याती होती. राज्य सरकारने १९८२ व १९८४ मध्ये उत्कृष्ट चित्रकार म्हणून त्यांचा गौरव केला.

### डॉ. प्रभाकर वर्के

मुंबई विद्यापीठातील माजी विधी विभाग प्रमुख डॉ. प्रभाकर वर्के यांचे दिनांक १३ फेब्रुवारी, २०१२ रोजी हृदयविकाराच्या झटक्याने निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ६४ वर्षांचे होते.

डॉ. प्रभाकर वर्के हे दहा वर्षे (१९९० ते २०००) या कालावधीत अधिसभेचे सदस्य होते. तसेच ते विद्यापीठाच्या विविध प्राधिकरणांवर सदस्य होते.

### श्री. नारायण एल. मयेकर

माजी प्रभारी परीक्षा नियंत्रक श्री. नारायण एल. मयेकर यांचे दिनांक २२ फेब्रुवारी, २०१२ रोजी दुःखद निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ६८ वर्षांचे होते.

श्री. नारायण एल. मयेकर यांनी एप्रिल, १९९९ ते जून २००१ या कालावधीत प्रभारी परीक्षा नियंत्रकांचा कार्यभार सांभळला होता.

### प्रा. सदा क-हाडे

ज्येष्ठ साहित्यिक, मराठीसह इंग्रजी, हिंदी, फ्रेंच, संस्कृत, कन्नड, उर्दू, रशियन भाषांचे जाणकार अभ्यासक, वृत्तपत्रे, नियतकालिकांतून विविध विषयांवर अभ्यासपूर्ण लेखन करणारे सराशिव बाळकृष्ण उर्फ प्रा. सदा क-हाडे यांचे दि. २५ फेब्रुवारी २०१२ रोजी प्रदीर्घ आजाराने निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ८१ वर्षांचे होते. मुंबई विद्यापीठातून मराठी व संस्कृत विषयांमध्ये एम. ए. पदवी प्राप्त केल्यानंतर १९५९ सालापासून विलेपार्ले येथील साठये महाविद्यालयात मराठीचे अध्यापक होते. मराठी विभागप्रमुख म्हणून १९९१ साली ते निवृत्त झाले.

### डॉ. श्री. आ. देशपांडे

ज्येष्ठ अर्थतज्ज्ञ व इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ पब्लिक अॅडमिनिस्ट्रेशनचे अध्यक्ष डॉ. श्री. आ. देशपांडे यांचे दि. ४ मार्च २०१२ रोजी निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ८८ वर्षांचे होते. डॉ. देशपांडे हे १९९४ मध्ये स्थापन झालेल्या विदर्भ वैधानिक विकास मंडळाचे पहिले तज्ज्ञ सदस्य होते.

### श्री. रवी शंकर

चित्रपटांसाठी अवीट गोडीची संगीत रचना देणारे ज्येष्ठ संगीतकार श्री. रवी शंकर यांचे दि. ८ मार्च २०१२ रोजी दीर्घ आजाराने निधन झाले. मृत्यूसमयी ते ८६ वर्षांचे होते. संगीताचे कोणतेही अधिकृत शिक्षण न घेतलेल्या रवी यांनी आपल्या कारकिर्दीत जवळपास ७० हिंदी व १४ मल्याळम चित्रपटांना संगीत दिले होते.



### श्री. नागनाथअण्णा नायकवडी

ज्येष्ठ स्वातंत्र्यसेनानी, क्रांतीवीर श्री. नागनाथअण्णा नायकवडी यांचे दि. २२ मार्च २०१२ रोजी निधन झाले. मृत्युसमयी ते ९२ वर्षांचे होते. सन १९४२ च्या स्वातंत्र्यलढ्यात त्यांनी स्वतःला झोकून दिले होते. स्वातंत्र्यानंतर दलित, ग्रामीण जनतेला नव्या पुरोगामी प्रवाह देणा-या चळवळीची उभारणी त्यांनी केली. पद्मभूषण पुरस्काराने श्री. नायकवडी यांचा सन्मान भारत सरकारने केला होता.

### श्री. माणिक गोडघाटे ऊर्फ ग्रेस

आपल्या शब्दकलेच्या माध्यमातून मानवी दुःखाचा तळ धुंडाळणारे ज्येष्ठ कवी श्री. माणिक गोडघाटे ऊर्फ ग्रेस यांचे दि. २६ मार्च २०१२ रोजी निधन झाले. मृत्युसमयी ते ७५ वर्षांचे होते. श्री. ग्रेस यांना भारत सरकारने त्यांच्या साहित्याला अनेक राज्य पुरस्कार मिळाले, त्यांना नागपूर भूषण व विदर्भ भूषण पुरस्काराने सन्मानित करण्यात आले होते.

या सर्व महनीय व्यक्तींनी देशासाठी व विविध संस्थांसाठी अनमोल योगदान दिले आहे. त्यांना श्रद्धांजली अर्पण करू या.

#### ➤ अभिनंदन:-

➤ नाशिक येथील आरोग्य विज्ञान विद्यापीठातर्फे दिनांक ५ ते ९ नोव्हेंबर २०११ या दरम्यान आयोजित नवव्या राज्यस्तरीय युवा महोत्सव 'इंद्रधनुष्य २०११' चे सलग नवव्यांदा विजेतेपद मिळवत मुंबई विद्यापीठाने 'ट्रिपल हॅटट्रिक' नोंदवून, पुन्हा एकदा वर्चस्व राखत सर्वसाधारण विजेतेपद पटकाविले. मुंबई विद्यापीठाने २४ स्पर्धांपैकी १५ स्पर्धांमध्ये विजेतेपद मिळवून सर्वसाधारण विजेतेपद मिळवले.

यानंतर कुलगुरू म्हणाले की, विद्यापीठामध्ये ज्या महत्वाच्या घडामोडी होतात त्या पुढच्या त्रैमासिकामध्ये येतील. परंतु मी सभागृहास सांगू इच्छितो की, एक अत्यंत महत्वाची घडामोड म्हणजे मुंबई विद्यापीठाचे National Assessment and Accreditation Council तर्फे असेसमेंट करण्यात आले आणि Accreditation चा रिपोर्ट त्यांनी National Assessment & Accreditation Council ने Executive Council कडे दिलेला आहे. त्याचा निकाल Executive Council ची मिटींग जेव्हा होईल तेव्हा तो निकाल आपल्याला कळेलच. परंतु National Assessment and Accreditation Council कडे २००६ साली विद्यापीठाने अर्ज करणे अपेक्षित होते. परंतु काही कारणांसाठी करू शकलो नाही. पण २०१२ साली तो रिपोर्ट आपण त्यांच्याकडे सादर केला. Re-Accreditation Report आणि Re-Accreditation Report सादर केल्यानंतर त्यांची पिअर टिम आपल्याकडे आली आणि त्यांनी १३ फेब्रुवारी ते १६ फेब्रुवारी, २०१२ या दरम्यान विद्यापीठाचे असेसमेंट केलं आणि लवकरच आपल्याला हा विद्यापीठाचा निकाल Executive Council ची मिटींग झाल्यानंतर कळणार आहे. इतर महत्वाच्या घडामोडींच्या संदर्भांमध्ये त्रैमासिकात माहिती येईल ती माहिती आपल्या पर्यंत पोहचेल.

श्री. दिलीप करंडे म्हणाले की, एक अत्यंत महत्वाची घटना आहे, त्याची नोंद केली गेली नाही. कौतुकास्पद गोष्ट आहे. अत्यंत महत्वाची आहे. मुंबई विद्यापीठाशी संलग्न असलेली महाविद्यालये वेलिंगकर इन्स्टिट्यूट ऑफ मॅनेजमेंट (weschool) तसेच रुईया महाविद्यालयामध्ये आपल्या देशाच्या राष्ट्रपती स्वतः आल्या असताना त्यांनी अतिशय चांगल्या प्रकारे युवकांना मार्गदर्शन केले. त्या कार्यक्रमात आपणही उपस्थित होता. ही घटना अत्यंत महत्वाची आहे कारण मुंबई विद्यापीठाच्या दृष्टीने हे मानाचे स्थान आहे आणि त्याचा या ठिकाणी उल्लेख असणे अत्यंत आवश्यक आहे. मुंबई विद्यापीठात मानाचा तुरा खोवला जाणार आहे. मुंबई विद्यापीठात राष्ट्रपती येणे आणि एका संलग्न महाविद्यालयात येणे याच्यात फरक होऊ शकतो. परंतु ते आपलं स्थान आहे. आपण दिलेली संलग्नता आहे म्हणून वेलिंगकर इन्स्टिट्यूट सोबत रुईया महाविद्यालय त्या ठिकाणी जे त्यांनी मार्गदर्शन केले ते राष्ट्रपतीचे भाषण या घटनेमध्ये येणे आवश्यक आहे आणि महत्वाची गोष्ट अशी आहे की, अनायसे आज डॉ. वेलिंगकर इन्स्टिट्यूट ऑफ मॅनेजमेंट चे डायरेक्टर डॉ. उदय साळुंखे हजर आहेत याठिकाणी ते आपले सदस्य आहेत त्यामुळे ही घटना त्यामध्ये येणे आवश्यक आहे.

यानंतर कुलगुरू म्हणाले की, आपण आपल्या महत्वाच्या घडामोडीमध्ये ही नोंद घेतलेली आहे आणि ती आपल्या त्रैमासिकामध्ये देण्यात येईल आणि आपण दोघांचेही या प्रसंगी अभिनंदन करू. त्या मुंबई विद्यापीठाच्या माजी विद्यार्थ्यांनी असल्यामुळे आणि महाराष्ट्रातून गेल्यामुळे तसेच भारताच्या पहिल्या महिला राष्ट्रपती असल्यामुळे त्या मुंबई विद्यापीठाच्या संलग्न महाविद्यालयामध्ये आल्या आपण याची नोंद नक्कीच महत्वाच्या घडामोडीमध्ये, त्रैमासिकामध्ये छापणार आहोत.

यानंतर श्री. दिलीप करंडे यांनी विद्यार्थ्यांना हॉल तिकीट वेळेवर न मिळणे, प्रश्नपत्रिका वेळेवर न पोहचणे, विद्यापीठाची होणारी घसरण आणि परीक्षासंदर्भात एम.के.सी.एल. ने घातलेला गोधळ याबाबत हरकतीचे मुद्दे उपस्थित केले.

याबाबतचा खुलासा करताना कुलगुरू म्हणाले की, विद्यापीठाने या संदर्भामध्ये एक समिती नेमली आहे. समितीला दहा दिवसांमध्ये अहवाल सादर करण्यास सांगितले आहे. समितीच्या अहवालानुसार दोघीवर कारवाई करण्यात येईल आणि जे दोघी आहेत त्यांच्यावर कारवाई केली आहे.

श्री. सुधाकर तांबोळी म्हणाले की, प्रत्येक वर्षाच्या परीक्षांमध्ये होणा-या गोधळाबाबत आपण कोणालाही निलंबित करत नाही. आयडॉलच्या बी.कॉमच्या विद्यार्थ्यांना वेळेवर हॉल तिकीट मिळत नाही. याला आयडॉलचे डायरेक्टर जबाबदार आहेत. त्यामुळे त्यांच्यावर चौकशी समिती नेमून त्यांच्या राजीनाम्याची मागणी मी याठिकाणी करतो.

पुनर्मुल्यांकनाला नऊ-नऊ महिने लागतात अशी बातमी महाराष्ट्र टाईम्समध्ये आली आहे. विद्यार्थ्यांच्या पत्रांनाही उत्तर देत नाही. यावर प्रशासनात सुधारणा करण्याच्या दृष्टीने पाऊल उचलावे. अशी सूचना श्री दिलीप करंडे यांनी केली.



त्यानंतर श्री. प्रदीप सावंत वरील मुद्द्याला समर्थन देत म्हणाले की, महाराष्ट्र टाईम्सच्या बातमीनुसार एका विद्यार्थ्याने पुनर्मुल्यांकनासाठी अर्ज केला होता त्या विद्यार्थ्याचे तीन विषयांपैकी दोन विषयांचे गुण वाढले. परंतु त्याला एका विषयाची फोटो कॉपी अद्याप मिळालेली नाही. विद्यार्थ्याने पाठविलेल्या पत्राला विद्यापीठ प्रशासनाकडून उत्तरही दिले जात नाही.

याबाबतच श्री. सुधाकर तांबोळी म्हणाले, विद्यार्थ्यांना परीक्षांमध्ये या सर्व प्रकारांना सामोरे जावे लागत आहे. जे आयडॉलच्या बाबतीत आहे तेच बी. कॉम, बी.एस.सी. संदर्भात आहे. बी.ए. च्या तर दोन दिवसांवर आलेल्या परीक्षांचे हॉल टिकिट मिळालेले नाही.

श्री. प्रदीप सावंत म्हणाले की, एम.के.सी.एल. ने हार्ड कॉपी बारा हजारांची आणि सॉफ्ट कॉपी चौदा हजारांची दिली अशी आम्हाला बातमी मिळाली आहे. टी.वाय.बी.ए. च्या मुलांचाही टी.वाय.बी.कॉम सारखा गोंधळ होणार आहे. यावेळी आपण कोणावर कारवाई करणार आहात?

श्री. सुधाकर तांबोळी वरील मुद्द्याला समर्थन देत म्हणाले की, परीक्षेचा सर्व गोंधळ हा एम.के.सी.एल. या कंपनी मुळे झालेला आहे. विद्यापीठातील कर्मचारी सर्व प्रक्रियेसाठी सक्षम असताना आपण एम.के.सी.एल. या कंपनीला का कॉन्ट्रॅक्ट दिले. सदर बाबत समिती नेमून चौकशी करावी आणि चौकशी अंती योग्य ती कार्यवाही करावी अशी मी या ठिकाणी मागणी करतो.

श्री. गणेश चव्हाण यांनी समित्या स्थापन करण्यापेक्षा तातडीने प्रशासनामध्ये सुधारणा करण्यासाठी निर्णय घेण्याची आवश्यकता आहे असे सांगून एका विद्यार्थ्याने ऑक्टोबर, २०११ रोजी फोटो कॉपीसाठी अर्ज केला. परंतु त्याला अजून फोटो कॉपी मिळालेली नाही. तर त्या विद्यार्थ्याच्या पेपरचे पुनर्मुल्यांकन कसे होणार असा प्रश्न उपस्थित केला.

त्यानंतर श्री. सुधाकर तांबोळी म्हणाले, नॅक कमिटी येऊन गेल्यानंतर पंधरा दिवसांपूर्वी आयडॉलच्या संचालकांकडे २००९ ते २०१० पर्यंत किती विद्यार्थी उत्तीर्ण झाले. याचा डेटा मागितला होता. परंतु ही माहिती ते उपलब्ध करून देऊ शकले नाहीत. आपल्याकडे हा डेटा उपलब्ध नसल्याचे आपल्या निदर्शनास मी आणून दिले. अशा प्रकारचा कारभार विद्यापीठामध्ये चालू आहे.

श्री. प्रदीप सावंत म्हणाले की, सर्व महत्वाच्या विभागावर तुमचा अंकुश राहिलेला नाही. सर्व ठिकाणी प्रभारी नेमणूक आहेत. एका वर्षात काहीच प्रगती नाही. आम्ही सर्व अधिसभा सदस्य रजिस्टर ग्रॅज्युएट तर्फे तुम्ही राजीनामा द्यावा अशी मागणी करतो.

त्यानंतर श्रीमती निलीमा भुर्के म्हणाल्या की, सरदार पटेल अभियांत्रिकी महाविद्यालयाचे ६० पैकी २३ विद्यार्थी सातव्या सेमिस्टरमध्ये ऑनलाईन रोल नंबरनी नापास झाले. त्यांच्या गुणांचा पॅटर्न २३-२७, २३-२७ असा आहे. परीक्षा विभागात चौकशीसाठी ते विद्यार्थी गेले असताना अजून दोड महिना लागेल असे सांगण्यात आले. पुनर्मुल्यांकन आणि फोटो कॉपीसाठी लागणारा उशिर, उशिरा लागणारा निकाल या सर्व गोष्टीबाबत मी निषेध नोंदविते.

कु. धनश्री पाटील म्हणाल्या की, विद्यापीठातील विद्यार्थ्यांची कुचंबणा होत आहे. विद्यापीठाची प्रशासनावरील पकड सुटलेली आहे. आपले विद्यापीठ पहिल्या पाचशे विद्यापीठातील आहे. आपण पहिल्या दोनशेमध्ये येण्यासाठी प्रयत्न करतो आहोत. माझा प्रश्न असा आहे की, आपण पहिल्या वीस मध्ये येण्यासाठी प्रयत्न का करीत नाही. विद्यापीठातील विविध सुविधा, फेलोशिप, युजीसीच्या प्रोविजन्स माझ्या सारख्या नवी मुंबईत राहणा-या विद्यार्थ्यांपर्यंत पोहचत नसतील तर सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी पर्यंत आपण केव्हा पोहचणार?

श्री. महादेव जगताप म्हणाले की, एम.एड.च्या परीक्षेत वायवा हा थेंबेअरी नंतर घेतला जातो. त्यामुळे त्यांचे नऊ महिने किंवा दीड-दोड वर्ष वाया जाते. त्यांचा वायवा परीक्षेच्या अगोदर घेतला तर मुलांचे एक ते दीड वर्ष वाचेल. तसेच एम.एड.च्या मुलांच्या पुनर्मुल्यांकनासाठी दिलेल्या प्रश्नपत्रिका जाळल्या गेल्या, हे खरे आहे का?

यावर श्री. दिलीप करंडे म्हणाले की, आम्ही जे प्रश्न मांडतो आहोत त्याची उतारे आम्हाला हवी आहेत शिक्षकांना पगार मागण्यासाठी उपोषणाला बसावे लागते आहे. तुमच्याकडून काही एक पाऊल उचलले जात नाही. शिक्षक, प्राचार्य, विद्यार्थी यांचे प्रश्न प्रलंबित आहेत. विद्यापीठाचा कारभार कोसळला आहे. तुम्ही निर्णय घ्या, नुसतं बोलून चालणार नाही. विद्यापीठाच्या झालेल्या घसरणीमुळे आज सर्व वर्तमानपत्रातून आम्ही तुमचा राजीनामा मागितला आहे.

आम्ही दीड वर्ष तुम्हाला सहकार्य केले. परंतु सहकार्याची कोणतीही गोष्ट आपण या विद्यापीठामध्ये करीत नाही. कुलसचिव, प्र-कुलगुरू यांची नियुक्ती करीत नाहीत. नुसते निलंबित करून चालत नाही. आपण कोणताही दिलेला शब्द पाळत नाही. कोणतीही गोष्ट स्वतःच्या अंगावर येईल यापासून आपण स्वतःला सांभाळत असता. हा आमचा दीड वर्षाचा अनुभव आहे. आपण कधीही विद्यापीठात वेळेवर येत नाहीत. राष्ट्रगीत चालू केले हे चांगले आहे त्यामुळे देशभक्ती, वेळेचे बंधन आले. परंतु आपण सतत गैरहजर असता. नियम आपल्यापासून सुरू करणे आवश्यक आहे. तसेच प्रत्येक वेळी निलंबनाने प्रश्न सुटणार नाहीत. प्रत्येक वेळी मंत्रालयाची वाट पाहता. कडक धोरण तुम्ही स्विकारा, विद्यार्थ्यांच्या बाबतीत हे धोरण स्विकारता मग बाकीच्यांच्या बाबतीत का करत नाही.

यानंतर श्री. सुधाकर तांबोळी परीक्षा नियंत्रकाच्या मारहाणी प्रकरणी विद्यापीठाने सात विद्यार्थ्यांवर घातलेल्या बंदीबाबत मुद्दा उपस्थितीत करत म्हणाले की, झालेल्या घटनेबाबत खंत व्यक्त करीत त्या विद्यार्थ्यांच्या पाठिशी उभे न राहता मी या ठिकाणी आपणास विनंती करतो की, त्या विद्यार्थ्यांना परीक्षेस बसण्यास परवानगी द्यावी. त्यांना परीक्षेपासून वंचित ठेवू नये. यशवंतराव चव्हाण मुक्त विद्यापीठात आपण कैद्यांनाही परीक्षेला बसण्याची संधी दिली होती त्याप्रमाणे याही विद्यार्थ्यांना संधी द्यावी.

Dr. Madhu Paranjape was of the opinion that since the post of Registrar and Controller of Exams are presently on part time basis, appointment to the post be made with full time appointees as the students and teachers were facing several problems. In the issue of hall tickets, the University would have to review its policy of outsourcing as outsourcing is making things more and more adhoc. Moreover, students organisation when they come to the campus they must be allowed to sit on dharna as Section 144



has not been enforced in the campus owing to the Management Council's decision taken in the year 2002. University being a public institution and University students are the biggest stake holders, hence, it is necessary that full time Registrar be appointed to meet the student community when they come with their grievances.

श्रीमती निलिमा भुक्ते म्हणाल्या की, डॉ. (श्रीमती) मधू परांजपे यांनी मांडलेल्या मुद्याला माझे समर्थन आहे. आम्ही इथे पोटनिडकीने जे विषय मांडतो ते परत पुढच्या मिटींगमध्ये मांडण्याची वेळ का येते. आम्ही मांडलेले प्रश्न वेळेत का सोडविले जात नाही? त्याचप्रमाणे विद्यानगरी परिसरात विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन करण्यासाठी काही व्यवस्था करण्यात यावी.

श्री. प्रदीप सावंत म्हणाले की, नॅक कमिटी आली होती तेव्हा कलिना कॉम्पसमधील विद्यार्थी केंद्राचे कॅटरिंगचे गोडाऊन केले होते. अशावेळी विद्यार्थ्यांनी बसायचे कोठे, आम्ही ते निदर्शनास आणून दिले होते तरी ते गोडाऊन शिफ्ट झाले नव्हते. विद्यार्थी केंद्राची अशी अवस्था होणार नाही याची कृपया नोंद घ्यावी.

श्री. शशिकांत झोरे यांनी एफ.वाय आणि टी.वाय.बी.कॉमच्या हॉल तिकीटांच्या गोधळाबाबत, विद्यार्थ्यांना वेळेत प्रश्नपत्रिका न पोहचणे तसेच जुन्या अभ्यासक्रमाच्या विद्यार्थ्यांना नविन अभ्यासक्रमाची प्रश्नपत्रिका पोहचणे याबाबत नाराजी व्यक्त करीत संपूर्ण यंत्रणेत सुधारणा करण्याची विनंती केली.

Dr. Sanjay Kumar stated that the members were upset with the news in newspaper pertaining to the examination system of VII<sup>th</sup> Semester Engineering result. Hence, the member insisted that clear guidelines be given to the examiner so that there would be uniformity in the entire examination.

यानंतर श्री. संजय वैराळ यांनी परीक्षा पद्धतीत केलेल्या बदलांमुळे तसेच क्रेडिट सिस्टीम घाई घाईत सुरू केल्याबाबत विद्यार्थी व शिक्षकांचा झालेला गोधळ, त्याचप्रमाणे रिव्हल्युशनच्या निकालासाठी लागणा-या दिरंगाईबाबत नाराजी व्यक्त केली. महाराष्ट्रात नविन येऊ केलेला कायदा, नव्याने येणारी खाजगी विद्यापीठे याबाबत चिंता व्यक्त केली. ठाणे, रत्नागिरी, कल्याण सचसेटरला बजेटमध्ये तरतूद असतानाही चांगल्या सुविधा पुरविल्या जात नसल्याबाबतचा उल्लेख केला.

डॉ. वसंत शेकडे, श्री. दिलीप करंडे, श्री. सुधाकर तांबोळी, श्री. प्रदीप सावंत या सन्माननीय सदस्यांनी कुलसचिव सभागृहात उपस्थित नसल्याबद्दल नाराजी व्यक्त केली.

कुलसचिव उपस्थित नाहीत कारण शिष्टमंडळ आलेले असल्याने मी कुलसचिवांना बाहेर पाठविले आहे. कोणते शिष्टमंडळ आलेले आहे हे दोन मिनीटांत आपणांस सांगु असा खुलासा कुलगुरूंनी केला.

डॉ. वसंत शेकडे म्हणाले की, विद्यापीठाला प्र-कुलगुरू नाहीत याबाबत योग्य तो निर्णय आपण घेतला पाहिजे. परीक्षेची जबाबदारी एकट्या परीक्षा नियंत्रकावर टाकण्यापेक्षा प्र-कुलगुरूंची नेमणूक करावी. त्यांचीही जबाबदारी असते. शिक्षकांना सहा-सहा महिने पगार नाही, अॅपुवल नाही, यासंदर्भात आपण लवकरात लवकर निर्णय घ्यावा.

Prin (Smt.) Kamala Balsubramanian stated that as a Principal, I would like to bring to your notice the various difficulties faced by the students through the examination section on account of delayed revaluation results. Rather than the authorities giving justification and blaming each other there is a need for the system to be improved as, resignations or suspension of the officials are not going to help the students. Although, most of the students come from the economically weak sections, they often feel confident that they have written well in their exams and when declared failed after applying for revaluation they definitely pass. It is here that University needs to take steps to improve the system at the time of assessment, moderation and find out why large numbers of students pass after revaluation. Hence, University authorities need to be ensure that the system be changed and process of revaluation need be expedited.

डॉ. अभय बांबोले म्हणाले की, प्रत्येक सबसेटरमध्ये प्र-कुलगुरू व कुलसचिव असावे अशी सूचना करीत विद्यापीठाला पूर्णवेळ प्र-कुलगुरू व कुलसचिव केव्हा मिळणार याबाबत खुलासा करावा.

Hon'ble Vice-Chancellor requested the House and the members that democratically when the Chairman allows the Members to speak, likewise, they should also allow the Chairman to speak. Members should not repeat the point which has already been expressed in the House by the other members.

डॉ. विवेक देशमुख यांनी जुन्या अभियांत्रिकीच्या विद्यार्थ्यांना दिलेल्या रिलॅक्सेशनबाबत २२ डिसेंबर, २०११ झालेला निर्णय महाविद्यालयांना उशिरा प्राप्त झाल्यामुळे सदर विद्यार्थ्यांना परीक्षेस बसता येणार नसल्याचे सांगत, त्यांना मदत करण्याबाबतची विनंती सभागृहास केली.

डॉ. बिंदूप्रकाश मिश्रा यांनी परीक्षेचा गोंधळ, निकाल वेळेत न लागणे, फेरतपासणीअंती विद्यार्थी पास होणे, याबाबत नाराजी व्यक्त करत म्हणाले की, फेरतपासणीच्या शुल्कामुळे विद्यार्थ्यांवर खूपच बोजा पडत आहे, याबाबत आपण जातीने लक्ष घालावे.

श्रीमती निलीमा भुर्के यांनी फेरतपासणीसाठी उशिरा लागल्यामुळे विद्यार्थ्यांना नोकरी व पुढील शिक्षणापासून कसे वंचित राहतात हे सांगत, फेरतपासणीत जर तो विद्यार्थी पास झाला तर त्याने फेर तपासणीसाठी भरलेले शुल्क आपण परत करणार का?

Kum. Motiwala Zenia Yazdi stated that the House is aware of the examination problems being faced by all, hence, I request the Hon'ble Vice-Chancellor to sort out a correction pattern on priority basis which would ensure that less students go in for revaluation. Further, though the Student Council was formed late this year, an awareness campaign was conducted where 1500 student of the University participated from Mumbai, Vashi and Thane which gave an opportunity to students of different colleges to interact with each other.



The Vice Chancellor conveyed to the member his best wishes and informed the member that he would request the teachers who evaluate papers not to give an opportunity to the students for revaluation.

Dr. Adyaprasad Pandey stated that as the PET examination of Ph.D research work is promoted by the University of Mumbai, the examination be conducted twice a year in the interest of promotion of research work.

प्राचार्य विठ्ठल रोकडे यांनी फेरतपासणी बाबत नाराजी व्यक्त करीत, परीक्षेचे निकाल वेळेत कसे लावता येतील याबाबत आपण योग्य ती पाऊले उचलावी अशी विनंती केली.

प्राचार्य डॉ. राजपाल हांडे यांनी वृत्तपत्रात येत असलेल्या विद्यापीठाच्या वाईट बातम्या सोबत विद्यापीठाच्या चांगल्या बातम्याही कुलगुरूंनी पदभार सांभळल्या पासून येत आहेत याची सभागृहास आठवण करून दिली.

यानंतर कुलगुरू म्हणाले की, सन्माननीय सदस्यांनी काही अतिशय महत्वाचे मुद्दे याठिकाणी ठेवून दिलेले आहे. जे मुद्दे राज्यशासनाच्या स्तरावर आहेत. त्या सर्व मुद्द्यांची राज्यशासन स्तरावर आपल्याला उत्तरे मिळतील. सरदार पटेल इंजिनिअरींग व एम.ए. संदर्भात मांडलेल्या प्रश्नाबाबत सांगू इच्छितो की, हे अतिशय संवेदनशील प्रश्न आहेत याबाबत बोलायचे झाले तर विद्यापीठामध्ये पारदर्शकता व वेग आणण्याची गरज आहे, प्रशासनामध्ये बदल घडवण्याची गरज आहे. आपण मांडलेल्या प्रश्नाबाबत विद्यापीठ नेहमीच प्रयत्नशील होते आणि या पुढेही राहणार आहे. झीरो एरर. विद्यापीठ बनविण्यासाठी आपण सर्वांनी प्रयत्न करायला हवा. मुल्यांकन हे विद्यापीठाचे प्रशासन करत नाही. तसेच पुनर्मुल्यांकनात ही विद्यार्थ्यांना गुण कमी मिळाले असे वाटत असल्यास, फेरमुल्यांकन ही विद्यापीठाने उपलब्ध करून दिलेली सुविधा आहे. पुनर्मुल्यांकनाचे निकाल वेळेत लावण्यासाठी पूर्ण प्रयत्न केले जात आहे. जिथे कुठे त्रुटी असतील त्या दूर करण्याचा नक्कीच प्रयत्न केला जाईल.

Vice Chancellor further informed that the solution for distribution of hall tickets at higher speed can only be undertaken through computerization and to allot to MKCL, this decision has been taken four years back and still exist. If there is any problem with anybody whether inside or outside the University corrective measures will be taken. The Vice-Chancellor assured the House that care would be taken of the 98 students who were unable to appear for their exams and now could appear on 10<sup>th</sup> April, 2012 when the University would conduct the examinations.

With regard to the Controller of Examination, an advertisement has been given by the University to appoint a full time Controller of examination and whoever fulfills the criteria and is eligible, is invited to apply for the same.

With regard to the appointment of the Registrar, the Vice Chancellor conveyed to the House that there were no pending files but since, there is a court case the post cannot be advertised even then this matter has been taken up with the Government and are trying to find out some way. However, he assured the house that within two months a full time Registrar would be appointed.

Prof.(Smt.) Rupa Shah stated that regarding, revaluation the Vice-Chancellor conveyed that there is a procedure and those twenty -three of fifty students mentioned earlier by the members, their problems needs to be solved. The Vice Chancellor was earnestly trying to resolve these problems as these are cumulative problems and are not of the last year or two or three years. She further informed the House that decisions are taken by the authorities and not by the Vice-Chancellor, Registrar or Director, BCUD. The strength of the student of this University are more than six lakh, forty four thousand students and in the last ten years have increased tremendously. These problems not only exist in the University of Mumbai but across the state of Maharashtra and across the country because there is a problem of excess. Change is necessary in the system and we are positive and trying to bring the same.

श्री. दिलीप करंडे म्हणाले की, आपण डॉ. वसंत शेकडे यांनी मांडलेल्या मुद्द्याबाबत प्र-कुलगुरू व कुलसचिव यांच्या नियुक्ती बाबत काही उत्तर दिलेले नाही. कुलसचिव पूर्णवेळ उपलब्ध नसल्यामुळे कुलसचिवांची नियुक्ती पूर्णवेळ करण्यात यावी याबाबत आपण आम्हाला आश्वासन द्यावे. पुढे सन्माननीय सदस्य म्हणाले की, आपण मंत्रालय व राजभवन याठिकाणी काम केल्याच्या अनुभवाचा विद्यापीठाला फायदा करून द्यावा. आपण शिक्षकांच्या अडचणीबाबत अद्याप काही बोललात नाहीत. सकाळी आलेल्या शिष्टमंडळाबाबत आपण एका तासात सांगतो असे बोललात. अद्याप आपण सांगितलेले नाही संपूर्ण विद्यापीठ तात्पुरत्या स्वरूपात कार्यरत असलेल्या अधिकारी आणि कर्मचा-यांकडून चालवले जात आहे. शासनाकडे पदे भरण्यासाठी पाठपुरावा करावा. त्याचप्रमाणे विद्यापीठात कुशल अधिकारी असतानाही विलंब व लेखा अधिकारी मंत्रालयातून का आणलात. असा प्रश्न उपस्थित केला. विद्यापीठातील रिक्त पदे, शिक्षकांची रिक्त पदे, प्राचार्याची रिक्त पदे या सर्वांचा विद्यापीठ प्रशासनावर तसेच विद्यार्थ्यांवर कसा परिणाम होतो आहे. तसेच विद्यापीठातील गलियान कारभाराबाबत निषेध दर्शविला.

यानंतर श्री. सुधाकर तांबोळी म्हणाले की, अद्याप आपण सात विद्यार्थ्यांच्या बंदी बाबत काही बोललेला नाहीत. या सात विद्यार्थ्यांचे तुम्ही काय करणार आहात ? त्यांची बंदी तुम्ही उठवणार आहात की नाही, हा त्यांच्यावर अन्याय नाही का? मॅनेजमेंट कौंसिलने निर्णय घेतला आहे त्यांच्यावर टाकून तुम्ही मोकळे होऊ नका. तुम्हाला हे विषय महत्वाचे आहेत की, विद्यार्थ्यांचे प्रश्न महत्वाचे आहेत त्यांना तुम्ही परिक्षेला बसू देणार आहात की नाही ? शिष्टमंडळाबाबत अद्याप खुलासा केला नाहीत. आपण याबाबतची सभागृहाला माहिती देणार आहात का ? पुर्नमुल्यांकनात विद्यार्थी पास झाल्यास त्यांना पैसे परत करणार आहात का?

The Vice-Chancellor informed the House that appointment of the Pro-Vice-Chancellor is not under his jurisdiction and was not supposed to be answerable.

Dr. (Smt) Madhu Paranjape stated that the Member felt that the Vice-Chancellor was indirectly blaming the teachers in the matter of correction of papers and revaluation but she informed the chairperson that the teachers do not declare the results as that is not their responsibility but correcting papers is their responsibility.



Further it was the responsibility of the highest authority to inform the House that why Pro-Vice-Chancellor is yet to be appointed as the appointment of Registrar could not be made because of the pending court case. She further stated that there is plenty of pending work since the last one year he has been given three or four memorandum and he has not been able to get a M.O.U. on Shikshak Bhavan pending for the approval of the Management Council. Secondly, since the last several months, he is unable to decide on the approval of teachers who have done their M.Phil before June 2009 whether they will be given approval or not ? such cases are pending for nearly two years and, therefore, she appealed to the Vice-Chancellor to assure the House about the steps that are been taken to see that the authority positions are filled.

The Vice-Chancellor further informed that I have already told about the appointment of the Pro-Vice-Chancellor, Controller of Examination and the Registrar and whatever I have said, those things will be done. We will take the members from all the stake holders in the committee and we will prepare a white paper has white paper and we will discuss and we will take the corrective action and now I move on item No.1

बाब क्रमांक १:- दिनांक २० ऑक्टोबर, २०११ रोजी झालेल्या सर्वसाधारण अधिसभेचे इतिवृत्त मंजूर करणे.

डॉ. श्रीमती माधवी निमम यांनी इतिवृत्तामध्ये सदस्यांनी कोण काय बोलले हे नमूद न केल्यामुळे नाराजी व्यक्त केली.

त्यानंतर श्री. दिलीप करंडे यांनीही इतिवृत्ताबाबत त्यांची नाराजी व्यक्त केली.

Dr. (Smt.) Sunita Khariwal stated that I have drawn your attention to same point page 10 of the minutes here it is written number of names written it is just written that they have participated but number of names is written, written in last so it written in they have participated but what is the point, specific point it is not mentioned any where at least the point

The vice Chancellor then informed the House that whatever is spoken cannot come in a decision which is taken and whatever is spoken is recorded and the same is available with the University in the form of CD which is given to every member. Record is also available in the office and all the elaborate points are not given in the minutes so CD is the record which is available with the Member and the office.

Dr. Binduprakash Mishra stated that the member did not agree with the Hon'ble Vice-Chancellor and further stated that the Minutes are primary documentary proof and it should be recorded as primary documentary proof. Regarding credit system he conveyed to the House that on behalf of BUCTU and his own behalf, they totally oppose credit system and further went to state that all these statements should be recorded here, because the hard copy is primary documentary proof regarding to law.

डॉ. (श्रीमती) संगिता गोडबोले इतिवृत्ताबाबत नाराजी व्यक्त करीत म्हणाल्या की, इतिवृत्तामध्ये काही सदस्य जेडटी सिस्टीमच्या बाजूने काही सदस्य जेडटी सिस्टीमच्या विरुद्ध बोलले आहेत. तर काही सदस्य मार्कींग सिस्टीमच्या बाजूने व काही सदस्य त्याच्या विरुद्ध बोलले. याबाबत प्रत्येक सदस्याचे मुद्दे दोन ओळीत तरी यायला हवे होते. तसेच वृहत आराखड्याबाबत प्रत्येक सदस्याचे म्हणणे वेगळे गरजेचे होते.

प्रा. अंबादास मोहिते यांनी इतिवृत्ताबाबत खुलासा करीत सांगितले, अध्यक्ष महोदय, इतिवृत्ताच्या संदर्भात जी समिती गठित करण्यात आली होती. त्या समितीमध्ये मी तसेच सन्माननीय सदस्य श्री. दिलीप करंडे, डॉ. बाळकृष्ण भोसले, डॉ. (श्रीमती) अनुराधा मधुमदार मॅडम अशी सगळ्यांची कमिटी होती. ही समिती गठित करण्यामागे कारण असे होते की, आपल्याला इतिवृत्त अत्यंत संक्षिप्त कसे करता येईल याबाबत आम्ही प्रामाणिकपणे प्रयत्न केलेला आहे. सन्माननीय सदस्यांना अजूनही त्यात काही सुचवावेसे वाटत असल्यास सुचवावे. तसेच वृहत आराखड्यासंबंधी सभागृहाने सुचविलेले ५१ मुद्दे वृहत आराखड्यामध्ये समाविष्ट करण्यात आले आहेत. त्यामुळे एक एक मुद्दा घेतलेला नाही. कृपा करून समजून घ्यावे.

प्राचार्य मुरलीधर चांदेकर म्हणाले की, इतिवृत्त आणि प्रोसिडिंग मध्ये आपली थोडीफार गल्लत होत आहे. सभेमध्ये काय बोलले ते सीडीद्वारे आपणा सर्व सभासदांना उपलब्ध करून दिले आहे. सभेमध्ये जी मान्यता देतो ती प्रोसिडिंगमध्ये देत नाही. प्रोसिडिंग जर एकायची असेल तर सीडी एकाची आणि निर्णय पाहण्याचे असतील तर इतिवृत्त पहावे.

श्री. संजय वैराळ यांनी विद्यानगरी येथील टेनिस कोर्टाची विद्यापीठाची जागा २५ वर्षां करीत लीजवर देऊन फरिन विद्यापीठाशी करार करण्याबाबतची वृहत आराखडातील निर्णयावर केलेल्या विरोध इतिवृत्तात न आल्याबाबत नाराजी व्यक्त केली.

कुलगुरू म्हणाले की, विद्यापीठाकडे सगळा रेकॉर्ड आहे. तो कोणी नष्ट करणार नाही. एखाद्या मुद्द्या राहिला असल्यास फक्त त्याबाबत बोलावे अशी सूचना केली.

इतिवृत्ताचे पान क्र. १० मध्ये अधिसभा सदस्यांनी केलेल्या विनंतीनुसार विद्यापीठाच्या विकासासाठी सदस्यांची दोन दिवासांची अनौपचारिक बैठक विद्यापीठ परिक्षेत्राच्या बाहेर एका चांगल्या ठिकाणी घेण्यात येईल हा प्रस्ताव अधिसभा सदस्यांचा नसून तो आपला वैयक्तिक प्रस्ताव होता. असे डॉ. (श्रीमती) अनुपमा सावंत यांनी कुलगुरूंच्या निदर्शनास आणून दिले.

कुलगुरूंनी याबाबत खुलासा करताना म्हणाले सदर बाब चर्चेच्या अनुषंगाने आली होती.

प्राचार्य नारायण राजाध्यक्ष म्हणाले की, सर्व सन्माननीय सदस्य मागील सभेतील चर्चेनुसार जे इतिवृत्त दिले जाते ते फारच मोठे असते त्यामुळे ते संक्षिप्त करणे आवश्यक आहे. इतिवृत्त लिहताना आपण केलेला ठराव संक्षिप्त स्वरूपात असावा. एखाद्या सदस्य नविन मुद्दा मांडत असेल किंवा एखाद्या सदस्याला पाठिंबा देत असेल तर मुद्दा मांडणा-या सदस्यांच्या नावाबरोबर पाठिंबा देणा-या सदस्याचाही मुद्दा एक दोन वाक्यात मांडता आला तरीही इतिवृत्त संक्षिप्त राहिल या दृष्टीने सन्माननीय सदस्यांनी विचार करावा अशी माझी विनंती आहे.



Dr. Uday Salunkhe stated that minutes of the last senate reflect the deliberations that were made during the last Senate it reflects the collective wisdom of the members of the senate and the expertise being pulled from the different functional areas. Moreover some of the suggestions pertain to the faculties and some of the suggestions pertain to administration, his humble suggestion lies in coming out of the action plan with definite good line.

डॉ. जालिंदर अडसुळे:- मा. कुलगुरू आणि सर्व सन्माननीय सदस्य इतिवृत्तचा पान क्र. ८ वर मुद्दा क्र. ३५ यामध्ये थोडी दुरुस्ती आहे. (ASCSB) चा ऐवजी (AACSB) हे वाचावे.

डॉ. राजन तुंगारे- यांनी इतिवृत्त संक्षिप्त करण्याबाबत सभागृहाने होकार दिलेला नव्हता अशी आठवण करून देत. इतिवृत्ताबाबत नाराजी व्यक्त केली.

डॉ. (श्रीमती) मधू परांजपे या डॉ. राजन तुंगारे यांच्या मुख्याला समर्थन देत म्हणाल्या की, व्यवस्थापन परिषद किंवा विद्वत परिषदेच्या इतिवृत्तामध्ये कोणाचेही भाषण नसते, कुलगुरू काही बोलले तेही नसते तिथे फक्त काय ठराव केला तेवढाच असतो. पण अधिसभा ही पार्लमेंट सारखी आहे ऑनलाईन आपण काय बोलतो आहे, ते कोणी पाहत नाही. म्हणून जे प्रतिनिधी आहेत त्यांचासाठी ही अत्यंत महत्वाची बाब आहे. कोण सदस्य बृहत आराखड्याच्या विरोधात किंवा बृहत आराखड्याच्या बाजूने बोलले हे या इतिवृत्तामध्ये स्पष्ट होत नाही.

यानंतर कुलगुरूंनी इतिवृत्त मान्य झाले असे जाहीर केले.

The minutes of the Ordinary meeting of the Senate held on 20<sup>th</sup> October, 2011, were confirmed and signed by the Vice-Chancellor subject to the following corrections made therein and the errata which circulated to the members at the time of the meeting printed on Appendix 'I'

यानंतर दुपारच्या भोजनासाठी सभा १.५० वाजता स्थगित करण्यात आली.

स्थगित सभा ३.०० वाजता सुरू झाल्यानंतर प्रश्नोत्तराचा तास सुरू करण्यात आला.

बाब क्र.२:- प्रश्नोत्तराचा तास.

A list of questions submitted by the members and allowed by the Vice Chancellor, together with answers thereto had been placed on the table of the Senate an hour before the time fixed for commencement of the meeting and also circulated to the members as required by statute 226.

The Vice Chancellor informed the members of the House that as per statute 230 the first one hour at the meeting shall be set apart for supplementary questions. He also informed the members of the House that supplementary questions must be raised immediately after the question to which they relate and no member would ask more than two supplementary questions.

The Vice Chancellor then announced that the Question Hour started at 3.15 p.m.

The Vice Chancellor then called out the name of the questioner. At the end of each answer, the Vice Chancellor allowed a sufficient pause to give the questioner or any other member a reasonable opportunity to raise supplementary questions for the purpose of further elucidation of facts regarding the answers that had been given. The question and supplementary questions asked by the members and allowed by the Vice Chancellor, together with answer thereto, are given in Appendix - II

At 4.15 p.m the Vice Chancellor declared that the question hour was over.

वेळेची मर्यादा लक्षात घेता स्थगन प्रस्तावावर चर्चा करताना सन्माननीय सदस्यांनी अगदी थोडक्यात मुद्दे मांडावेत असे आवाहन कुलगुरुंनी केले.

कुलगुरुंना काही वेळासाठी बाहेर जायचे असल्यामुळे कुलगुरुंनी डॉ. प्रल्हाद जोगदंड यांना अध्यक्षस्थान भूषविण्याची विनंती केली.

यानंतर अध्यक्षांच्या परवानगीने कुलसचिवांनी डॉ. (श्रीमती) मधू परांजपे यांना त्यांचा स्थगन प्रस्ताव मांडण्याची विनंती केली.

डॉ. (श्रीमती) मधू परांजपे यांनी त्यांचा स्थगन प्रस्ताव खालील प्रमाणे मांडला त्यास डॉ. जालिंदर अडसुळे यांनी अनुमोदन दिले.

"That this meeting of the senate be adjourned for 10 minutes to express concern and angles at certain development in the state of Maharashtra that will have serious long term restruction on higher education in general and university governors in particular".

Dr. (Smt) Madhu Paranjape proposed and moved the adjournment motion to express her concern at certain development in the State of Maharashtra which would have serious long term destruction on higher education in general and University governance in particular.

She informed the House that today all teachers in all the Universities of the state of Maharashtra have been forced by the Government of Maharashtra to take a very painful decision of going on a boycott of assessment. She stated that in the last 31 years this was never done, probably only during the year 1980 or 1981 the teachers did boycott the exams, as it was a very painful experience, the teachers organization then decided that this will not be a tool to get their demands fulfilled from the Government or any authority. Out of 40,000 teachers engaged in teaching, 10,000 of them have been categorized as non Net-Set teachers. These teachers were appointed in the year 1990-91 as per the qualifications prescribed during that time. They were all Post Graduates, possessing B+ and were selected by the Selection Committees and were finally received approval from the Universities. These teachers still receive their salary, increments, fifth pay and now sixth pay from the Government. But the Government of



Maharashtra only in the year 2000 or rather in December, 1999 brought the regulation that teachers now need to possess NET or SET. This they wanted to implement in retrospect which would adversely affect those teachers who joined the profession twenty years back and maybe have five, six years to retire. Although they have received their approval from the University the Maharashtra Government chooses not to recognize them. In 2009 the teachers went on a 44 days strike and one of the major issues along with sixth pay was regularization of these teachers. The strike was not continued indefinitely as the Government agreed to give sixth pay to all including the non Net-Set teachers. Further, the Government agreed to go to the UGC and get them exempted and it was understood that once exemption were regularized, promotions would follow and arrears would be given. Hence, the strike was withdrawn and it was a written signed agreement. Now since it has taken another year, this battle was taken to Delhi as we were given to understand that the Maharashtra Government would follow the rule of the UGC. On 16<sup>th</sup> August, 2011 a Circular was issued by the UGC stating that these teachers be given exemption as they are approved by the Universities and by the UGC. The Government of Maharashtra once again questioned which would be the date of appointment for approval the UGC conveyed by its circular dated 26<sup>th</sup> August, 2011. That the first date of approval would be counted for their date of regular appointment, yet the Government of Maharashtra did not implement and several months have passed. And to add to the woes of the teachers the bureaucrats sent a letter to the UGC conveying that the decision of the UGC is illogical and the same be reverted. This will result in a fall of standards as teachers working from 1991 have become Heads of the Department, working at the exams, completed their M.Phil and many have acquired their Ph.D and also become Principals of colleges. Further the UGC on 15<sup>th</sup> March, 2012 conveyed to Maharashtra Federation that there is no change in the stand of the UGC and they maintain that the services have to be counted from the date of appointment. The Teachers approached the Chief Minister who was positive in solving the problem and also the Education Minister who also was positive but to date nothing happened in settling the issue. The teachers then approached the Joint Director's office, staged a demonstration at Azad Maidan, but the Government failed to take notice. Then the painful decision was taken but without disruption of the exams which causes psychological impact to the students. Teachers conducted exams, practical exams and completed the assessment at the college exams and prepared the results of the First year and second year classes, but decided not to do the assessment which would result in the delay of results.

At this stage, Dr. (Smt) Madhu Paranjape further informed the House that they were the only section in Maharashtra which had not received the arrears so this being the main issue on behalf of MUFCTO we need the support of the Senate and the support of this adjournment motion. Hon'ble Vice-Chancellor has informed the teachers that the Education Minister would be approached and requested with regard to the demand.

The second serious issue is the publication of Nigvekar Committee Report. Dr. (Smt) Madhu Paranjape stated that the Nigvekar Committee Report would be changing, the way education is imparted today in the state of Maharashtra, Maharashtra Government is going fast in completing the circle of privatization. The Government



desires to complete the circle of privatization by totally stopping the grant. Since the year 1991, it has been observed that the Government of Maharashtra has started no new colleges on grant basis & no new courses on grant basis.

She further stated that the University should admit and University authorities should recognize this attempt of privatization has already made the University and colleges to suffer. As grants are not made available it becomes difficult to run courses and pay teachers their salaries and good talent cannot be attracted. The institutions have to depend on CHB teachers with contractual teachers thus leading to a fall in standards. There is a lack of infrastructure and number of problems since the management is also present here the need for elaborating the same does not arise. Presently, there was a kind of satisfaction that there was a grant in a system ..... regular colleges, regular courses of B.A. B.com and B.Sc. courses like chemistry, physics and biological sciences received grants from the government and the demand of the teachers was to extend this grant to other courses, bring the unaided colleges in the fold but instead of doing that the government's mind is being reflected in the Nigvekar committee report that grant in aid is only for EBC and BC students. Further the Nigvekar Committee Report in the very first page admits that 80% of the students who are in general education B.A. B.Sc. B.com., 80% of the student in general education come from lower middle income group families, so this is the identification. The report also states that for the last many years because funds are not coming to the Universities their standards are falling, they are not able to function properly, it is agreed upon then what is the solution? The solution in Nigvekar Committee Report that, every student should pay the full cost of education. Every student of the 80% families coming from the lower middle income group will pay the full cost of education, sixth pay to non teaching staff, and sixth pay to teaching staff, administration, books, library, laboratories, it would not be possible for these students to pay, they will not pay, they will just drop out so this means that general education will stop. Further the report says that this will give sustainable financial assistance to colleges. It is not going to give sustainable financial assistance, this is only a recipe for closing down all the colleges, most of the colleges. Further, the report talks about setting up Finance Corporation and students can get loans 3%, 4%. The Government states that they will not give scholarship and freeships even to the OBC non creamy layer students. It is not going to give this even to the DTLT students, these students will be given loans, and government will only give the interest, the principle amount the students will give, when the student is able to pass out, when the student will get a job, then the student we don't know our employment period sometimes is long, regular appointment does not come in your way, hence, the support of the House on this one aspect of Nigvekar committee report is necessary as this is very dangerous and the second is they want privatization for a try.

She further stated that, Nigvekar committee has suggested that elections are bad for the University, you must have only nominated members. One Member has pointed out that we should not differentiate, it is necessary to differentiate between nominated and elected members. If since morning one has observed that the elected members and even elected Principals, teachers and graduates have raised issues. The elected members are able to go on local elected committee, they find out in this college, the



staff is not appointed, the students of this college have a grievance, this college does not have proper infrastructure. It is the elected representative who are on the LIC's who furnish the social feedback. Without elected members there will be a gag. Mumbai University Senate is a progressive Senate and it should decide that it does not want this report and we should request our Vice-Chancellor to resign from the Committee by stating that we do not agree with the philosophy of this Government. On the one hand totally privatizing, complete 100% privatization and on the other hand non-democratic functioning. She further added that the Governor will select his people, Vice-Chancellor will select his people, they will sit in the Grievance Committee, Management Council, Senate and ten Graduates will be selected and that apart the entire University will have number of Boards, Board of IT, Board of IT for administration and education Board of IT for PG education, Board of IT for UG education. Board of Studies has to be there and every board will have a fully paid Director, a full-time Director, that means the University will be converted into a Corporate and this at least will not be accepted by the Teachers Organization. The two dangers that lie ahead beyond this year and after two years is that education will not remain the same as they have said in the college campuses. To open BPOs, KPOs and so on, give recognition by the LIC to all these small courses which go on dress designing and so on. The face of the campus will look a different picture, you will have all private courses, BPOs running, then the question arises who will do research, who will pay for research, students will not pay for the teacher to go and do Ph.D. or for anybody else to go and attend the seminar, which means you will not appoint teachers. If the students have to pay the salary of the teacher we all know what is happening. The experience of self financing colleges is something which should not be ignored, the rest of the education should not become like that. So I appeal to the House to support the adjournment motion, reject the Nigvekar Committee Report.

याच दरम्यान कुलगुरु सभागृहात परत आले.

Hon'ble Vice Chancellor stated that I hope the very holistically the hon'ble member had put it her views and therefore I request you to be very brief and put your points in 1 or 2 minutes.

डॉ. जालिंदर अडसुळे म्हणाले की, क्रेडिट सिस्टीम घाईगडबडीत लागू केल्याने सिलेबसमध्ये बराचसा गोंधळ झाल्याचे सभागृहाच्या निदर्शनास आणून देऊन त्याचे विद्यार्थ्यांवर मोठे दडपण येत आहे. महाविद्यालयात नविन कोर्सेस सुरू करताना ट्रेडिशनल कोर्सेस आणि त्याचे विभाग हळू हळू बंद करण्याची प्रकरणे समोर येत आहेत. तक्रार निवारण समितीपुढे आलेल्या प्रकरणावर दिलेला निर्णय देखील महाविद्यालय व्यवस्थापन धुडकावून लावत आहेत. नविन कोर्सेसच्या बाबतीत मान्यता देताना पुर्वीचे कोर्सेस महाविद्यालय बंद करतात. याचा खुलासा करूनच, नविन कोर्सेसना मान्यता द्यावी. ब-याचवेळेला पीएच.डीसाठी गाईडकडून मुलींवर होणा-या अन्यायाबाबत विद्यापीठाने गांभीर्याने वखल घेणे गरजेचे आहे.

डॉ. विजय पवार म्हणाले की, विद्यापीठ अनुदान आयोगाने (UGC) दिनांक १९ सप्टेंबर, १९९१ ते ३ एप्रिल, २००० या कालावधीतील शिक्षक नेट-सेट उल्लोचन नसल्यास काही शर्तीवर त्यांना कायम सेवेत सामावून घेण्याचे आदेश दिलेले आहेत. विद्यापीठ अनुदान आयोगाच्या इतर सर्व आदेशांचे आपण

पालन करतो. मग हया आदेशाचे पालन नको का करायला? याबाबत महाराष्ट्र शासन ऐकत नसेल, तर विद्यापीठाची भूमिका स्ट्रॉंग असायला पाहिजे.

श्री. सुधाकर तांबोळी यांनी सांगितले की, शिक्षकांच्या प्रश्नाबाबत विद्यापीठाने गांभीर्याने दखल घेऊन शासनाकडे पाठपुरावा केला तर शिक्षक पेपर तपासण्याच्या कामाला जोमाने सुरुवात करतील आणि विद्यापीठाचे निकाल वेळेवर लागतील, विद्यार्थ्यांचे नुकसान होणार नाही आणि त्यांचे बरेचसे प्रश्न सुटतील.

कुमारी धनश्री पाटील यांनी सुचविले की, स्टुडंट कौंसिलच्या निवडणूका वेळेत घेणे गरजेचे आहे. जेणे करून विद्यार्थ्यांच्या अडचणी आम्हा प्रतिनिधींना वेळेत सोडवता येतील. निवडणूका घेण्यास विलंब होत असल्यामुळे प्रत्यक्ष कामकाजासाठी दोन किंवा तीन महिनेच मिळतात.

डॉ. (श्रीमती) मधू परांजपे यांच्या स्थान प्रस्तावाला पाठिंबा देत प्रस्तावाच्या बाजूने वोलताना डॉ. वसंत शेंकडे म्हणाले की, विद्यापीठात सहा महिन्यांचे/एका वर्षाचे नविन कोर्सेस सुरू होत आहेत. महाविद्यालयांमध्ये विद्यार्थ्यांना एका कोर्सेसची फी भरणे अवघड असताना त्यांना सक्तीने दोन दोन कोर्सेसची फी भरण्यास भाग पाडत आहेत. याबाबत विद्यापीठाकडे तक्रारी देखील प्राप्त झाल्या आहेत. सदर प्रकार सिंधुदूर्ग, रत्नागिरी जिल्ह्यातील महाविद्यालयांमध्ये प्रामुख्याने आढळून येत आहे. पारंपारीक शिक्षणापेक्षा या नविन कोर्सेसना अधिक महत्त्व मिळत आहे. त्यामुळे पारंपारीक विषयांच्या शिक्षकांवर ब-याच महाविद्यालयांमध्ये अन्याय होत आहेत. अनुदानित महाविद्यालयात शिक्षकांच्या रिक्त पदांमुळे कार्यरत असलेल्या शिक्षकांवर ओझे वाढत आहे, याबाबत शासनाकडे पाठपुरावा केला पाहिजे.

यावर डॉ. दिपक बिडवई म्हणाले की, याबाबत राज्यपालांना तात्काळ पत्र पाठवून प्रश्न सोडवा ही तुम्हाला सभागृहातर्फे विनंती.

डॉ. अरूण निगवेकर, डॉ. राम ताकावले आणि डॉ. अनिल काकोडकर यांच्या अहवालास विरोध करत श्री. संजय वैराळ म्हणाले की, सदर रिपोर्ट विद्यापीठास कसा लागू होणार आहे. खासगी विद्यापीठात प्रेसिडेंट हे सर्वोच्च पद असून कुलगुरू हे त्यानंतर येणारे पद आहे. प्रेसिडेंटच्या पदाला शिक्षणाची अट नाही. कुलगुरू पदासाठी सध्या असलेली पाच वर्षांची अट शिथील केली आहे. खासगी विद्यापीठ जर चालली नाही तर तिथल्या विद्यार्थी, शिक्षक आणि कर्मचारी यांच्या भविष्याव्हाल चिंता व्यक्त केली. पैशाच्या जोरावर खासगी विद्यापीठ चालणार असतील तर दर्जा ढासळण्याची खंत व्यक्त करत पारदर्शकता साधणार नाही अशी भीती त्यांनी व्यक्त केली. डॉ. अरूण निगवेकर समितीमध्ये सिनेट हा प्रकार वगळून लोकशाहीचा गळा पूर्णपणे दाबला आहे. पदवीधर, महिला प्रतिनिधी तसेच मागासवर्गीयांचे प्रतिनिधी यांच्यावर देखील अन्याय केला आहे. सदर रिपोर्टचा विरोध केला पाहिजे.

डॉ. श्रीमती माधवी निकम म्हणाल्या की, डॉ. अरूण निगवेकर समितीमुळे सिनेट हद्दपार होणार आहे, ही अतिशय चिंताजनक बाब आहे. त्याचप्रमाणे नेट-सेट ग्रस्त प्राध्यापकांचे प्रश्न आणि पौएच.डी. गाईड हयाबाबत लवकरच उपाययोजना कराव्यात अशी विनंती केली.



Dr. Sanjay Kumar stated that there is no part time Degree Engineering College earlier it was in SP College, but now that also is stopped. So if any person who is a diploma holder and wants to improve his/her qualification, he/she cannot do degree courses, I don't know whether there is a problem with the AICT, or State Government.

Dr. Sunita Khariwal stated that Sorry sir, I request you and I want to reinforce the point that the University of Mumbai should intervene with the Government of Maharashtra in favour of NET SET affected teachers. That is the main point I want to make. That's it.

Dr. Adyaprasad Pandey suggested that instead of two tests of 10 marks since any system introduces test for the academic growth of the students and by now the students are not properly benefitted

॥ प्राचार्य मुरलीधर चांदेकर म्हणाले की, डॉ. अरुण निगवेकर, डॉ. राम ताकावले आणि डॉ. अनिल काकोडकर कमिटीवर आपण भरपूर चर्चा केली आहे. आपण डॉ. अरुण निगवेकर कमिटीच्या रिपोर्टला सरसकट विरोध करतो आहोत असे मला वाटते आपण सगळेजण निवडप्रक्रिये संबंधी बोलत आहोत. नामिनेट केलेले सदस्य विरोध करतो आहोत. नामिनेट केलेले सदस्य तज्ञ व्यक्ती असतात. मी याठिकाणी नामिनेशनला समर्थन करत नाही. अॅटोर्नीमी म्हणजे प्रायव्हेटरायजेशन असा विषय कोणीही काढण्याची गरज नाही, कारण त्यांनी 'ए' ग्रेड आणि 'बी' ग्रेड नॅक कडून मिळाल्यानंतर ते ग्रॅन्डसाठी अप्लाय करू शकतात आणि नंतर ते अॅटोर्नीमी घेऊन ती डिम्ड युनिव्हर्सिटी पाच कॉलेजच क्लस्टर अशी त्यांची स्टेप आहे. कॉलिटीवरही विचार केला आहे, त्याच मी समर्थन करतो असे नाही. माझे असे म्हणणे आहे की, एज्युकेशन सिस्टीम महाराष्ट्रातली बदलली पाहिजे. विद्यापीठातील अधिसभा सदस्य आणि व्यवस्थापन परिषदेचे सदस्य यांचा सल्ला घेऊन त्यांच्या सूचना शासनाला द्याव्यात. यातच ख-या अर्थाने मुंबई विद्यापीठाचे ते योगदान होईल.

Prin. Sudhir Bhosale stated that, he fully supported the motion on the issue on the Arun Nigvekar Committee Report which is going to have a deep impact on the development in higher education and certainly the developments which are going to bother the University of Mumbai. He felt that all Senate members probably would have the last chance to voice their concern. In case this particular act comes into existence. He enquired with the Hon'ble Vice-Chancellor whether it would be possible to call a special senate meeting on this particular report and send the Government the final conclusion on this report.

Dr. (Smt) Anuradha Mujumdar raised her concern about the issue on privatization raised by Dr. Madhu Paranjape. She felt that what it has led to that some checks which are non-viable are perishing while some subject which are commercially viable are flourishing in the University. Another aspect which she would like to point out is that many good institutes which were under the banner of University of Mumbai earlier i.e. St. Xavier's College, UDCT, SP College of Engineering and many good institutes which were doing very well in higher education and research have become autonomous. Hence, it is time that we introspect if we desire to keep the luster and



shine of the University, higher education and research being one of the hall marks and corner stone's of the name of the University. We will have to look into practicality and how we can make higher education equitable. She also pointed out that equitable is the work in terms of subject, background socio-economic background of students who have access to higher education.

Prin.(Smt.) Kamal Balasubramanian expressed her concern about the future of the students with regard to the boycott of the central assessment called by Dr. Madhu Paranjape in her motion earlier. She requested the Vice Chancellor to intervene in this matter by writing a letter maybe to the Government and ensure whatever the grievances of the teachers be immediately attended to and even the non clearance of Net-Set issue to be settled amicably.

The vice-Chancellor thanked the members for participating and discussing the issue of development in the state of Maharashtra and showing concern on future development. He stated that it was a positive sign and deliberating on ways and means towards improvement in the state of Maharashtra, and largely the members have discussed about the reports and the Committee reports. The Committee which have been appointed by the Government of Maharashtra comprise of renowned experts in the field known to the entire country that held various important offices and have contributed towards the development of the nation through the various assignments they held. The immense contribution made by the Chairman of these three committees cannot be denied. 1) Dr.Anil Kakodkar, 2) Dr.Arun Nigvekar, 3) Dr.Ram Takavale. They have contributed in the field of atomic energy, higher education through University Grants Commission and may be as a role of Chairman of Distance Education. The Government-appointed a Committee and they have the wisdom and the right to put forth their views in the report prepared by them with the help of other members on the basis of the feedback, discussion and experience they possess and have received. Their intentions and suggestions are for the development and improvement of the system.

The second important point raised by some of you is about the NET SET issue from 1991 to 1999 and that the teachers organization are aware about his intervention on this issue and how even today in the morning he intervened and spoke to the Hon'ble Minister regarding this issue. The issue is not in the hands of the University, the issue is with the Government and, therefore, he have intervened and it can not be divided. He has talked to the Hon'ble Minister several times even to the Secretary and I am sure because of the efforts of so many other Vice Chancellors, the file has been moved that is what has been conveyed to him and Hon'ble Minister has also said that he will talking to the Finance Minister and are trying to come out with some decision. Further, we all value students and he is sure the whole Senate feels that we should help the students by doing assessment. It a request from his side he has already intervened in this issue, and he is sure all will come out of it and try and help the University in the assessment work of is a request and he is sure understand your responsibility also of other side

About the reports which you have discussed mainly two things, he would like to tell and then stop and request.



"I am not a Member of the Nigvekar Committee I also have my views which I have communicated to the Government. As you have your views, I have also my views which I have communicated for the improvement of the Universities in the State of Maharashtra".

I have also requested to give some time to the people, stakeholders, to give their suggestions and I am sure they have given time and the ball is in your court, you have to write the suggestions and a specific suggestions and I am sure if you have studied so much then you can write down and give a copy to me; I will send it to them. So your write down your suggestions and I will forward your suggestions to the Government and after all, in the government also there is a process. The government also cannot take decision in the cabinet one fine morning and bring an act. The act also goes to an assembly and the act also goes to the Council and in Council also we have our representatives, you have your representatives and they also will put your views in that committee and there is a select committee where all these things. I remember when the act was prepared in 1990, and it had gone in 1991 to the assembly, and the assembly had sent it back to the standing committee to the select committee. Here they have sent it to the select committee and then the select committee came out with some suggestions and finally in 1994 the act was passed and, therefore, there is a democratic process. But for that democratic process what is the help you can do, the help is you write down your suggestions, put it on a piece of paper not orally and give it to me and I will pass it on to the government your views. And I am sure you can have some kind of debate on this but don't waste a lot of time because if government gives you chance two three times and if you don't write then they will say that we have given you chance and you have not given any suggestions to us. And, therefore, my request to you is any college you can have all the members those who want to suggest make a proper suggestion and that suggestion if you give it to me I will give it to the government saying that our members of the senate have given these suggestions and we will give. Now you tell me how much time you can give this suggestion to me I will pass it on to the Government.

Dr. Udhay Salunke stated that one of the Hon'ble Members mentioned his name being in one of the Committee. First of all it is a mistake since he is not in that part of the Committee. There is a similar kind of name which is referred in that particular committee and he requested the members to avoid referring to individual one to one person since everyone has judgements and opinions about everyone. He felt that we should believe in the manner we can leverage the strength of every member of the senate and other authorities and deliberate with respect to the different stakeholders whom we wish to cater to and probablen come together and look forward to solution rather than dividing up among ourselves as we compete with the best in the country, best in the world.

Hon'ble Vice Chancellor so with this now I request Madam Madhu Paranjpe to with this suggestion, and I have said that I will forward it to the Government under my signature.



Dr (Smt) Madhu Paranjape expressed her desire to give a clarification towards any unnecessary misunderstanding on the issue of nominated persons not being experts. She felt that she belongs to the group of experts of a certain kind and the academic community has people who have worked in the Senate in the teacher's movement, for more than two decades having held negotiations with the Governments, at both the central, national and at the state level. Further, these persons are accountable to the large community of teachers just as Graduates are accountable to the large community of graduates and as Principals are accountable to their own community. Hence, one cannot say that experts on a pedestal are nominated. She emphasized the fact that people who get elected come with accountability to a very large mass of people. It is not one section; it is a large community of teachers, Principals, managements and lakhs of students and is the electorate. She further stated that experts who are nominated by the chancellor are acknowledged but the expertise of the elected members need not be questioned as they are giving the feedback. The report cannot be given in five or ten days time rather we have a meeting of all the authorities and let the people give their suggestions and the second thing is the request to withdraw the adjournment motion which is our fight between them and the Government. Intervention should not be in a negative way and should not be proactive in taking action because a large number of Principals have extended their support but a few Principals have told their teachers that action would be initiated against them if they did not attend assessment. She further added that the Senate should have adopted this resolution because it concerns everyone and if the Hon' Vice-chancellor gives an assurance the adjournment motion would be withdrawn.

Hon'ble Vice Chancellor informed the members that a workshop be held before 15<sup>th</sup> April, 2012 where all the Members could participate in the debate and express their different views.

Dr. (Smt) Madhu Sudhir Paranjape stated that they needed co-operation from the University in this matter. If the University started compelling the colleges to take action then the entire scenario would change and the battle against the Government would turn against the University. She said that they did not want to do that since the Hon'ble Vice-Chancellor has intervened and is helping them. Moreover an assurance need to be given to the teachers and it is very difficult to withdraw like that, an agitation has been withdrawn, and an adjournment motion now being withdrawn what if a letter is received by the teachers in any particular college that action is going to be taken against you, this cannot be allowed. Then a morcha will have to be taken to that college and we want to avoid it as we are aware that 90% Principals are supporting us, but if the University compels them that would be a difficult situation.

Hon'ble Vice Chancellor said, It is, we have not taken action against anybody and I am sure atleast for this week we are not taking action and before that I hope the matter will be resolved by the Government of Maharashtra, atleast for this week.



Dr. (Smt) Madhu Paranjape stated that we presume we are hoping that the problem will be resolved in a week and then the action will not be taken on that assurance. I withdraw.

यानंतर कुलगुरूंनी श्री. शशिकांत झोरे आणि श्री. दिलीप करंडे यांना त्यांचा स्थगन प्रस्ताव मांडण्याची विनंती केली. परंतु स्थगन प्रस्ताव मांडण्यासाठी दोघेही सभागृहात उपस्थित नसल्यामुळे त्यांचे स्थगन प्रस्ताव सभागृहाच्या संमतीने विड्या झाले असा ठराव करण्यात आला.

बाब क्र. ३ :- २०१२-२०१३ या वित्तीय वर्षासाठी विद्यापीठाचा अर्धसंकल्पीय अंदाज.

श्री. पी.व्ही. पागे यांनी व्यवस्थापन परिषदेने केलेल्या शिफारशीनुसार प्रस्ताव सादर केला. त्यास श्री. संजय बाबुराव शेटे यांनी अनुमोदन दिले.

ठराव क्र. १: महाराष्ट्र विद्यापीठ अधिनियम १९९४ कलम २८(ई) ला अनुसरून व्यवस्थापन परिषदेने सादर केलेल्या वार्षिक वित्तीय विवरणाचा (ज्यात २०१२-२०१३ या वर्षाचा अर्धसंकल्पीय अंदाज तसेच २०११-२०१२ सालासाठीचा सुधारित अर्धसंकल्पीय अंदाज यांचा समावेश आहे.) याचा विचार अधिसभेने करावा.

ठराव क्र. २: वार्षिक वित्तीय विवरणामध्ये तपशीलवार दिलेले २०१२-२०१३ सालासाठीचे अर्धसंकल्पीय अंदाज तसेच २०११-२०१२ सालासाठीचे सुधारित अर्धसंकल्पीय अंदाज विचारात घेऊन स्वीकृत आणि संमत करावे.

Shri P.V.Page then made a speech explaining the salient features of the Budget Estimates. A full text of the speech made by Shri P.V.Page in marathi and in English is printed as Appendix III.

श्री. दिलीप करंडे यांनी अधिसभेचा अर्धसंकल्प सादर करण्याचे संकेत संचालक, महाविद्यालये व विद्यापीठ विकास मंडळ यांचा आहे. आपण प्रथा मोडीत काढत त्यांचा हक्क हिरावून घेतलेला आहे. अर्धसंकल्प समिती ही कलम ८० नुसार गठीत न केल्यामुळे नाराजी व्यक्त केली. सन्माननीय सदस्य पुढे असेही म्हणाले की, विद्यापीठातील परीक्षांचा गोघळ तसेच विद्यापीठाच्या खालावलेल्या परिस्थितीमुळे आम्ही महाराष्ट्राच्या मुख्यमंत्र्यांना नुकतेच भेटून त्याठिकाणी कुलगुरूंचा राजीनामा मागितला आहे. श्री. पी. व्ही. पागे सरांच्या ज्ञानावढल माझा काही आक्षेप नाही. श्री. पी. व्ही. पागे सरांच्या ज्ञानाचा बापर विद्यापीठास होणे आवश्यक आहे, परंतु आपण नियम मोडला आहे असा माझा आरोप आहे.

यानंतर श्री. सुधाकर एस. तांबोळी यांनी संचालक, महाविद्यालये व विद्यापीठ विकास मंडळ यांना अर्धसंकल्प सादर करण्यापासून वंचित ठेवल्यामुळे संचालक, महाविद्यालये व विद्यापीठ विकास मंडळ यांच्या कार्यक्षमतेवर कुलगुरूंना संशय आहे का? असा प्रश्न उपस्थित केला. वरील विषयास समर्थन देत डॉ. जालिंदर अडसुळे यांनीही निषेध व्यक्त केला.

यानंतर कुलगुरू खुलासा करताना म्हणाले की, व्यवस्थापन परिषदेच्या निर्णयानुसार सन्माननीय सदस्यांना अर्थसंकल्प सादर करण्याची परवानगी देण्यात आली आहे. त्याचप्रमाणे विद्यापीठात पुर्वोद्विखील संचालक, महाविद्यालये व विद्यापीठ विकास मंडळ यांच्या ऐवजी अधिसभा सदस्यांनी अर्थसंकल्प सादर केल्याचे संकेत आहेत.

यावर प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे म्हणाले की, सन्माननीय सदस्यांच्या भावना आणि सदस्यांनी माझ्या बद्दल जी आपुलकी दाखविली आहे त्याबद्दल मी त्यांचा आभारी आहे. परंतु व्यक्तीने कुठल्या जातीमध्ये, कुठल्या धर्मांमध्ये, कोणाकडे जन्म घ्यायचा हे त्या व्यक्तीवर अवलंबून नसते, परंतु जिथे आपण जन्माला आलेले असतो त्या आईवडिलांचा, त्या जातीचा आणि त्या धर्माचा जसा प्रत्येकाला अभिमान असतो तसा मलाही अभिमान आहे. संचालक, महाविद्यालये व विद्यापीठ विकास मंडळ म्हणून माझी नियुक्ती केली तोच माझा सर्वात मोठा सन्मान आहे आणि तो सन्मान माझा नसून माझ्या बहुजन समाजाला दिलेला आहे. विद्यापीठातील पहिल्या डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांच्या सप्ताहाची सुरुवात डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांच्या मुळगावी सुरू करण्यात आली. तसेच विद्यापीठ अनुदान आयोगातर्फे (UGC) सुरू करण्यात आलेल्या आदर्श महाविद्यालयांपैकी एक महाविद्यालय डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांच्या मुळगावी सुरू करण्याचा निर्णय मा. कुलगुरूंनी घेतला असे सांगत डॉ. राजपाल हांडे यांनी कुलगुरूंवर केलेले आरोप बिनबुडाचे असल्याचे सांगितले. दलाईलामा तसेच हॉर्डवर्ड विद्यापीठाचे अध्यक्ष यांच्या मुंबई विद्यापीठाच्या भेटीच्या वेळी संपूर्ण जबाबदारी माझ्यावर सोपवून माझा सन्मानच केला आहे.

श्री. दिलीप करंडे म्हणाले की, डॉ. हांडे सरांना जो काही सन्मान दिला त्याबद्दल आमचे काही म्हणणे नाही. परंतु विद्यापीठाची प्रथा मोडत काढली त्याबद्दल मी निषेध नोंदवित आहे. ते पुढे असेही म्हणाले की, अर्थसंकल्पात विमुक्त जाती/भटक्या जमातीसाठी असलेले २५ लाख रुपये गेली दीड वर्ष खर्च केलेले नाहीत. १० लाख रुपये खर्च करायचे नाहीत, ते दाबून ठेवायचे हा अन्याय नाही का ?

याबाबत कुलगुरू म्हणाले की, खर्च केले नाहीत असे म्हणू शकता दाबून ठेवलेले आहेत हा शब्द या सभागृहातून मागे घ्या.

श्री. दिलीप करंडे म्हणाले की, १० लाख रुपये दाबून ठेवले आहे हा शब्द मी मागे घेतो खर्च केले नाहीत.

श्री. संजय टी. घेराळ यांनी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती सप्ताह संबंधी इतर कोणत्याही सभासदांना आमंत्रित न केल्यामुळे नाराजी व्यक्त केली.

डॉ. विजय पवार यांनी अर्थसंकल्पाचा मुद्दा बाजूला राहून सन्माननीय सदस्य इतर विषयावर बोलत असल्याबद्दल नाराजी व्यक्त केली. तसेच सदस्यांना विनंती केली की, अर्थसंकल्प ही अत्यंत महत्वाची बाब आहे, त्या बाबत चर्चा करावी.



प्रभारी कुलसचिव म्हणाले की, सन्माननीय सदस्यांना मी हे सांगू इच्छितो, २०११-२०१२ मध्ये जी स्कॉलरशीप दिली गेली आहे ती ट्रायबल विद्यार्थ्यांसाठी २५ लाख रुपये, एस.सी. विद्यार्थ्यांसाठी विद्यापीठातील विभागातील आणि कॉलेजमध्ये विद्यार्थ्यांना १० लाख रुपये दिले आहेत आणि बुक बॅक साठी ३० लाख रुपये अगोदरच विद्यार्थ्यांना देण्यात आलेले आहेत.

श्री. संजय टी. वैराळ म्हणाले की, समाजकल्याण विभागाकडून आलेले शिष्यवृत्ती संबंधीचे परिपत्रक विद्यापीठाने महाविद्यालये व विद्यापीठ विभागांना का पाठविले नाही. इतर विद्यापीठांमध्ये मागासवर्गीय विद्यार्थ्यांना पीएच.डी.साठी शिष्यवृत्ती मिळते.

सन्माननीय सदस्यांनी कुलगुरू व मागासवर्गीयांबाबत केलेले आरोप डॉ. राजपाल हांडे यांनी खोडून काढले व त्यांना समर्थन करीत श्री. भिकु इराते म्हणाले की, मंडणगड तालुक्यात झालेल्या एम.टी संवर्गातील नेमबाजीच्या स्पर्धेत कुलगुरू उपस्थित होते, कुलगुरूंच्या हस्ते स्पर्धकांना बक्षिस दिले गेले. स्पर्धकांनी त्यांचा सन्मान कुलगुरूंकडून झाल्याबद्दल आनंद व्यक्त केला व आमचा सन्मान एका मोठ्या व्यक्तीकडून झाला आहे ही गोष्ट आम्ही आयुष्यभर विसरणार नाही अशी भावना त्या स्पर्धकांनी व्यक्त केले. पुढे सन्माननीय सदस्यांनी विमुक्त जाती/भटक्या जमाती संवर्गासाठी विद्यापीठामध्ये अध्यासन सुरू करावे अशी विनंती केली.

प्राचार्य विष्णु मंगरे यांनी अर्थसंकल्प कोणी सादर करावा याबाबत बोलताना सांगितले की, मी एका महाविद्यालयाचा प्राचार्य असून महाविद्यालये व विद्यापीठ विकास मंडळाचा संचालक होतो. मला अर्थसंकल्प सादर करण्याची संधी सहा वेळा मिळाली हा एक इतिहास आहे. विद्यापीठात महाविद्यालये व विद्यापीठ विकास मंडळ संचालकां ऐवजी इतर सदस्यांनी अर्थसंकल्प सादर केल्याचे दाखले आहेत. त्यांच्या आठवणीतील उदाहरण देत ते म्हणाले की, प्राचार्य आर. जे. गुजराधी हे अधिसभा सदस्य व डीन ही होते, त्यांनीही अर्थसंकल्प सादर केले आहेत. मी सन्माननीय सदस्यांना विनंती करतो की, अधिसभा सदस्य जे काही बोलत आहेत ते कायद्याला धरून नाही. सन्माननीय सदस्य हे संकेत आहेत असाच शब्द प्रयोग मी करीत आहे. त्यांनी त्यांचा मुद्दा बाजूला ठेऊन, अर्थसंकल्पाबाबत चर्चा करावी.

श्रीमती निलीमा भुर्के म्हणाल्या की, डॉ. राजपाल हांडे यांच्या कर्तृत्वाबद्दल किंवा श्री. प्रकाश पागे यांच्या कर्तृत्वाविषयी आमचे काहीही म्हणणे नाही. प्रथा बदलली आहे हा मुद्दा आहे.

प्राचार्य दत्ताजोराव पाटील म्हणाले की, श्री. प्रकाश पागे यांना अर्थसंकल्प सादर करण्याचा अधिकार व्यवस्थापन परिषदेने दिलेला असल्यामुळे त्यांनी अर्थसंकल्प सादर केला आहे. मी सभागृहास विनंती करतो की, अर्थसंकल्पावर चर्चा करावी.

कुलगुरूंनी सर्व सन्माननीय सदस्यांना विनंती केली की, वेळेची मर्यादा लक्षात घेता अर्थसंकल्पावरील चर्चा उदया सकाळी करू.

यानंतर कुलगुरूंनी गुरुवार, दिनांक २९ मार्च, २०१२ रोजी सकाळी ११.०० वाजे पर्यंत सभा स्थगित केली.

स्थगित सभा गुरुवार दिनांक २९ मार्च, २०१२ रोजी सकाळी ११.०० वाजता सुरू करण्यात आली.

यावेळी श्री. दिलीप करंडे यांनी पेपरफुटी प्रकरणी हरकतीचा मुद्दा उपस्थित करत काल कुलसचिवांनी पेपरफुटी प्रकरणी अफवा असल्याबाबत सभागृहास दिलेली माहिती ही खोटी असल्याचा आरोप करीत कालचा पेपर व आलेला एस्.एम्.एस्. मधील प्रश्न क्र. १,२,३ एकच असल्याचा खुलासा करीत विद्यापीठाच्या गलघान कारभाराबाबत आपला राजीनामा का मागू नये असा प्रश्न उपस्थित केला.

यावर कुलगुरू म्हणाले की, आज वृत्तपत्रांमध्ये परीक्षेचा पेपर फुटला अशी जी बातमी आहे त्याची शहानिशा विद्यापीठाच्या परीक्षा नियंत्रकांनी केलेली आहे. विद्यापीठाचा कोणताही पेपर आज फुटलेला नाही असे मी या सभागृहामध्ये सांगू इच्छितो. याठिकाणी वृत्तपत्रांचे प्रतिनिधी असतील त्यांनी उदयाच्या वृत्तपत्रात याबाबतचा खुलासा करावा. तसेच एस्.एम्.एस्.च्या द्वारे चुकीची माहिती जर आपल्याकडे येत असेल तर आपण विद्यापीठाची बदनामी होणार नाही याची कृपा करून काळजी घ्यावी. परीक्षा नियंत्रकांकडेही पेपर फुटला असा एस्.एम्.एस्. ज्यांनी ज्यांनी पाठवला त्यांना परीक्षा नियंत्रकांनी आपल्याकडे असलेल्या पेपरची माहिती फॅक्स, एस्.एम्.एस्.च्या द्वारे कळवावी अशी विनंती केली. परंतु कुणीही माहिती देऊ शकले नाही, याची कृपया नोंद घ्यावी. पेपर फुटला की नाही याची चौकशी करून निर्णय घेण्यात येतो. आजचा पेपर फुटलेला नाही असे मुद्दाम मी सभागृहाला सांगू इच्छितो.

श्री. दिलीप करंडे यांनी एका पंचतारांकित हॉटेलमध्ये एका पब्लीशरने आयोजित केलेल्या मिटींगसाठी कॉमर्स विषयाच्या डीन सोबत कॉमर्सचे प्राध्यापक उपस्थित राहिल्याचे सांगून याबाबत चौकशीची मागणी केली.

Hon'ble Vice Chancellor stated that University has not organized such meeting and therefore, University has not asked anybody to go there.

श्री. सुधाकर तांबोळी यांनी सभागृहामध्ये यायला ऊशीर झाला म्हणून सगळ्यांची माफी मागत, पेपरफुटीबाबत कुलसचिवांनी अफवा असल्याचे का सांगितले? तसेच आजच्या वृत्तपत्रांमध्ये आलेल्या बातम्यांबाबत शहानिशा करावी असा प्रश्न उपस्थित करून विद्यार्थ्यांना होत असलेल्या त्रासाबाबत खंत व्यक्त केली.

श्री. राजन कोळंबेकर यांनी पेपर फुटला नाही याबाबत आपण ठाम असाल तर वृत्तपत्रांकडे खुलासा करावा अशी मागणी कुलगुरूंकडे केली.

याबाबत वृत्तपत्रांना खुलासा देणार असल्याचे कुलगुरू म्हणाले.

डॉ. विजय पवार म्हणाले की, पेपर फुटीचा प्रकार निंदनीय आहे. तसेच हॉल तिकीट वेळेवर न मिळणे त्यामुळे विद्यार्थ्यांचे होणारे नुकसान, त्यांना होणारा त्रास याबाबत कुलगुरूंनी राजीनामा द्यावा. तसेच आपणही सगळे अधिसभा सदस्य याला जबाबदार आहोत असे माझे मत आहे. मी सगळ्या अधिसभा सदस्यांचा या विषयावर राजीनामा मागतो. परंतु आपण सगळ्यांनी विचार करायला पाहिजे आणि याच्यातून काहीतरी मार्ग काढायला पाहिजे. राजीनामा देणे हा त्याच्यावर पर्याय नाही.



परीक्षा नियंत्रकांचा राजीनामा घेऊन प्रश्न सुटलेला नाही हे आपल्या लक्षात आलेले आहे. प्रशासनामध्ये काही चुका असतील त्या आपण दाखवून देऊ त्यामध्ये बदल करणे गरजेचे आहे. त्यासाठी सर्वांनी एकत्रित येणे आवश्यक आहे.

प्रा. अंबादास मोहिते म्हणाले की, पेपरफुटीच्या संदर्भामध्ये वृत्तपत्रांमध्ये ज्या बातम्या येत आहेत त्या निश्चितपणे चिंताजनक आहेत. कारण जे विद्यार्थी परीक्षेला बसतात ते गोडलेल्या अवस्थेत व मानसिक तणावाखाली हे विद्यार्थी असतात याचा जर विचार केला तर ही बाब किती चिंताजनक आहे हे आपल्या लक्षात येते. पेपरफुटी संदर्भात आपण चौकशी समिती नेमावी. त्याचप्रमाणे एस्.एम्.एस्.द्वारे विद्यापीठाची बदनामी आणि विद्यार्थ्यांचा गोडळ माजविणा-यांवर सायबर क्राईमद्वारे चौकशी करण्यात यावी, अशी मी मागणी करतो.

श्री. सुधाकर तांबोळी यांनी याबाबत सी.बी.आय. किंवा इतर कोणतीही चौकशी करावी. परंतु विद्यार्थ्यांचे नुकसान होणार नाही याची काळजी घ्यावी अशी विनंती करून संबंधितांना शिक्षा झालीच पाहिजे याबाबत कुलगुरूंनी आश्वासन द्यावे, असे सांगितले

श्री. प्रदीप सांवत म्हणाले की, काल पेपर फुटीप्रकरणी प्रश्न विचारल्यानंतर जर तुम्ही स्पष्टीकरण दिले असते तर आज वर्तमानपत्रात पेपर फुटला अशी बातमी आली नसती. याचा अर्थ पेपर फुटला आहे.

डॉ. उदय सांळुखे म्हणाले की, पेपर फुटल्यावर त्याचा विद्यार्थ्यांना व पालकांना खूप त्रास होतो. याबाबतीत कोणालाही दोषी न ठरवता यावर सगळ्यांनी एकत्र मिळून उपाय काढला पाहिजे.

प्राचार्य विष्णु नं. मंगरे म्हणाले की, बी.कॉमची परीक्षा आणि आज व काल या सदनात झालेली चर्चा पेपरफुटीशी जोडण्यात आली कालही प्रशासनाच्यावतीने असे निवेदन करण्यात आले की, पेपरफुटीच्या गोष्टीमध्ये तथ्य नाही, ती केवळ एक अफवा आहे, प्रशासनाचे हे निवेदन जर विस्तृत प्रकारे झाले असते तर कदाचित आज पेपरमध्ये ज्या नकारात्मक बातम्या आल्या त्या आल्या नसत्या. विद्यापीठाने जो खुलासा काल केला तो वृत्तपत्राकडे पाठवला असता तर एकूणच जी गडबड झालेली दिसते त्या बाबत एक वेगळे चित्र निर्माण झाले असते. आज पेपरमध्ये बातम्या आल्या नसत्या. खुलासा न केल्यामुळे आलेल्या बातम्या आणि विशिष्ट पध्तीने आज प्रस्तुत झालेले एस्.एम्.एस्. यांच्या परिणाम स्वरूप एक गोष्ट निश्चित पणाने घडली ती म्हणजे विद्यार्थ्यांमध्ये निर्माण झालेली कमालीची गोडळाची भावना. मी एका महाविद्यालयाचा प्राचार्य असल्यामुळे परीक्षा आज होईल किंवा होणार नाही या बाबतचा संभ्रम विद्यार्थ्यांमध्ये आहे, हे मी जाणतो. महत्वाचा मुद्दा हा आहे की, विद्यार्थ्यांपर्यंत ही माहिती योग्य आणि नेमकेपणाने जाणे अत्यंत गरजेचे आहे. जी माहिती अयोग्यपणे म्हणजेच विकृत स्वरूपात एस्.एम्.एस्.द्वारे प्रस्तुत होते असेल तर त्या एस्.एम्.एस्.च इंगीत शोधले पाहिजे. प्रशासनाला जर खात्री असेल की पेपरफुटीचा प्रकार झाला नाही. पण एस्.एम्.एस्. मात्र प्रसिध्द होत आहेत तर त्याचा तपास करणे अत्यंत गरजेचे आहे. माझ्या लेखी त्याला जास्त महत्त्व आहे. त्याचे कारण विद्यार्थ्यांचे भवितव्य टांगणीला लागले आहे.

मी विद्यापीठाचे नाव घेत नाही पण काही वर्षांपूर्वी परीक्षा व परीक्षेसंबंधीच्या विविध प्रकारामुळे त्या विद्यापीठाची इतकी मोठया प्रमाणावर बदनामी झाली होती. वृत्तपत्रांमध्ये नेमणुकी संदर्भात ज्या जाहिराती यायच्या त्या जाहिरातीत तळटीप असायची की त्या 'एक्स' विद्यापीठाच्या विशिष्ट वर्षी उत्तीर्ण झालेल्या विद्यार्थ्यांनी या जागेसाठी अर्ज करू नयेत. प्रस्तुत प्रकरणी आपल्या विद्यापीठाबाबतच्या बातम्या सर्व वृत्तपत्रात प्रसिध्द झाल्या आहेत. सत्यतेचा दंडक म्हणून ज्या वृत्तपत्रांचा दाखला दिला जातो अशाही वृत्तपत्रांमध्ये या बातम्या आल्या आहेत. या बातम्या जर बुध्दी भेद होण्यास कारणीभूत असतील आणि आमच्या विद्यार्थ्यांचे भवितव्य खराब करणार असतील तर त्यांच्या क्रेडिटिलीटीचा विश्वाससंहितेचा प्रश्न निर्माण करणार असतील तर मला असे वाटते की या गोष्टीचा मुळातून शोध घेतला गेला पाहिजे, विद्यापीठ कायद्या प्रमाणे परीक्षा मंडळ तसे करण्यास सक्षम आहे. परंतु मला असे वाटते की, ही विश्वासाहता संदिग्धता वास्तवाने सिध्द करता आली पाहिजे ती जर तशी होत नसेल तर अकारण तार्किक व संभवासंभव करण्यात अर्थ नाही. निष्पनाअभावी विद्यार्थ्यांच्या माधी इथे अविश्वासाहतेचा शिक्का मारला जाईल म्हणून मला असे वाटते की ह्या सर्व प्रकरणाची सखोल चौकशी व्हावी. कारण हा प्रकार विद्यापीठाच्या अलीकडच्या काळात दुस-यांदा घडतो आहे. सात-आठ वर्षांपूर्वी सिरीजमध्ये पेपर फोडण्यात आले होते.

विद्यापीठ विद्यार्थ्यांना त्यांच्या गुणांबद्दल प्रमाणपत्र देते. त्यांची विश्वासाहता जर सिध्द करायची असेल तर मला वाटते आपण फार जाणीवपूर्वक निस्पृहपणे ह्या प्रकारची चौकशी करावी आणि जे दोषी ठरतील त्यांच्यावर कठोर दंडात्मक कार्यवाही करावी. खरे म्हणजे विद्यापीठाची प्रतिमा विद्यार्थ्यां मुळेच बनते. उद्या ह्या प्रकारामुळे असे होऊ नये की परीक्षेचा फुटलेला पेपर सोडवून हे विद्यार्थी उत्तीर्ण झालेत, त्यामुळे भविष्यात त्यांना या विद्यापीठातील विद्यार्थी वगळून इतरांना नोकरीसाठी अर्ज करायचे असतील त्यांनी अर्ज करावा या समस्येला सामोरे जावे लागू नये म्हणून या सदनाला मी अशी विनंती करतो की, आपली विश्वास अर्हता टिकविण्यासाठी आपल्याला जे करणे होईल त्या सर्व प्रकारांनी सदर प्रकरणाची कसून चौकशी करावी.

श्री. संजय टी. वैराळ म्हणाले की, आयडॉल ची मुले परीक्षेसाठी एन.एम कॉलेजला जातात त्यांना तिथे परिक्षेला बसायला दिले जात नाही. कॉलेजकडून विद्यार्थ्यांना उलट उलतरे दिली जातात. त्यामुळे विद्यार्थ्यांचे हाल होतात. विद्यापीठामध्ये चाललेला गोंधळ याला कुलगुरूच जबाबदार आहेत.

Dr. (Smt) Madhu Paranjape Stated that the discussion that took place pertaining to whether the paper has or has not leaked. She said that it was a serious matter, maybe a rumour, mischief or conspiracy, it may have been true, may be not true but all are concerned including students and parents whether they would have to reappear again? As Senate Members are always concerned about these things and even as the SMS started coming they were disturbing whether it was a deliberate mischievous act it could be a probability, it could be a hypothesis. Although she agreed with one part that this needed a serious enquiry but felt at the same time that the same should not be given to the CBI nor the Board of Exams. The Senate is the social feedback and has expressed its concern, the Vice-Chancellor has appointed a Committee but she requested that a high level committee from the senate comprising of two graduates, two



teaches, two principals, one Management Representatives be formed. She further insisted that no Deans, Board of Exams be appointed as the exam department has come under a scanner. The Senate is a responsible body and has many experienced people. Although there are many new people there is collective wisdom. Senate collectively being a very responsible body have come out with important result which led to very important decisions. She requested that the Vice-Chancellor appoint a high level committee from the Senate itself.

डॉ. (श्रीमती) मधु परांजपे मॅडमनी मांडलेल्या मुद्याला अनुमोदन देत श्री. गणेश चव्हाण म्हणाले की, प्रश्नपत्रिका फुटली किंवा नाही याबाबत विद्यार्थी संभ्रमात आहेत. त्यामुळे माझी अशी विनंती आहे की, अधिसभा सदस्यांना समितीत सामावून घेत चौकशी समिती नेमावी.

Dr. Rajan Tungare stated that after hearing the kind of sentiments and anguish expressed by this House and as a group having capabilities of providing managerial inputs for improving the system, he humbly suggested that the Vice-Chancellor appoint a Committee calling it a Monitoring Committee instead of Inquiry Committee and this Monitoring Committee would help the administration to galvanize the whole system.

प्राचार्य गोरक्ष पारगावकर म्हणाले की, विद्यापीठाबाबत जे काही प्रश्न/विषय आहेत ते या अधिसभेमार्फत आपल्या समोर येत आहेत. त्या विषयाच्या आधारावर अॅक्शन बेस प्रोग्रॅम तयार केला पाहिजे.

श्री. प्रकाश पागे म्हणाले की, पेपरफुटी संबंधी समिती नेमली असेल आणि समिती त्याचा अभ्यास करणार असेल तर त्यांना आवश्यक डेटा वेळच्या वेळी दिला पाहिजे. पेपरफुटीच्या बाबतीतल्या तक्रारी टेक्नॉलॉजीशी निगडित आहेत. पेपरफुटी एम्.एम्.एस्.द्वारे केली गेली या सगळ्या गोष्टींची चौकशी करणे आवश्यक आहे. आपल्याला या प्रत्येक कमिटीमध्ये तज्ञांची मदत घ्यावी लागेल. जी कोणती समिती आपण नियुक्त कराल त्यामध्ये तज्ञ व्यक्ती असाव्यात त्या समितीच्या सर्व सदस्यांनी थोडे जास्त लक्ष घालावे तरच ते प्रश्न सुटतील.

श्री. संजय शेटे म्हणाले की, पेपरफुटी संबंधी डॉ. (श्रीमती) मधु परांजपे यांनी जो प्रस्ताव मांडला त्याला माझे अनुमोदन असून माझी आपणांस विनंती आहे की, विद्यापीठाचा कारभार चांगला चालावा, जनमाणसामध्ये त्यांची चांगली प्रतिमा असावी. या सभागृहामध्ये बसलेल्या सगळ्यांची ती जबाबदारी आहे आणि ती कोणीही नाकारू शकत नाही. परीक्षा कशा असायला हव्यात त्यांच्यामध्ये कशी अमलबजावणी करायला पाहिजे असा प्रत्येक सदस्यांनी विचार केला तर मला वाटते आपल्याला अनेक गोष्टींचा उहापोह करता येईल. परीक्षा विभाग आहे हा मुंबई विद्यापीठाचा आरसा आहे. विद्यापीठाची श्वेतपत्रिका काढण्याचा आपण जो निर्णय घेतलेला त्या संबंधात आपण लोणावळ्याला घेतलेल्या मिटींगमध्ये हा विचार मांडला होता. परीक्षा विभागामध्ये आमुलाग्र सुधारणा करण्याची आवश्यकता आहे. जी समिती नेमाल ती निव्वळ पेपरफुटी संबंधी नसावी, एकूणच संपूर्ण परीक्षा पद्धत कशी असावी, परीक्षा भवन कसे असावे, टेक्नॉलॉजी कशी असावी, पेपर कसे निघतील, ते कसे पोहचतील, उत्तर पत्रिका कशा येतील, त्या तपासल्या कशा जातील, वेळेवर त्यांचे निकाल कसे लागतील, मुलांचे हॉल तिकीट कसे वेळेवर मिळतील या सगळ्यांचा आता विचार करण्याची गरज

आहे. या अधिसभा सदस्यांमधून आपण जर काही लोक नेमले तर पेपरफुटीसाठी नाही तर एकूणच आपण परीक्षा पद्धतीमध्ये आमुलाग्र बदल करावा.

डॉ. किरण माणगांवकर म्हणाले की, या चर्चेतून एक गट सकारात्मक आणि दुसरा थोडा विरोधाचा आहे. तर माझी सगळ्यांना अशी विनंती की, सकारात्मक पद्धतीने आपण जाऊया. समिती कितीही व्यक्तीची करा, पण सूचना सगळ्यांकडून मागवायला हरकत नाही. आपल्याला अधिक चांगले काम कसे करता येईल त्यासाठी सगळ्यांचो मदत घ्यावी.

पेपरफुटी प्रकरणी तीन-चार दिवस विद्यापीठाच्या निगेटीव्ह बातमीबाबत श्री. शशीकांत झोरे यांनी नाराजी व्यक्त करीत सदर प्रकरणी कुलगुरूंनी सभागृहास खुलासा करावा अशी मागणी केली. तसेच वृत्तपत्रांना सविस्तर खुलासा करावा जेणे करून निगेटीव्ह बातम्या येणे बंद होतील. विद्यापीठाची होत असलेली बदनामी, सी.बी.आय. मार्फत चौकशी केली तर सर्वत्र चर्चा होईल अशी खंत व्यक्त करीत श्री. शशीकांत झोरे यांनी सदर चौकशीबाबत अधिसभा सदस्यांची चौकशी समिती नेमावी असे सुचविले. अर्थशास्त्राच्या पेपरच्या ९८ विद्यार्थ्यांबाबत आपण निर्णय आताच घ्यावा. अशी विनंती मी आपणास करतो. फक्त सदर विद्यार्थ्यांची परीक्षा १० एप्रिल, २०१२ रोजी होणार की, संपूर्ण इकोनॉमिक्सचा पेपर पुन्हा घेणार याबाबत आपण ठाम निर्णय घ्यावा अशी आपणास आणि सभागृहास विनंती करतो.

Dr. T. P. Madhu Nair stated that when the Third Year B.Com University Examinations were going on several sms messages were received by different people about leakage of Paper III which is also as Marketing and Human Resources Management. He also received the SMS during the senate meeting and forwarded the SMS to his college in order to compare the two. There was also a news item appearing in The Times of India. The allegation was about the 60 marks question paper prepared for the regular students of the current year. Ex students, IDOL student they appear for three years 100 marks paper. 60 marks question paper contains 4 questions Questions 1,2,3, subjective type and question 4 objective type. Prediction can be made by any person if you go through the last few years papers about the topic. More than that there cannot be any relevance and honestly he believed that the paper has not leaked. Further late night he got an sms about the proposed leakage of today's question paper Export Marketing.

The paper could be opened only at 10.45 a.m. at the Kalina campus at the Controller's room when the actual paper was compared to the sms message not even 5% comparison was there; there was not a single actual question in the paper. This has created lot of tension amongst the students and rumours are being spread. If one is aware of the examination system, the Chairperson of the examination paper setting committee sets three different question papers, out of that which Question paper will come, the Chairperson is unaware. Hence, leakage it is not possible if at all there could be a leakage that would be possible only when in the past it once happened five years back in the accountancy paper. The paper was leaked from one of the colleges which was one of the examination centre, so he requested the Controller to let him know the distribution of the question paper. Now, in Mumbai city and suburban colleges



distribution of the question paper is carried out only on the day of the examination so that chances of the centres opening the bundles can be removed.

श्री. दिलीप करंडे म्हणाले की, मी घेतलेल्या हरकतीच्या मुद्द्यावर खुप जणांनी आपली प्रतिक्रिया व्यक्त केली. मी याठिकाणी अत्यंत महत्वाचा मुद्दा उपस्थित करतो. विद्यार्थ्यांची संख्या दिवसेंदिवस वाढत आहे. परंतु त्या पटीत शिक्षकांच्या नेमणूका मात्र होत नाही. महाविद्यालयांना परवानगी मिळते, परंतु अनुदान मिळत नाही. विद्यापीठाचे कर्मचारी वाढत नाही म्हणून अशा प्रकारचे घोटाळे होतात. अस्थायी कर्मचा-यांकडून काम करून घ्यावे लागते विद्यापीठात अस्थायी कर्मचा-यांची संख्या जास्त आहे. त्यामुळे जास्त गोंधळ होत आहे. असा मुद्दा उपस्थित करत अस्थायी कर्मचा-यांना कायमस्वरूपी कामावर सामावून घेण्यासंबंधी सूचना केली. जेणे करून कर्मचा-यांमध्ये आत्मविश्वास वाढेल व त्यांच्यावर जबाबदारी टाकता येईल. तसेच पेपर फुटला नाही अफवा आहे, असे जर वाणिज्य शाखेच्या अधिकाऱ्यांचे म्हणणे असेल तर आपण सदर बाबत पत्रक का काढले नाही. जेणेकरून वृत्तपत्रांमध्ये विद्यापीठाची बदनामी झाली नसती. अजूनही वेळ गेलेली नाही. आजही आपण पत्रक काढू शकता. पेपर फुटल्या प्रकरणीचा एस्.एम्.एस्. सकाळी ९.४० ला आपणास ही प्राप्त झालेला आहे. आपणास पेपर फुटीबाबत अफवा वाटत असल्यास आपण पत्रक काढावे व वृत्तपत्रांना खुलासा करावा. त्या माध्यमातून विद्यार्थ्यांना, पालकांना झालेला प्रकार कळेल आणि त्यांच्यामध्ये आत्मविश्वास वाढेल.

प्राचार्य सिध्देश्वर गडरे म्हणाले की, परीक्षा हा शिक्षण व्यवस्थेमध्ये आत्मा मानला जातो. गेल्या काही दिवसापासून वर्तमानपत्रातून ज्या बातम्या येत आहेत त्याच्यामुळे या आत्म्याला पुष्कळ क्लेश झालेला आहे. आपण काल आश्वासन दिलेले आहे की, परीक्षा नियंत्रकांच्या नियुक्तीच्या संदर्भात कार्यवाही सुरु आहे. ती लवकरात लवकर होण्यासाठी आपण जास्त प्रयत्न करणे आवश्यक आहे. याठिकाणी आपणास विनंती करतो की, वर्तमानपत्रांमध्ये एक छोटी बातमी दिली तर विद्यार्थ्यांच्या मनातील किंतु, परंतु, शंका निघून जातील. जेणे करून विद्यार्थी उद्याच्या परीक्षेला खुल्या मनाने, शांत मनाने सामोरे जातील.

श्री. सुधाकर तांबोळी म्हणाले की, अधिसभा सदस्यांनी चांगली मते मांडली आहेत. अधिसभा हे तक्रार मंच आहे की नाही या पेक्षा आम्ही ज्या विद्यार्थ्यांच्या तक्रारी घेऊन येतो तर आम्ही काही चुकीचे करीत नाही. त्यांनी आम्हाला निवडून दिलेले आहे, त्यांची बाजू आम्हाला इथे मांडायची आहे. ज्याप्रकारे काल खुलासा करायला पाहिजे होता तो केला नाही. विद्यार्थी, पालक आमच्याकडे सतत चौकशी करत आहेत पेपर होणार का? केव्हा होणार? त्यांना विद्यापीठात चौकशी करण्यापासून अडविले जात आहे. सदर प्रकरणी आपण आजच खुलासा करावा ही विनंती.

यानंतर कुलगुरु म्हणाले की, आपण या सदनमध्ये अतिशय संवेदनशील विषयाच्या बाबतीत आपापली मते मांडलेली आहेत. मी मगाशीच आजच्या या प्रश्ना संदर्भामध्ये आपल्या सर्वांना उतर दिलेले आहे की, आजचा पेपर हा फुटलेला नाही. कालच्या पेपरच्या संदर्भामध्ये जेव्हा प्राथमिक चौकशी आज आणि काल करण्यात आली, त्याच्याबद्दलही आपल्या वाणिज्य शाखेच्या डीन यांनी आपल्या समोर माहिती दिलेली आहे. तरी अशाप्रकारची अधिक माहिती विद्यापीठ घेत आहे आणि त्याची प्रक्रिया सुरु



आहे. त्या प्रक्रियेनुसार पेपर जर फुटला असेल तर कायद्याच्या अनुषंगाने त्या कायद्यामध्ये असलेल्या तरतुदीनुसार त्याची योग्य चौकशी केली जाईल. विद्यार्थ्यांना आणि पालकांना याचा मनःस्ताप होतो ही आपली जी संवेदना आहे. त्या संपूर्ण संवेदनेमधून तुम्ही आम्हाला बाहेर काढू नका. आम्हीही तुमच्या सारखेच संवेदनशील आहोत हे तुम्ही विसरता कामा नये आणि या चौकशीअंती विद्यापीठाच्या कायद्याच्या अनुषंगाने योग्य निर्णय घेण्यात येईल. जेणे करून विद्यार्थ्यांना कमीत कमी त्रास सहन करावा लागेल किंवा त्रास सहन करावा लागणार नाही. आजचा पेपरसेट बदललेला नाही. कारण मला जी माहिती मिळालेली आहे की, कोणत्याही प्रकारचा सेट आज बदललेला नाही आणि आज जो सेट महाविद्यालयांना जायचा होता, तोच सेट देण्यात आलेला आहे. याबाबतचा खुलासा वृत्तपत्रांना काल करण्यात आलेला आहे, असे संचालक, बीसीयुडींनी आपल्या समोर मांडलेलेच आहे. पण असे कोणी ही समजूता कामा नये की, विद्यापीठामधील अधिका-यांना संवेदना नाहीत. विद्यापीठ प्रशासन हे विद्यार्थ्यांना कमी त्रास होईल याच्यासाठी प्रयत्नशील असते. त्यातूनही काही अडचणी विद्यापीठाच्या असू शकतात. काही चुका विद्यापीठाकडून किंवा इतर कोणाकडून झाल्या याची गॅरंटी यादिकाणी या सदन्यामध्ये वैयक्तिकरित्या घेऊ शकणार नाही. या प्रश्नाच्या संदर्भात मी आपणा समोर खुलासा केलेला आहे हा विषय संवेदनशील आहे आणि आजचाही पेपर फुटलेला नाही, अशा प्रकारचा खुलासा विद्यापीठाकडून केला आहे. या सगळ्या गोष्टीकडे विद्यापीठाची अधिक पारदर्शकता राहिल.

All the authorities and the bodies in the Universities, those who are in the authorities and bodies, it is a joint responsibility of all it is not a singular responsibility of some individual. This is a joint responsibility of everybody. There are the Board of Studies, Faculty, Academic Council, Management Council and the Senate which takes a decision, no individual takes a decision, and all the decisions are taken by all of us. Those who come through the various methods, some are nominated, some are elected and it is a joint responsibility. If there are only problems then we must come together to resolve the issue. Further, I am sure we will not be able to resolve the issues within a fortnight, or within a year or two, this is a long borne process, where the education should go, if I just give a speech where the education should go and what kind of decision our bodies, should take then I personally tell that we are not taking the decisions of the future. We must take all those decisions in all these bodies, the moment we take all these decisions we move from examination to revaluation. It is a decision of all the bodies, and all experts are sitting in these bodies, and therefore, it is a joint responsibility of all of us. If the number has increased and if the problem has arisen because of that, then we must find a solution, there are hundreds of solutions, in this world. We must take decision what we are seeing. Everybody is sitting here, only pointing out finger to one person, I do not agree to that and that is not the case, we must discuss, we must come out with a suggestion, and those suggestion need to be implemented. In the University system there are various bodies, which takes time to take a decision, it is not that you take a decision and after a year you can implement. Always there is a room for improvement. We must remember, and don't point out the fingers in any way, maintain the decorum that's what I am telling In future also whatever business we are going to have, please maintain the decorum, don't force me to talk, what is not in the business, but it is a joint responsibility and today's responsibility is also taken by all of us. It is not the responsibility of a single person.



You are pointing out there are 654 colleges. The paper leakage should not happen, the students should not suffer, I also feel like you but you cannot really you can try this will not happen, but you cannot ensure that something may not happen because there are so many people involved into this 654 colleges, where, what happens we can take care in our University, and you are there to help the University. You cannot just say that only the vice-Chancellor, or the Registrar, or the Director, BCUD is responsible and these are the steps we have taken and we will see to it that the paper leakage will not be there. And we will try that this kind of error if at all I am not saying that yesterday's paper is leaked. I have not made this statement; we cannot make a statement unless and until we make a thorough inquiry and till the time it is proved that the paper is leaked then only the University can make a statement that yes the paper was leaked. Till today, I cannot make a statement for the inquiry has to be made. Yes one suggestion which came forward as yesterday I have said that we will come out with a white paper. White paper all of you know we bring the white paper. There are cumulative problems, let us understand those problems and let us resolve those problems, come out with a solution, come out with a suggestion, and then we will come out with a solution. But today some solution, some suggestion which came from one of the members, that the University will appoint committee amongst all of you. We will take the stakeholders from various fields. And here we are talking about the problems in the University administration. Do you think there are no problems within the colleges. Do you think that every college is going on very well.

Do you think that the Perspective plan is passed by the Vice-Chancellor. The perspective plan is passed by all of us. Whatever in last ten years the number of colleges have increased we have taken the decision, this body has taken the decision, the Management council has taken the decision, and BCUD has taken a decision. Wisdom has taken decision, and therefore, you cannot point out to a single person. This is my request to all of you, and whatever problems we have in this University, we must come out with a solution together, working together, and, therefore, as a Chairman of this body agree to the suggestion given by one of the member, on how we can improve on the examinations system, what are the problems, identify the problems and find out the solutions, and we will work towards that. And from all stakeholders we will take the meeting. And now without wasting since yesterday I am listening and therefore, I have made my stand very clear to all of you. It is a joint responsibility of all of us. And when you speak, you exclude us as if we are not members of the Senate, don't do that we are also members of the senate, and therefore, without wasting time now we are not discussing on this topic again. I have already announced my decision and we now move to discuss the topic of budget

Hon'ble Vice Chancellor stated that anybody who would like to speak on the budget, I think there is nobody and therefore, I hope nobody would like to speak on budget and therefore, I am requesting the house to pass the budget. How many people would like to pass the budget, please raise your hands,

Prin. (Smt) Ancy Jose stated that since morning the House listened to the complaints and concerns raised by the Hon'ble Members of the senate and felt that everyone present was equally concerned about the students. She stated that it was not only the Graduates constituency who were concerned likewise, parent's students, Principals of colleges and even the public. Everybody present in the House was responsible and equally concerned about the matter and since respected Vice-Chancellor has passed an order she meant requested all the members to listen as he had already listened and he stated that he too was a Member of the Senate, therefore, it was time for them to discuss about the budget. Hence, she on her behalf requested all the members if interested in discussing about the budget to join hands with the Vice Chancellor and discuss the budget and continue with the proceedings.

प्राचार्य सिध्देश्वर गडदे म्हणाले की, कुलगुरुंनी रुलींग दिल्यानंतर माझ्या मते कुठल्याही सदस्यांनी चर्चा करू नये व कुलगुरुंनी अर्थसंकल्प पास करण्यास सांगितले असून त्याच्यावर आपण निर्णय घ्यावा.

श्री. दिलीप करंडे आणि इतर काही सदस्यांनी सभागृहात कुलगुरुंच्या मंचासमोरील जागेत उभे राहून कुलगुरुंच्या राजीनाम्याची मागणी करीत निवेदाच्या घोषणा दिल्या.

यानंतर कुलगुरुंनी सभागृहाच्या कामकाजात अडथळा निर्माण होत असल्यामुळे त्यांना वारंवार शांत राहण्याची विनंती केली पण निवेदाच्या घोषणा न थांबल्यामुळे तसेच सभागृहाच्या कामकाजात अडथळा निर्माण होत असल्यामुळे श्री. दिलीप करंडे, श्री. महादेव जगताप, श्री. प्रदीप सावंत, श्री. शशिकांत शोरे, श्री. राजन कोळंबेकर, श्री. संजय वैराळ आणि श्रीमती निलीमा भुर्के या सदस्यांना कुलगुरुंनी विद्यापीठ कायदा १९९४ कलम १४(११) नुसार सदर अधिसभा बैठकीसाठी निलंबित केले.

प्राचार्य मुरलीधर चांदेकर म्हणाले की, अर्थसंकल्प ही अतिशय महत्वाची बाब आहे. त्यामुळे अर्थसंकल्प या विषयाला पुन्हा सुरुवात करावी असे मला वाटते.

Dr. (Smt) Madhu Paranjape stated that it was not possible in the prevailing atmosphere to participate in the general discussion hence, she would like to make some general remarks on the budget before taking up the amendments as the House is now come in order.

Vice Chancellor informed the House that when in Parliament this also happens when the speaker says "ask the House they are supposed to stand and speak". This happens in Assembly also and we are taking the decision for the University. He agreed that we may have our views, but this is not the way the Senate of the University of Mumbai should when the Vice-Chancellor is giving everybody time to speak. And he has given everybody time.

Vice Chancellor said that this is on record, that he requested the members not just once but requested the members ten times that the discussion is open and he made a request to all once again.



Vice-Chancellor stated that the budget involves the salary of the people who are working in the University and salary is important, the individual issue and the other issues can go on later on also, but the salary of the people belonging to the Class IV employees, Class III employees and those who are working for the students and the colleges.

Dr. Madhu Paranjape informed the House that she had a few general remarks to be made as Member of the Management Council as a party to the budget and therefore teachers have always ensured that the budget be passed because the teachers are aware of the fact that the salary of the non-teaching staff depends on this budget. But at the same time, a few general remarks come from the documents which were provided yesterday. The budget estimates summarized statement and also the budget estimates. Annexure 2 and 3 highlight the figures showing that the number of students in the University Departments as a percentage of the total number of students enrolled in the University is only 16% in 2002-2003 which means that 84% of the students are taking instructions in colleges. There may be PG students even in the colleges, that breakup is generally not given. But presuming that includes PG students who are enrolled in the colleges so the University Department cater to 16% of the total. Now that figure in 2011-2012 has come down to 12%, this is something which should make us worry that the number of students enrolled in the University department is showing a decline as a percentage not the absolute number which means that a higher number, higher proportion of the students are enrolling in the colleges, even for Post Graduate Courses. Second thing which has come to light is that if you look at the income from all types of fees was 70% coming in 2010-2011 which means students are providing 70% of the income of the University and the remaining 30% comes from government grant and some other sundry resources, other sundry resources not major resources. Major resource is government grant but that in 2010 was only 30% now our budget estimates for 2012-2013 show that the students are going to bear the burden of 60% of the income. What will happen by the time the revised estimates come we don't know because revised estimates actual always show the grants and show a downward trend and the fees show an upward trend.

The third thing which comes to light is that in your total expenditure, the expenditure on all types of scholarships, fellowships and research grants, all types are less than 3% of the expenditure. So students provide 70% of the income or 65% of the income and they are for their special needs of higher education, for their research, for scholarships for grants. The University is not giving them even 3%. are the reason coming as the major cause of deficit in the University and I have also spoken in the Management Council that the major cause of our deficit is the lack of grant received from the Government. It is the increasing proportion of unapproved staff. If one looks at the summarized statements, it is seen that if there is one approved teacher for every 11 unapproved teachers but for every 10 approved non-teaching staff there are 28 unapproved non-teaching staff which means the number is increasing and, therefore, the higher burden of expenditure of the salaries of the unapproved teaching and non-teaching staff is falling on the University. the University is trying to take from the students which can be seen that the students are bearing the burden of 2/3 or more



than 2/3 of your income they are providing to you and the number of students coming to the University department has a proportion is going down. How are you going to meet this deficits in future, you will probably increase the fees but that is not going to solve the problem आता सोळा टक्के जी मुले होती युनिव्हर्सिटी डिपार्टमेंटची ती नंबर घसरून अकरा-बारा टक्क्यावर आलेला आहे. तो पुन्हा पुढे घसरणार आहे. That proportion is going down, only 3% of the total expenditure not even that only 2.5% of the expenditure is on student's freeships, scholarships, research grants, University will have to take a holistic view of advancing number of PG students in colleges. University will have to come out with some policy decisions whereby the students who are for various reasons not coming to Kalliana, they may be going to the colleges because of distance they have to travel specially our students from the Konkan belt, if they want to do post graduation they will prefer to go. To say for eg. Konkani belt, if they want to do post graduation they will prefer to go to say for eg. Kankavli college, they will prefer to go to Gogate college they will prefer to go to DBJ Chiplun college rather than come to University, Kalina, Vidyanagari. There are other reasons e.g. lack of hostels, all that could be the reasons why the proportion of students enrolled in PG Departments has come down. University needs to be little more magnanimous and share its resources with the college. This is something which needs very serious discussions in the coming year. How resources are to be shared with the affiliated colleges where the students doing research, laboratory of Chemistry and Physics are being run for PG and Ph.D, these are the general remarks.

डॉ. (श्रीमती) शेफाली पेंड्या म्हणाल्या की, ट्रायबल स्टुडन्सना तसेच पीजी किंवा पीएच.डी.च्या विद्यार्थ्यांना प्रवासाचा त्रास होत असल्यामुळे त्यांच्यासाठी बसतीगृहाची काय सोय आहे ? यासाठी आपली काय पॉलिसी आहे. याबाबत या बजेटमध्ये नाहीतर पुढच्या वर्षाच्या बजेटमध्ये प्रविजन करायला हवी.

डॉ. विजय पवार यांनी विद्यार्थ्यांना संशोधनाच्या नविन सुविधा, नविन साहित्यासाठी अर्थसंकल्पांमध्ये तरतूद करण्याचा मुद्दा मांडला. विद्यापीठातील फिजिक्स, लाईफ सायन्स आणि इतर विभागात संशोधनासाठी असलेले साहित्य अतिशय निष्कट दर्जाचे असल्याचे सांगत त्यापैकी काही साहित्य अतिशय जुने म्हणजे २५ वर्षांचे असल्याचे सांगितले. संशोधनासाठी साहित्य नसल्यामुळे विद्यार्थ्यांना इकडे तिकडे जावे लागते व त्यांना एका एका सॅम्पलचे दोनशे ते तीनशे रुपये द्यावे लागतात. विद्यार्थ्यांना आपण चांगल्या संशोधनाच्या सुविधा कशा पुरविता येतील, याबाबत उपाययोजना कराव्या लागतील.

डॉ. दीपक बिडवई यांनी विद्यापीठाच्या अर्थसंकल्पावर चर्चा होणे अत्यंत गरजेचे असून विद्यापीठ अधिक कार्यक्षम होण्यासाठी सर्व सदस्यांनी एकत्रित भाग घ्यावा अशी विनंती केली.

Dr. Binduprakash Mishra spoke on the general remarks about the budget presented before the Management Council, and when presented before the Management Council it was like internal control in financial transaction of the Mumbai University which brought various proprietary of transactions, internal control means, there are chains i.e. clerk, junior clerk, junior officer, senior officer, account officer, senior account officer, are all liable to each other. The senior supervisor is liable to junior supervisor, senior account officer is liable to junior account officer, he felt that there was a lack of internal control, lack of internal means absence of change and no coordination.



He further stated that he was not adding a statement but just giving a statement given by the general remark. He further said that the Management Council is a very strong, powerful statutory body of the Mumbai University. He did not know the functions, powers, duties of the Management Council but the Management Council according to him is a very powerful statutory body of the administration of the Mumbai University.

Prin. (Dr.) Murlidhar S. Kurhade then with the kind permission of the Hon'ble Vice-Chancellor informed the House, that the item was opened for general remarks and the auditor's statement and the balance sheet of 2009-10 as mentioned.

Vice Chancellor directed that the request was remark on this budget and not on the earlier one.

डॉ. विवेक देशमुख म्हणाले की, अर्थसंकल्पासंबंधी ज्या सूचना दिलेल्या आहेत, विशेषतः मागच्या दहा वर्षात महाविद्यालयात ६५४ आणि विद्यार्थ्यांच्या संख्येत ७१ टक्के वाढ झालेली आहे. ही जी विद्यार्थ्यांची संख्या वाढलेली आहे ती अॅडेडमध्ये किती आणि अनअॅडेडमध्ये किती आहे. कारण माझ्या निरीक्षणावरून वाढलेली संख्या ही अनअॅडेड कोर्सेसमुळे वाढलेली आहे. उदा. बी.एससी, आय.टी, बी.एम.एस., बी.एस. इन कॉम्प्युटर सायन्स इत्यादी. सदर कोर्सेसना महाविद्यालये पूर्णवेळ शिक्षक नियुक्त करत नाही आणि या सगळ्यांचा परीक्षेच्या निकालावर परिणाम होत आहे. म्हणूनच आपल्या परीक्षांचा निकाल लागायला उशीर होत आहे. या संदर्भात आपण थोडासा प्रकाश टाकावा.

Dr. Abhay Namdeorao Bambole spoke with regard to the figure referred to the budget estimate for 12-13 page no.11 summary of miscellaneous schemes in the budget estimated in 11-12 there was a fourth item Western Regional Institute Instrumentation Centre around 10 crores were the budget estimate for 11-12 in year 12-13 this item is completely missing, we would like to know whether the Government, UGC has stopped giving grant for the WRIC which is there at Kalina. This item was there in the 11-12 budget and it is not there in the 12-13 budget. Then the next thing is go on the page 31 appendix to budget estimate the item is expenditure of additional staff of UICT University fold but still this item is there in the budget estimate of 11-12, 2011-2012 and in 2012-2013 the name UICT is missing but the item is there in the budget estimate. Regarding the general remarks, he wanted to point out in the budget when the budget was presented there was an estimate deficit of 13 crores, but when the final expenditure there was a surplus of 13 crores but when the final expenditure there was an actual surplus of 934 lakhs 9.34 crores. So this particular deficit needs to be changed this is around 16% of the expenditure. During the year 2010-11, was the estimated surplus was 2010-11 budget 677 lakhs but actually it has been raised to 4711 lakhs.

Vice-Chancellor stated that they were our Officers, UICT is not with us and, therefore, WRIC is also UGC separate society, therefore, it has not been shown.



Dr. Abhay Bambole stated that whenever actual expenditure is done there is a significant different between the budget estimate and the expenses incurred which is normally around 15 to 20% of the total. And when we go through the details, what happens is the expenses which have been estimated in the budget allocation which are there for the research and the higher education under the research and social objectives they are not made. This particular anomaly or the budgeted expenses not being spent because of the money, here marked page No.17 Recurring expenses item no.18, international seminars and conferences. In the year the expenses are only 3.66 lakhs, the lakhs were earmarked, only 9.9 lakhs were spent, in the year 2011-2012 lakhs were earmarked, till October 11 no money has been spent. So because of the lack of administrative support to carry out such activities money has been spent. Again I point out to page No.19, Item No.23, miscellaneous sub item No.13, financial assistance to the BC students. In the year 2009-2010, 1 lakhs were spent and in the year 2010-2011 only 4.44 lakhs were spent out of budgeted allocation of 20 lakhs. Similarly there are so many schemes which are earmarked, which are in design to develop the higher education and research. Money is allocated but it has not been spent so whatever the surplus extra surplus which you have been generating, so he requested the administration to develop some mechanism so that all the budget allocation goes to each and every party, students, teachers and properly they can utilize the funds, rise the status of the Mumbai University. He gave one simple suggestion, all the Circulars, all the schemes from the DST, CSIR there are so many scholarships, CSIR 4,000 scholarships per annum has been given to the PG research students. But according to his information, none of the Mumbai University students aspires for that. There is lack of information and hence, an electronic display in each Campus of the University i.e Fort Campus, Kalina campus and every sub-centre should be located centrally, giving continuous display of information regarding all the facilities of the State Government, Central Government and the Mumbai University. Whatever the provisions are there so that one can see all the money has been utilized and then next time we will see the budget deficit, budget surplus is there not because of this particular aspects regarding the Higher and Technical education research.

Shri Prakash Page said that the Hon'ble member had made valid points. It is seen that during the last three years, the budget for some expenditure, or for some of the other reason expenses have not been incurred and the budget is not deficit which is resulted into surplus. The creation of Budget scrutiny committee is to address all the issues. This committee when formed for the budget, it will also decide and make recommendations to the Hon'ble Vice-Chancellor, so that whatever budget we have now the committee will see whether the expenses will be incurred in time and for appropriate cause. May be in the coming year this kind of gap will start reducing, there are various reasons for which the expenses could not have been done during the last three years. All those reasons have been identified, slowly and we will come to a stage where the budget and the actual expenditure would then match. In the coming year, some experiments are being done on this issues, there are some initiative issues, the concern Director has to take initiative for expenditure, the administration has to support his initiatives, administration has to disburse the money in time, all the issues have been addressed by the Budget Scrutiny Committee.



Hon'ble Vice-Chancellor stated that he had already answered on the UICT. The Ph.D. students of the University, we have distributed scholarships to 28 students, 21.8 lakhs have been already distributed to them and the provision was 56.64. lakhs But whatever applications we have received we have made provision for more number of students and we will see to it that it is displayed on the website. We also request all the members so that more students should come. On the general issue of a hostel for tribals we are in touch with the Government and the Government Department for tribal hostel, but if one looks at the budget, some hostels are coming up in the University. And we are also writing to the Ministry of Social Justice, Government of India, for giving us hostel for the deserving category students. The Vice-Chancellor had a talk with the Hon'ble Minister, and in the proposal, we have asked for one Professor in the Department and we are now waiting for that the matter will be pursued. We are concerned about the declining number since, one year we have been asking all the departments that the decline in number is a concern to the University. I am not talking about all the departments, but whichever department there is a decline, the University has started asking questions to all these departments. We have also asked them to increase the number of students whoever wants to study they should get a good quality education, so we are monitoring that and we have given a freehand to them and we have also asked them to give advertisement in the Newspapers. Further, the remarks made about the grants from the Government, of-course in the Vice-Chancellor's meeting at various times have been discussed with the Hon'ble Minister, and if I remember I have made the statement in one of my speeches that if we really want to bring in quality education in unaided colleges we are not getting teachers. Therefore, Government should find out some way to support these institutes so that the teachers will be there and the infrastructure will be there and then the quality can be improved and then we will pursue this matter and talk to the Government in the Joint Board of Vice-Chancellors Meeting and try to get maximum grant from University Grants Commission and other International agencies. Regarding, research also. If you remember, last year 88 lakhs have been spent on minor research projects which have not been given to our Professor but to teachers from all the affiliated colleges. This year also we have made provision, we want more number of teachers to come, last year more number of teachers came and, therefore, we increased the budget provision from 50 lakhs to 90 lakhs I am sure that the University is taking care of that. Now about the laboratory, we have again asked one of the Professors in the University to write a proposal in the 12<sup>th</sup> Plan for instrumentation center in the University. Further, I am happy to inform you that in the Nano Science Department and other Science Department the kind of instruments which are being purchased and we have placed orders some of these are not even available with many Universities in the country. Some of the instruments are not even available in the IIT's, and that kind of provisions we are making for the laboratories so that maximum number of students get benefit out of these instrumentation center and these departments. More than 50 crores of rupees instruments are purchased in the laboratories and last year we have placed an order, some of them take time, because we purchase them from outside agencies. So with this, I say that whichever schemes of UGC you read on the website and as we are in Mumbai and we all tech savvy we must be getting the information on their website for unaided colleges also. The UGC has started giving some grants and travel grant also is

made available by the University. So we have tried to make the budget outcome the best.

यानंतर दुपारच्या जेवणाकरिता सभा एक तासाकरिता दुपारी १.३० वाजता सभा स्थगित करण्यात आली.

स्थगित सभा सुरू झाल्यानंतर कुलगुरूंनी डॉ. विजय पवार सभागृहात उपस्थित नसल्यामुळे डॉ. आदयाप्रसाद पांडे यांना दुरुस्ती सुचना मांडण्याची विनंती केली.

डॉ. आदयाप्रसाद पांडे यांनी खालीलप्रमाणे दुरुस्ती सुचना मांडली, त्यास डॉ. अभय बांबोले यांनी अनुमोदन दिले.

1. Page No.19 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xxi) Remedial Class for NET/SET  
Substitute Rs.10,000/- by Rs.9,999/-.
2. Page No.19 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xxiii) Best College Award  
Substitute Rs.3,00,000/- by Rs.2,99,999/-.
3. Page No.19 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xxix) Advisor Committee and Campus Development Committee  
Substitute Rs.30,000/- by Rs.29,999/-.
4. Page No.21 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xxxxv) Academic Collaboration with Other University (a,b,c, Total)  
Substitute Rs.2,00,000/- by Rs.1,99,999/-.
5. Page No.21 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xxxxx) Mission to be in top 200 Universities in the world  
Substitute Rs.2,00,000/- by Rs.1,99,999/-.



6. Page No.31 – Post Graduate Instruction and Research  
 A – Recurring Account  
 2. Remuneration  
 (2) Honorarium to Referees  
 Substitute Rs.8,00,000/- by Rs.7,99,999/-.

Dr. Adyaprasad Pandey moved his amendments on NET and SET remedial coaching that has been taken up by the University of Mumbai. It is a very nice plan that NET and SET coaching is to be started by the University of Mumbai and allocation of funds has been also allotted. NET and SET qualifications are very important and minimum qualification for the joining of degree college University teaching. Since, from 1991 to 2000 those who have been NET and SET affected teachers are also facing problems, that is why this NET SET remedial coaching should be taken very seriously. Second thing this NET SET qualifications are important because candidate without appearing for PET examination can also go for registration for Ph.D. so a kind of provisions whereby there should be a kind of centre either University departments, colleges centres, NET and SET coaching should be properly conducted.

Pg No.21 General administration, recurring account, miscellaneous, point 45 Academic collaboration with other Universities, Academic collaboration of Mumbai University extends to eight Universities such as Calcutta, Madras, Pune, Shivaji, Kolhapur, Maharashtra University of Health Sciences, Nashik and few institutes of Maharashtra. It is worthy and commendable task but whether this mega project can materialize in mega subscription of 3 lakhs rupees. If positive then what would be the nature of collaboration which University extends to execute. The allocation of Rs.3 lakhs with the collaborative programmes with eight Universities and any collaborative programme which could help enriching the academic standard of our University.

The University has been insisting on research work and activities. 105 Research and Recognition Committees have been conducted and number of students registered by the University of Mumbai but a sum of just 8 lakhs rupees towards honorarium have been allocated. Hence, when there is an increase in the research activities, researchers and referees increase the allocation funds need to be raised to meet the honorary honorarium to the referees who come as external examiners.

Vice-Chancellor with regards to NET SET coaching, this staff is given to Life Long Learning Department and they have conducted the coaching at seven places and till now 1,205 students are benefitted and this would be continued. Regarding the Post Graduate Research remuneration, this provision is made for payment of the honorarium of the referees who come for Viva and other examinations.

With regard to the collaborative programme with the Calcutta, Madras and the University of Mumbai their collaboration was for five years. It will be renewed this year we have received the consent from Madras and Calcutta, so this is in the process of renewal of collaboration with the University.

वरील निवेदनानंतर कुलगुरूंनी डॉ. आदयाप्रसाद पांडे यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मागे घेण्याची विनंती केली.

कुलगुरूंच्या वरील निवेदनानंतर डॉ. आदयाप्रसाद पांडे यांनी त्यांच्या दुरुस्ती सूचना सभागृहाच्या परवानगीने मागे घेतल्या.

यानंतर कुलगुरूंनी डॉ. दिपक बिडवई यांना दुरुस्ती सूचना मांडण्याची विनंती केली.

डॉ. दिपक बिडवई यांनी खालीलप्रमाणे दुरुस्ती सूचना मांडली, त्यास डॉ. अभय बांबोले यांनी अनुमोदन दिले.

1. Page No.19 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xxx) Scheme of Financial Assistance to ST Students from Tribal area in one Jurisdiction  
Substitute Rs.25,00,000/- by Rs.24,99,999/-
2. Page No.21 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xxxiii) PURA (Providing Urban Amenities for Rural Area)  
Substitute Rs.1,000/- by Rs.999/-
3. Page No.21 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xxxxxi) Incentive to College Teachers to participate in international Conferences / Seminars/ Abroad  
Substitute Rs. 2,00,000/- by Rs. 1,99,999/-

डॉ. दिपक बिडवई म्हणाले की, मागासवर्गीय विद्यार्थ्यांसाठी आर्थिक मदत तसेच ग्रामीण विभागातील शिक्षकांना परदेशात आंतरराष्ट्रीय शिबीरात जाण्यासाठी प्रोत्साहनपर मदत मिळण्याबाबत काही उपाययोजना करावी.

डॉ. दिपक बिडवई यांनी मांडलेल्या दुरुस्तीसुचनेस उत्तर देताना डॉ. राजपाल हांडे म्हणाले की, विद्यापीठात विद्यार्थी कल्याण विभागामार्फत मागासवर्गीय विद्यार्थ्यांना आर्थिक मदत दिली जाते. त्यासाठी बजेटमध्ये २५ लाखाची तरतूद आहे. रुपये २५ लाखांपैकी रुपये २४,९४,४१५ चा लाभ १,७०९ विद्यार्थ्यांना झालेला आहे. मागणीनुसार सदर रकमेत विद्यपीठ नक्कीच वाढ करील. मी सन्माननीय सदस्यांना दुरुस्ती सूचना मागे घेण्याची विनंती करतो.

सभागृहात

यानंतर

या ते उपस्थित

डॉ. दि

नुमोदन दिले.

Page

A – R

18- In

Subs

Page

A – F

23 M

(xiii)

Subs

3. Page

A –

23 M

(xxx)

to S

Sub

4. Page

A –

2. (1)

Sul

5. Pa

A –

18

(i)

Su

डॉ

असलेल्या

महाविद्याल

केला.



डॉ. राजपाल हांडे यांच्या वरील निवेदनानंतर डॉ. दिपक बिडवई यांनी त्यांच्या दुरुस्ती सूचना सभागृहाच्या परवानगीने मागे घेतल्या.

यानंतर डॉ. राजपाल हांडे यांनी सांगितले की, डॉ. विजय पवार हे सभागृहात उपस्थित नव्हते, आता ते उपस्थित आहेत. त्यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मांडण्याची विनंती केली.

डॉ. विजय पवार यांनी खालीलप्रमाणे दुरुस्ती सूचना मांडल्या, त्यास डॉ. हेमंत पेडणेकर यांनी अनुमोदन दिले.

1. Page No.17 – General Administration  
A – Recurring Account  
18- International Semainar/Conference  
Substitute Rs.20,00,000/- by Rs.19,99,999/-.
2. Page No.19 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xiii) Financial Assistance to Deserving BC students  
Substitute Rs.20,00,000/- by Rs.19,99,999/-.
3. Page No.19 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xxx) Schemes of Financial Assistance  
to ST students From Tribal areas in one Jurisdiction  
Substitute Rs.25,00,000/- by Rs.24,99,999/-.
4. Page No.25 – Examination Section  
A – Recurring Account  
2. Remunerations  
(1) Examinations (Total)  
Substitute Rs.3,65,15,000/- by Rs.3,65,14,999/-.
5. Page No.29 – Examination Section  
A – Recurring Account  
18. Seminars, Symposiums & Conferences  
(i) Seminars  
Substitute Rs.10,00,000/- by Rs.9,99,999/-.

डॉ. विजय पवार यांनी स्थायी समितीच्या बैठका न होणे, मागासवर्गीय विद्यार्थ्यांवर होत असलेल्या अन्यायाबाबत, तसेच शिक्षक व विद्यार्थ्यांच्या तक्रार निवारण समितीच्या निर्णयानंतरही महाविद्यालय दखल घेत नसल्याबाबत, त्याचप्रमाणे पूर्णवेळ प्राचार्यांच्या नियुक्त्याबाबतही प्रश्न उपस्थित केला.

डॉ. राजपाल हांडे यांनी वरील दुरुस्ती सूचनेस उत्तर देताना सांगितले की, स्थायी समितीची बैठक लवकरच म्हणजे मे, २०१२ मध्ये होणार आहे. तसेच विद्यार्थ्यांच्या स्कॉलरशीप संबंधी विद्यापीठाने एकूण ८९ विद्यार्थ्यांना रु. १०,२५००/- इतकी मदत केलेली आहे. म्हणजेच प्रत्येक विद्यार्थ्याला रु. १०,०००/- सरासरी मदत मिळाली आहे आणि आपण मांडलेल्या इतर विषयांबाबत विद्यापीठ योग्य ती पावले उचलेल.

वरील निवेदनानंतर प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांनी डॉ. विजय पवार यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मागे घेण्याची विनंती केली.

प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांच्या वरील निवेदनानंतर डॉ. विजय पवार यांनी त्यांच्या दुरुस्ती सूचना सभागृहाच्या परवानगीने मागे घेतल्या.

डॉ. अभय बांबोले मागासवर्गीय शिक्षक, विद्यार्थी यांच्यावर होत असलेल्या अन्यायाबाबत नाराजी व्यक्त करत म्हणाले की, मागासवर्गीय शिक्षक आणि विद्यार्थी यांच्या तक्रारी विद्यापीठाकडे येतात. तक्रार निवारण समितीने दिलेल्या निर्णयाची अंमलबजावणी महाविद्यालयीन व्यवस्थापन करीत नाहीत. तक्रार निवारण समितीच्या निर्णयात महाविद्यालयाने अंमलबजावणी केली नाही तर महाविद्यालयास नवीन तुकडी, नवीन कोर्सला परवानगी देऊ नये असे आदेश दिलेले असतात व त्यास व्यवस्थापन परीषदेची मंजूरी असते तरी देखील निर्णयाची पूर्तता झाली नसतानाही नवीन कोर्स व नवीन तुकड्यांना मान्यता देण्यात आली आहे. उदाहरण देत सन्माननीय सदस्य म्हणाले की, व्ही.जे.टी.आय. मध्ये एका मागासवर्गीय शिक्षकाची निवड खुल्या प्रवर्गाच्या पदावर झाली. परंतु दहा महिन्यांनंतरही सदर शिक्षकास विभागाचा चार्ज दिलेला नाही. त्याच प्रमाणे विद्यापीठातील विभाग प्रमुख ही प्रवेश प्रक्रियेत राखीव पदाबाबत काटेकोरपणे पालन करीत नाही अशा प्रकारे मागासवर्गीयांवर होत असलेल्या अन्यायाबाबत खंत व्यक्त केली.

श्री. सुधाकर तांबोळी यांनी मुंबई विद्यापीठाच्या आयडॉल व सांख्यिकी विभागाच्या राखीव पदांच्या प्रवेश प्रक्रियेबाबत शासन नियमांचे उल्लंघन झाले असल्याबाबत चौकशी नेमावी अशी मागणी केली.

यानंतर प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे म्हणाले की, मागासवर्गीयांच्या राखीव पदांसंबंधी सर्व विभागांना योग्य ते आदेश देण्यात आले आहेत. प्रवेशप्रक्रिया रीईवेशन पॉलिसीप्रमाणे झालीच पाहिजे. नियमांचे पालन न करणा-यांवर विद्यापीठ योग्य ती कारवाई नक्कीच करील. आयडॉलच्या डायरेक्टरना समज देण्यात येईल. त्याचप्रमाणे सांख्यिकी विभागाबाबत योग्य ती माहिती घेऊन कार्यवाही करण्यात येईल.

डॉ. विजय पवार म्हणाले की, मागासवर्गीय कर्मचा-यांना वेतनासाठी झगडावे लागते आणि त्यांनी केलेल्या तक्रारीबाबत तक्रार निवारण समितीने दिलेल्या निर्णयाची अंमलबजावणी ही वेळेत होत नसल्याचे सांगत सदर बाबत आपल्याला काही सुधारणा करता येईल का ?



यानंतर प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे म्हणाले की, तक्रार निवारण समितीच्या निर्णयाची जी महाविद्यालये अंमलबजावणी करणार नाहीत त्यांना आपण व्यवस्थापन परिषदेच्या समोर आणून त्याप्रमाणे निर्णय घेऊ.

यानंतर कुलगुरूंनी डॉ. संजय कुमार यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मांडण्याची विनंती केली.

डॉ. संजय कुमार यांनी खालीलप्रमाणे दुरुस्ती सूचना मांडली त्याला डॉ. विवेक देगामुख यांनी अनुमोदन दिले.

1. Page No. 25 – Examinations Section  
A – Recurring Account  
2. Remunerations  
(1) Examination  
(iii) Technology  
Substitute Rs. 97,75,000/- by Rs. 97,74,999/-.
2. Page No. 31 – Post Graduate Instruction and Research  
A – Recurring Account  
17. Post Graduate Scholarship, Fellowships, Grants and incidental expenses  
(ii) Scholarship and Fellowships  
(2) Fellowship for research work for Ph.D. Degree  
Substitute Rs. 7,50,000/- by Rs. 7,49,999/-.
3. Page No. 105 – Academic of Administrative Career  
A – Recurring Account  
1. Salaries  
(2) Unapproved Staff (a) Director  
(i) Pay and allowances  
Substitute Rs. 1,80,000/- by Rs. 1,79,999/-.
4. Page No. 319 – Centre for Nano Scinces and Nano Technology  
A – Recurring Account  
1. Salaries  
(1) Unapproved Staff (b) Non Teaching Staff  
(i) Pay and allowances  
Substitute Rs. 8,55,100/- by Rs. 8,55,099/-.
5. Page No. 339 – School of Engineering Sub-Centre at Kalyan  
A – Recurring Account  
1. Salaries  
(2) Unapproved Staff (b) Non Teaching Staff  
(i) Pay and allowances  
Substitute Rs. 31,16,000/- by Rs. 31,15,999/-.

Dr. Sanjay Kumar stated that since the assessing of exam papers at first year & first year engineering exams are now done in colleges by internal staff and no need to pay them traveling allowance there by reducing cost of the university, then it is possible to reduce the exam fees of the student or to increase the remuneration of the teaching staff who are assessing the papers.

If his second amendment Dr. Sanjay Kumar said that in respect of fellowship for the research work in Ph.D the excess funds should be passed on to those student doing innovative projects.

In his third amendment, Dr. Sanjay kumar stated that the salary allocated for post of director in academic administration is meager amount.

In his forth amendment, Dr. Sanjay kumar said that to teaching staff for the nano technology, the amount allocated, is again a too small amount.

In his fifth amendment Dr. Sanjay kumar stated that with relating to school of engineering Kalyan, sub centre the amount given to non-teaching staff is doubled but amount given to teaching staff is same as compared last year.

Prin.(Dr.) Rajpal S. Hande replied by Dr. Sanjay kumar that decision for almost double remuneration for the teachers is made taken in B.O.E. meeting. On second amendment Prin.(Dr.) Rajpal S. Hande said that award of the Ph.D. fellowship 8,000/- per month and 28 students are granted this fellowship. On third amendment Prin.(Dr.) Rajpal S. Hande said that honorarium not the salary is given to the Director. academic administrative correct. Regarding the centre for nano science, teachers will be appointed and as per the salary norms of the UGC. Regarding School of Engineering sciences at Kalyan sub centre, when the project get completed, faculty will be appointed as per the norms given.

Dr. Vivek Deshmukh requested Hon'ble Vice-Chancellor to clarify on matter School of Engineering sciences at Kalyan sub centre.

Hon'ble Vice-Chancellor clarify by Dr. Sanjay Kumar, that engineering programmes with inter disciplinary approach will be started in School of Engineering and when the building is ready, salary other things will be as per UGC scales.

वरील निवेदनानंतर कुलगुरूंनी डॉ. संजय कुमार यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मागे घेण्याची विनंती केली.

कुलगुरूंच्या निवेदनानंतर डॉ. संजय कुमार यांनी त्यांच्या दुरुस्ती सूचना सभागृहाच्या परवानगीने मागे घेतल्या.

डॉ. (श्रीमती) अनुरोधा महामदार आणि प्राचार्य (श्रीमती) चैताली चक्रवर्ती यांनी खालीलप्रमाणे दुरुस्ती सूचना मांडल्या व कुलगुरूंच्या विनंती नंतर सदर दुरुस्ती सूचना मागे घेतल्या.



डॉ. (श्रीमती) अनुष्ठा सङ्गमदार

1. Page No.21 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xxxiv) Cell for International Collaboration  
Substitute Rs.5,00,000/- by Rs.4,99,999/-.
2. Page No.23 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xxxxii) Incentive to P.G. Students of University Departments to participate in International Conferences/Seminars Abroad  
Substitute Rs.1,00,000/- by Rs. 99,999/-.
3. Page No.23 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(xxxxxv) Radiofrequency Identification  
Substitute Rs.50,00,000/- by Rs.49,99,999/-.
4. Page No.25 – Examination Section  
A – Recurring Account  
1. Salaries  
1) Approved Staff  
(B) Non Teaching Staff (Under SPS)  
(I) Pay and Allowances  
Substitute Rs.7,62,11,500/- by Rs. 7,62,11,499/-.
5. Page No.31 – Post Graduate Instruction and Research  
A – Recurring Account  
17. Post Graduate Scholarship, Fellowships, Grants and Incidental Expenses  
(ii) Scholarship and Fellowships  
(2) Fellowships for Research work for Ph.D. degree  
Substitute Rs.7,50,000/- by Rs.7,49,999/-.
6. Page No.145 – Department of Economics  
A – Recurring Account  
(E) Dr. Babasahab Ambedkar Chair in Political Economy  
(i) Pay and Allowances  
Substitute Rs.11,89,000/- by Rs. 11,88,999/-.
7. Page No.339 – School of Engineering sub centre at Kalyan  
B – Non- Recurring Account  
1. Land and Building  
I) Construction of buildings  
Substitute Rs.3,00,00,000/- by Rs. 2,99,99,999/-.

प्राचार्य (श्रीमती) चैतली चक्रवर्ती

1. Page No.19 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(vi) Manual for Affiliated Colleges  
Substitute Rs.1,00,000/- by Rs.99,999/-.
2. Page No.29 – Examination Section  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(vi) Examination Reforms Documatation (Computerisation)  
Substitute Rs.5,00,000/- by Rs.4,99,999/-.

यानंतर कुलगुरूंनी प्राचार्य नारायण राजाध्यक्ष यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मांडण्याची विनंती केली.

प्राचार्य नारायण राजाध्यक्ष यांनी खालीलप्रमाणे दुरुस्ती सूचना मांडली.

1. Page No.29 – Examination Section  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(vi) Examination Reforms Documatation (Computerisation)  
Substitute Rs.5,00,000/- by Rs.4,99,999/-.

प्राचार्य नारायण राजाध्यक्ष यांनी विद्यापीठाच्या प्रगतीसाठी तंत्रज्ञानाचा वापर करावा. परीक्षेचे निकाल ऑनलाईन विद्यार्थ्यांना कळतील अशी सुविधा उपलब्ध करून द्यावी. त्याचप्रमाणे जास्तीत जास्त प्रमाणात तंत्रज्ञानाचा वापर करण्यात यावा. विद्यापीठाची वेबसाईट अद्ययावत करण्यात यावी. कॉम्प्युटीयममध्ये ब-याचपैकी सुधारणा होणे आवश्यक आहे. कॉम्प्युटीयम दुरुस्त करताना ज्येष्ठ शिक्षक, प्राचार्य, यांचा सहभाग त्या समितीत करावा. विद्यापीठाकडून महाविद्यालयांना परिपत्रके वेळेत मिळत नाही. दुसरे असे की, आयडॉल च्या परीक्षेच्या वेळेस महाविद्यालयांच्या देखील परीक्षा असतात त्यामुळे प्राचार्यांना अडचणी निर्माण होतात. आयडॉलच्या परीक्षा घेण्यासंबंधी येणा-या अडचणी लक्षात घेता आयडॉलच्या परीक्षा विद्यापीठाच्या परीक्षा विभागाकडे देण्यात याव्यात.

प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे म्हणाले की, सन्माननीय सदस्यांनी ब-याच चांगल्या सूचना केल्या आहेत. आणि सर्व प्रथम सन्माननीय सदस्यांनी विद्यापीठाने ज्या चांगल्या गोष्टी केलेल्या आहेत त्यांचा फक्त उल्लेख केला नाही तर अभिनंदन केलेले आहे. त्याबद्दल प्रशासनातर्फे सन्माननीय सदस्यांचे धन्यवाद! सर्व सूचनांची दखल घेण्यात आलेली आहे आणि योग्य ती कारवाई करण्यात येईल.

वरील निवेदनानंतर प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांनी प्राचार्य नारायण राजाध्यक्ष यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मागे घेण्याची विनंती केली.



प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांच्या निवेदनानंतर प्राचार्य नारायण राजाध्यक्ष यांनी त्यांच्या दुरुस्ती सूचना सभागृहाच्या परवानगीने मागे घेतल्या.

यानंतर कुलगुरूंनी प्राचार्य विठ्ठल रोकडे यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मांडण्याची विनंती केली.

प्राचार्य विठ्ठल रोकडे यांनी त्यांची दुरुस्ती सूचना पुढीलप्रमाणे मांडली त्याला प्राचार्य (श्रीमती) कमला बालसुब्रमण्यम् यांनी अनुमोदन दिले.

1. Page No.25 – Examination Section  
A – Recurring Account  
2. Remunerations  
(vi) Commerce  
Substitute Rs.1,26,50,000/- by Rs. 1,26,49,999/-.

प्राचार्य विठ्ठल रोकडे यांना मॅनेजमेंट महाविद्यालयाकडून विद्यापीठास मिळणा-या टयुशन फीच्या शेरबाबत कोणतेच परिपत्रक विद्यापीठाने का पाठविलेले नाही असा प्रश्न विचारला.

त्यानंतर श्री. सुधाकर तांबोळी म्हणाले की, बी.एम.एस./बी.एस.सी.(आय.टी.), बी.एम.एम. अशी जी महाविद्यालये आहेत ते मागासवर्गीय विद्यार्थ्यांकडून संपूर्ण फी घेत आहेत. त्याची माहिती मी आपणास वेळोवेळी दिलेली आहे. आपणास विनंती करतो की, सदर महाविद्यालयाची माहिती मागवून त्यांच्यावर कारवाई करावी.

दुरुस्ती सूचनेचा खुलासा करताना प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे म्हणाले की, मॅनेजमेंट कॉलेजच्या टयुशन फी दिनांक १० जून, २००२ च्या परिपत्रकाप्रमाणे घेण्यात येत आहे. सन्माननीय सदस्यांनी उपस्थित केलेल्या मुद्द्याबाबत माहिती मागविण्यात आली आहे आणि त्याप्रमाणे योग्य ती कारवाई करण्यात येईल.

वरील निवेदनानंतर प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांनी प्राचार्य विठ्ठल रोकडे यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मागे घेण्याची विनंती केली.

प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांच्या निवेदनानंतर प्राचार्य विठ्ठल रोकडे यांनी त्यांच्या दुरुस्ती सूचना सभागृहाच्या परवानगीने मागे घेतल्या.

यानंतर कुलगुरूंनी प्राचार्य (श्रीमती) कमला बालसुब्रमण्यम् यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मांडण्याची विनंती केली.

प्राचार्य (श्रीमती) कमला बालसुब्रमण्यम् यांनी त्यांची दुरुस्ती सूचना पुढीलप्रमाणे मांडली त्याला प्राचार्य नारायण राजाध्यक्ष यांनी अनुमोदन दिले.

1. Page No.19 – General Administration  
A – Recurring Account  
23 Miscellaneous  
(vi) Manual for Affiliated Colleges,  
Substitute Rs.1,00,000/- by Rs. 99,999/-.

Dr. (Smt.) Kamala Balasubramaniam moved the amendment for annual fees for affiliated colleges page No.19, general administration,(a) recurring account, 23 of 6 manual for affiliated colleges substitute 1 lakh by rupees 99,999/- would like to bring to the notice 2, 3 issues because more than 600 colleges are affiliated to University of Mumbai. It is very essential that they should have a manual for affiliation. There is no proper manual for affiliated colleges, now some of the colleges pay the affiliation fees per course, per programme every year, whereas few colleges have paid affiliation fees of only 10,000/- and succeeded in getting continuation and extension of affiliation for B.Sc.(IT), B.Sc.(Computer Science), BMS and various programmes, so there is a discrimination, the authority needs to look into it and see that there is equality when the University is collecting the affiliation fees from various colleges the second issue is, now many colleges the principals have reported that they are not getting local enquiry committee report after the visit to LIC, therefore, the University need to look into the matter and see that the LIC report is being sent and in this connection would like to appeal to the authorities that when a local committee is sent to the college it should be ensured that the previous report of the local enquiry committee is also available with the committee as well as with the college. Feelings of guilt arise when the report cannot be submitted due to the previous LIC report is not available, despite repeated reminders, therefore, my request to the authorities is to take note of this, so that this kind of mistake should not be repeated because without the previous LIC report, the LIC cannot go and look into the compliance of whatever is the fault. The third issue is that the guidelines should be uniformed as we are collecting more than Rs.12 crores of rupees. The Budget indicates that it is an income from the various affiliated colleges so it is definitely mandatory for the University to bring out a manual with the application how it should be given by a new college and also presently it is available with the local enquiry committee and how they should write the report.

प्राचार्य नारायण राजाध्यक्ष म्हणाले की, एल.आय.सी. रिपोर्ट वेळेत न मिळाल्यामुळे प्राचार्यांना मोठा प्रश्न निर्माण होत आहे. आधीच्या वर्षाचे ऑडिटल आले नसेल तर पुढील वर्षाच्या कंटिन्जुअन्ससाठी अर्ज करायचा की नाही. पुढच्या वर्षी पुन्हा एल.आय.सी. समिती येते त्यात मागील वर्षाच्या कडिशान काय आहेत त्या महाविद्यालयानी पूर्ण केल्या की नाही याबाबत काहीच सांगता येत नाही. ही अत्यंत गंभीर बाब असून याचा आपण गंभीराने विचार केला पाहिजे.

Prin.(Dr.) Rajpal Hande stated that the Hon'ble Members have put this suggestion of the LIC and the LIC report. The back-log of the LIC would be completed within a few months because now the same is being cleared and then the on-going things would be in the process and whatever suggestions are given we will try to incorporate all those suggestions.

Dr.(Smt.) Sangeeta Godbole stated that if a college is delayed in sending this particular report for continued affiliation, University is delaying it on their behalf then they should consider while telling the college to pay late fees also. So when you are asking late fees, you should also consider that University has delayed in giving its report because when you have to pay Rs.10,000 affiliation fee the late fees come to around 35,000/- or 40,000/- that should not be the case.



Vice-Chancellor stated that it is not the decision of the Vice-Chancellor or the Director, BCUD. It is the appropriate authority who takes the decision but whatever suggestion have been made we will draw the plan so that the back log will be covered within a time and a manual also will be prepared.

बरील निवेदनानंतर कुलगुरूंनी प्राचार्य (श्रीमती) कमला बालसुब्रमण्यम यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मागे घेण्याची विनंती केली.

कुलगुरूंच्या निवेदनानंतर प्राचार्य (श्रीमती) कमला बालसुब्रमण्यम यांनी त्यांच्या दुरुस्ती सूचना सभागृहाच्या परवानगीने मागे घेतल्या.

यानंतर कुलगुरूंनी डॉ.(श्रीमती) अनुपमा सावंत यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मांडण्याची विनंती केली.

डॉ.(श्रीमती) अनुपमा सावंत यांनी त्यांची दुरुस्ती सूचना पुढीलप्रमाणे मांडली त्यास विवेक देशमुख यांनी अनुमोदन दिले.

1. Page No. 15 – General Administration  
A – Recurring Account  
4. Professional Charges  
(iii) Other Professional Charges (for Assets, Verification and Records Creation/Registration etc.)  
Substitute Rs. 85,00,000/- by Rs. 84,99,999/-.

2. Page No. 15 – General Administration  
A – Recurring Account  
1. Salaries (1) Approved Staff ( Under SPS)  
(B) Non Teaching Staff (i) Pay and Allowances  
Substitute Rs. 18,51,44,800/- by Rs. 18,51,44,799/-.

3. Page No. 15 – General Administration  
A – Recurring Account  
1. Salaries (1) Approved Staff (Under SPS)  
(B) Non Teaching Staff (viii) Provident Fund  
Substitute Rs. 8,38,300/- by Rs. 8,38,299/-.

4. Page No. 15 – General Administration  
A – Recurring Account  
1. Salaries (1) Approved Staff (Under SPS)  
(B) Non Teaching Staff (xi) Medical Benefit  
Substitute Rs. 6,90,800/- by Rs. 6,90,799/-.

5. Page No. 15 – General Administration  
A – Recurring Account  
1. Salaries (2) Unapproved Staff  
(B) Non Teaching Staff (ix) Pension  
Substitute Rs. 32,88,900/- by Rs. 32,88,899/-.

6. Page No. 21 – General Administration  
A – Recurring Account  
23. Miscellaneous  
(xxxxx) Mission to be in Top 200 Universities in the world  
Substitute Rs. 2,00,000/- by Rs. 1,99,999/-.
7. Page No. 27 – Examination Section  
A – Recurring Account  
14. Answerbooks and Question Paper  
(iv) Barcode A/B  
Substitute Rs. 3,50,00,000/- by Rs. 3,49,99,999/-.
8. Page No. 195 – Institute of Distance and Open Learning  
A – Recurring Account  
6. Services  
(A) University Share in IDOL Exam Fee  
Substitute Rs. 65,00,000/- by Rs. 64,99,999/-.

डॉ.(श्रीमती) अनुपमा सावंत म्हणाल्या की, विद्यापीठ सेल्फ फायनान्सच्या महाविद्यालयातील शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचा-यांची काळजी घेताना दिसत नाही. विद्यापीठाने एम.एम.सी. रिपोर्ट मागवून घेतला तर त्यांना नक्कीच सद्याची स्थिती लक्षात येईल.

दुसरी दुरुस्ती सूचना मांडत म्हणाल्या की, बारकोड संबंधी बजेट दोन करोड ऐवजी ३.५ करोड करण्यात आले आहेत. याबाबत आपण रिव्यू घेतला आहे का ? शेवटची दुरुस्ती सूचना ही आयडॉल संदर्भात आहे. पेज नं. १९५, यात त्यांनी युनिव्हर्सिटी शेअर आणि आयडॉल परीक्षा फी हा ६५ लाखांची दाखवली आहे. त्याच्या खालोखालच त्यांनी युनिव्हर्सिटी शेअर म्हणून आर्ट्स, सायन्स, टेक्नॉलॉजी आणि कॉमर्स यात सुध्दा त्यांनी परीक्षा फीचा शेअर दाखवला आहे. तर हे एक्सपेंडीचर काय प्रकारचे आहे त्याबद्दल खुलासा देण्यात यावा.

प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे म्हणाले की, सर्वप्रथम जे प्रोफेशनल चार्जेस आहेत ते assess verification, record creation, registration, verification of record for the including the amount payable to the MKCL त्या संदर्भातले ते चार्जेस आहेत. अनअॅप्टुड स्टाफ संदर्भात आपण पाहता पाचशे पन्नास कर्मचा-यांच्या वेतनाचा खर्च भागवण्यासाठी ही रक्कम दाखवलेली आहे. आणि आपण जे सांगितले की, महाविद्यालयाच्या संदर्भात अनएडेड महाविद्यालये आहेत. त्यासंदर्भात एल.आय. सी. ला स्पेसिफीक इस्टिमेशन आहेत की, त्यांनी रिपोर्ट देताना ह्या सर्व बाबींचा विचार करावा आणि त्याचप्रमाणे त्यांनी एल.आय.सी रिपोर्ट तसा मागवावा.

Dr. (Smt) Anupama Sawant stated that It is not the LIC report it is the Local Managing Committee report.

Prin (Dr) Rajpal Hande replied that it is different, we are sending the LIC report.



Dr. (Smt) Anupama Sawant further stated that it is true but every college is constituting Local Managing Committee.

Prin.(Dr.) Rajpal Hande replied that the University sends LIC, we are incorporating the LIC report. All these things what you have mentioned about and then that will be taken care when it comes into the process. Then the colleges as mentioned about the IDOL as per the University circular, the university share in the examination fee second half of 2011 and first half of 2012, remitted to the accounts section for the Exam Bhavan that is being mentioned over here.

Dr. (Smt.) Anupama Sawant stated that the information that I got about my first amendment that it is spent for the verification of the records creation and registration but actually need is what is this specifically, because for this year this particular head is introduced.

Shri Prakash Page suggested that I will enlighten you on this subject the University has been holding assets worth crores of rupees and there has been a concern shown by the auditors that there is no detailed record available of the assets with the University. It is the budget scrutiny committee which recommended saying that create this record in protection of the assets and in creation of this record you engage a professional firm with estimated fees as provided in the account that is why it is come for the first time. It is just to create our assets record which is not in complete form as of today. It is one time expenditure, once this record is created University staff will maintain it year to year.

प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे म्हणाले की, बारकोड सिस्टीम प्रमाणे परीक्षेच्या निकालामध्ये नक्कीच फायदा झालेला आहे आणि त्याप्रमाणे त्याचे ऑनलाइन करणायत येईल आणि तो रिपोर्ट आपल्याला पुढच्या वेळेस सबमिट करणायत येईल.

Dr. Anupama Sawant stated that the last point on page No.195, shows the IDOL University share and IDOL exam fees and below that the University exam fees is shown as an expenditure from IDOL, so what is the difference she would like to know.

Prin.(Dr.) Rajpal Hande said that the explanation given is as per University Circular No.SC/464 of 2000 at the rate of 25% of the University share in the examination fee for 2<sup>nd</sup> half and 1<sup>st</sup> half 2012 is remitted to the accounts section of the examination and hence, the provision has been made for 65 lakh rupees.

वरील निवेदनानंतर प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांनी डॉ.(श्रीमती) अनुपमा सावंत यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मागे घेण्याची विनंती केली.

प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांच्या निवेदनानंतर डॉ.(श्रीमती) अनुपमा सावंत यांनी त्यांच्या दुरुस्ती सूचना सभागृहाच्या परवानगीने मागे घेतल्या.

यानंतर प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांनी श्री. महेश म्हात्रे यांना दुरुस्ती सूचना मांडण्याची विनंती केली.

श्री. महेश म्हात्रे यांनी पुढीलप्रमाणे दुरुस्ती सूचना मांडली त्याला डॉ. किरण माणगांवकर यांनी अनुमोदन दिले.

१. पान क्रमांक १५ : सामान्य प्रशासन

अ- आवर्ती खाते

१. वेतन (१) अनुदान प्राप्त पदे

(ब) शिक्षकेतर कर्मचारी वेतन आणि भत्ते

रु. १८,५१,४४,८००/- च्या ऐवजी रु. १८,५१,४४,७९९/- असे वाचावे.

श्री. महेश म्हात्रे म्हणाले की, माझी अमेडमेंट पान क्र. १५, आवर्ती खाते, वेतन अनुदान प्राप्त पदे, शिक्षकेतर कर्मचारी वेतन आणि भत्ते तर या अमेडमेंट द्वारे मला असे सुचवायचे आहे की, विद्यापीठाची कार्यालयीन क्षमता कमी कमी होत चाललेली आहे ही फार चिंतेची बाब आहे. कारण मी एक कपात सुचविली आहे की, मला अधिसभेच्या बैठकीची कार्यसूची १६ तारखेला दुपारी मिळाली आणि तुम्ही १७ तारखेला दुपारी ४ वाजेपर्यंत दुरुस्ती, हरकती आणि आक्षेप कळवायला सांगितले होते. तर हे कसे शक्य आहे आम्हाला?

प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे म्हणाले की, कार्यसूची आपल्याला वेळेवर न मिळाल्याची योग्य ती कारवाई होईल.

वरील निवेदनानंतर प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांनी श्री. महेश म्हात्रे यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मागे घेण्याची विनंती केली.

प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांच्या निवेदनानंतर श्री. महेश म्हात्रे यांनी त्यांच्या दुरुस्ती सूचना सभागृहाच्या परवानगीने मागे घेतल्या.

यानंतर कुलगुरूंनी डॉ.(श्रीमती) मोहसीना मुकादम यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मांडण्याची विनंती केली.

डॉ.(श्रीमती) मोहसीना मुकादम यांनी त्यांची दुरुस्ती सूचना पुढीलप्रमाणे मांडली त्यास डॉ. (श्रीमती) माधवी निकम यांनी अनुमोदन दिले.

1. Page No. 15 – General Administration

A – Recurring Account

1. Salaries

(1) Approved Staff (Under SPS)

(B) Non-Teaching Staff (i) Pay and Allowances

Substitute Rs. 18,51,44,800/- by Rs. 18,51,44,799/-.

2. Page No. 21 – General Administration

A – Recurring Account

23. Miscellaneous

(xxxxx) Mission to be in Top 200 University in the world

Substitute Rs. 2,00,000/- by Rs. 1,99,999/-.



3. Page No. 25 – Examination Section  
A – Recurring Account  
2. Remuneration  
(1) Examinations (i) Arts  
Substitute Rs. 57,50,000/- by Rs. 57,49,999/-
4. Page No. 197 – Institute of Distance and Open Learning  
A – Recurring Account  
14. Answer Books and Question Paper  
(i) Answer books  
Substitute Rs. 6,50,000/- by Rs. 6,49,999/-

डॉ. (श्रीमती) मोहसीना मुकादम यांनी त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मांडत म्हणाल्या की, रिक्त पदामुळे तसेच तात्पुरत्या स्वरूपाच्या नियुक्त्यांमुळे विद्यापीठाचा दर्जा खालावत चालला आहे. विद्यापीठातील एकाच पदावर एकाच पद्धतीचे काम करणा-या जर दोन व्यक्ती असतील तर एकाला पूर्ण पगार मिळतो आणि दुसरा जो हंगामी कर्मचारी आहे. त्याला पूर्ण पगार देत नसतील तरी त्याच्याकडून शंभर टक्के कार्यक्षमतेची अपेक्षा करणे हे चुकीचे ठरेल. पदे कायमस्वरूपी करून घ्या. त्यामुळे कार्यक्षमतेचा प्रश्न उपस्थित होणार नाही. शिक्षकांच्या पेपर तपासण्याच्या भत्त्यात केलेली वाढ याचा बोजा विद्यार्थ्यांवर पडायला नको अशी सूचना मांडली. तसेच प्रश्नपत्रिकांपेक्षा उत्तरपत्रिका छापण्यासाठी खर्चाची तरतूद याबाबत खुलासा करावा.

जगातील २०० विद्यापीठात आपले विद्यापीठ येण्यासाठी बजेटमध्ये असलेली तरतूद ३२ लाखावरून २ लाखावर झाल्याबाबत खुलासा करावा अशी विनंती केली. विद्यापीठ पहिल्या २०० विद्यापीठात आले आहे का? म्हणून तरतूद कमी केली आहे का? आज यु.जी.सी.च्या परिपत्रकानुसार नेट/सेट मधून सूट मिळाली असतानाही त्यांना सेवेत सामावून घेतले जात नाही. आपण २०० विद्यापीठांचा प्रयत्न करीत आहोत परंतु आपल्या प्राध्यापकांचे हितसंबंध जपणे हे देखील आपले कर्तव्य आहे.

तसेच विनाअनुदानित महाविद्यालय, विनाअनुदानित कोर्सेस सुरू करून ते अनुदानित कोर्सेस बंद होणार नाहीत याबाबत आपण योग्य ती काळजी घेतली पाहिजे. क्रेडीट सिस्टिममध्ये आपण सिलॅबस अधिक डायलूट करीत असून त्याने समाज शिक्षित होणार आहे. सुशिक्षित होणार नाही. जास्तीत जास्त संख्येने विद्यार्थ्यांना पदवी मिळावी यासाठी केलेला हा प्रयत्न आहे का ?

डॉ. (श्रीमती) अनुपमा सावंत म्हणाल्या की आर्ट्स, सायन्स, कॉमर्सच्या क्रेडीट सिस्टिमबाबत रिव्ह्यू घेतल्या नंतरच इंजिनिअरींगची क्रेडीट सिस्टिम सुरू करावी.

डॉ. (श्रीमती) मोहसीना मुकादम म्हणाल्या की, रिव्ह्यू समिती मध्ये महाविद्यालयातील परीक्षा विभागात काम करणा-या प्राध्यापकांपैकी कोणी तरी असावे.

डॉ. (श्रीमती) माधवी निकम म्हणाल्या की, बारकोडचा विद्यापीठाला फायदा झाला का? याबाबत खुलासा करावा. तसेच क्रेडिट सिस्टीममध्ये ओएमआर सिस्टीममध्ये किंवा बबलींग हे जे काय आता इंटरड्यूस केल आहे. तर ह्यामुळे विद्यार्थ्यांचा वेळ वाया जातो. शिक्षकांचे श्रम वाया चालले आहेत. त्याचबरोबर विद्यार्थ्यांची मानसिकता सुद्धा बिघडते आहे. प्रत्येकवेळी सुपरवाईजर दोन तासांमध्ये विद्यार्थ्यांना चार वेळा डिस्टर्ब करतात. त्यांनी दोन ठिकानी बबलींग करायचे, सीट नंबर लिहायचे, सही करायची, पुन्हा ते अर्ध लिफलेट फाडायचे, त्यांनी फाडले नाही तर टिचर्सनी फाडायचे, चुकून कधी कधी विद्यार्थी पूर्ण लिफलेट फाडतो असे अनेक मुद्दे आहेत हे विद्यापीठाने लक्षात घेवून या परीक्षेची जी काही पद्धत आहे याच्यासाठी खर्च रिव्ह्यु समिती स्थापन करून याच्यावर लवकरात लवकर निर्णय घ्यावा.

Kum. Dhanashree Patil stated that there is a supplementary question to the amendment made by Dr.Mohsina regarding the examination section and regarding the exams. She wanted to know when the students are charged for the examination fees, is there any compulsion on the issuing of supplement or the answer sheet, because last year, they faced all these issues. Few colleges and the examination centres had only given one answer sheet and we got information that it was a rule of Mumbai University, hence, she wanted to know whether the rule is passed or is there any sort of compulsion that one would be only provided with one answer sheet or there is no limitation on that.

डॉ. दिपक बिडवाई म्हणाले की, एल.एम.सी. वर नियुक्त केलेल्या प्राध्यापकांना मॅनेजमेंट काऊन्सिलमध्ये नियमोक्त करण्याबाबत काही ठराव करणार आहे का? जे ग्रीव्हेंस कमिटीचे सदस्य आहेत त्यांनी कॉलेजच्या कॅसेसबाबत लक्ष घालून हा प्रश्न सोडवावा.

प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे डॉ. मोहसीना मुकादम यांनी मांडलेल्या दुरुस्तीच्या सुचनेस खुलासा करताना म्हणाले की, ३२ लाखांची प्रोव्हिजन दोन लाखावर आणलेली आहे याचा अर्थ असा नाही की, आपण दोनशेंमध्ये येणारच नाही. ३२ लाखांची प्रोव्हिजन संपूर्ण कॉलौटो असिसमेंट आणि या वर्षी नॅक असेसमेंट नॅक प्रोसेस होणार होती त्याच्यासाठी ही ३२ लाखांची प्रोव्हिजन होती. पुढच्या वर्षी ही नॅक असेसमेंट नाही त्यामुळे जी ३२ लाखांची प्रोव्हिजन नाही तिथे दोन लाखांची प्रोव्हिजन आहे. तर हा फरक त्याच्यामुळे आहे. त्याच्या नंतर रेग्युलेशनच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांवर कुठलाही भार पडणार नाही याची दक्षता घेण्यात आली आहे. अकॅडॅमिक काऊन्सिलमध्ये रिव्ह्यु कमिटी स्थापन करण्याची प्रोव्हिजन झालेली आहे. आणि लवकरच रिव्ह्यु कमिटी स्थापन होईल आणि त्या रिव्ह्यु कमिटी संपूर्ण क्रेडिट सिस्टीमचा रिव्ह्यु घेण्यात येईल आणि रिपोर्ट प्रमाणे कार्यवाही करण्यात येईल. त्याचप्रमाणे गेल्या वर्षी विद्यार्थ्यांना किती पेजेस लागतील त्याप्रमाणे उत्तरपत्रिका तयार करण्यात आली होती. जेथे जास्तीच्या सप्लीमेंट्रीची गरज लागली तेथे देण्यात आली होती.

Dr.(Smt.) Madhu Paranjape stated that Mohsina Mukadam has raised one very important issue and Dr.Bidwai has also added to that. She has mentioned that one particular college or may be two colleges in Raigad but they are aware that there are maybe individual cases here and there in several colleges at Raigad, as well as Ratnagiri where teachers who are qualified are working in their colleges; have not taken



the trouble of having a proper selection committee. It is nowhere the fault of these teachers; they have been selected through the local committees they are continuing on an adhoc manner for more than a decade now. Further it has also been pointed out that other Universities have passed resolutions in Management Council so before Mrs Mukadam withdraws, we request an assurance be given that in the next Management Council this item will be brought as an item on the agenda. Prin.(Dr.) Rajpal S. Hande enquired to the number of colleges where Mrs Paranjape informed the members that they were aware of one particular college where there are ten teachers and then there are atleast 5 or 6 other colleges where there are two, three teachers. The data would be given by them but the same should be brought on the agenda of the Management Council; if an assurance was given it would add to the confidence that the administration has taken cognizance of the same. Secondly, regarding the credit system, Vice Chancellor thrice, has assured that the review will be taken and we do not want it taken by a committee. There needs to be wide consultation and the feedback received then processed by a committee, but the review cannot be done by a small committee. Senate members and Academic Council have to be involved in this process we also would like to know whether a Review Committee has already been appointed.

Dr. Rajpal Hande replied in the negative and stated that the Academic council has taken a decision to have a wider review committee and this is in process. Dr. Rajpal Hande further informed that the Government issues specific GR for those particular things to which Dr. Paranjape informed that the Management Council of these Universities took the decisions they then conveyed their decision to the Government and then the Government issued the GR.

Prin(Dr) Rajpal Hande stated that Academic Council has taken a decision to have the wider review committee so this is in process all factor all Exactly. That is what I am giving. I am informed that wherever they have implemented such kind of things there the government has issued a specific GR for those particular thing. So if at all we can pursue through the Government of-course we will see to it and then.

Dr. (Smt) Madhu Paranjape stated that on the point of information first the Management Council of these universities took the decision they conveyed their decision to the Government followed it up with the Government, then Government issued the GR we will give you both the things

प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांनी डॉ. मोहसीना मुकादम यांना त्यांच्या दुरुस्ती सुचना मागे घेण्याची विनंती केली.

प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांच्या विनंतीनुसार डॉ. मोहसीना मुकादम यांनी त्यांच्या दुरुस्ती सुचना मागे घेतल्या.

जगातील दोनशे विद्यापीठात येण्यासाठी दोन लाख रुपये आणि नॅक कमिटीसाठी 32 लाख रुपये हे मला काही पटलेले नाही तरी देखील मी माझी दुरुस्ती सुचना मागे घेते.

यानंतर कुलगुरूंनी डॉ.(श्रीमती) आरती प्रसाद यांना त्यांच्या दुरुस्ती सूचना मांडण्याची विनंती केली.

डॉ.(श्रीमती) आरती प्रसाद यांनी त्यांची दुरुस्ती सूचना पुढीलप्रमाणे मांडली त्यास डॉ.(श्रीमती) सुनिता खारीवाल यांनी अनुमोदन दिले.

1. Page No.15 – General Administration  
A – Recurring Account  
1) Salaries  
2) Un-approved Staff  
B) Non Teaching Staff  
(ix) Pension  
Substitute Rs.32,88,900/- by Rs.32,88,899/-.
2. Page No.19 – General Administration  
A – Recurring Account  
23. Miscellaneous  
(xiii) Financial Assistantce to deserving B.C. students  
Substitute Rs.20,00,000/- by Rs. 19,99,999/-.
3. Page No.25 – Examination Section  
A – Recurring Account  
(1) Examinations  
2. Remunerations  
(vi) Commerce  
Substitute Rs.1,26,50,00/- by Rs.1,26,49,999/-.
4. Page No.195 – Institute of Distance and Open Learning  
A – Recurring Account  
6. Services  
B) University Exam Fees  
(iv) Commerce  
Substitute Rs.3,09,74,800/- by Rs. 3,09,74,799/-.

Dr.(Smt.) Aarti Prasad spoke on the issue of payment of pension to the unapproved non teaching staff since some of them were aware that this problem is not one of the recent past but this long drawn problem faced by the non-teaching unapproved staff of the Mumbai University. In this regard, she wanted to put forth a few points one when the non-teaching staff is appointed they are not aware of its status whether it is approved or unapproved till the time of retirement, not only that transfers from the approved section to the unapproved, and also promotion of the staff from the approved to the unapproved and vice-versa have been taking place since last several years, and at the time of retirement there is a problem created when the pension papers need to be cleared. As of date there are more than 70 cases of retired teachers in the University teaching staff whose papers are awaiting clearance. Moreover, Dr. Paranjape has already mentioned that there is an increase in the unapproved staff that is being appointed. Is it due to shortage of funds being one of the reasons why the



pension of the retired staff is being held up? In this regard, the University should have some mechanism in place so as to get the services of the retired non-teaching staff approved from the Government on a priority basis. This is my first amendment. With regard to the problems faced by unapproved teaching/non-teaching staff at the college level I would like to highlight the case of a particular college, this being the same college at Thane set up in 2004 offering courses in B.Sc.(Hospitality, IT and Computer Science) but not enrolling students at the First Year of its B.Sc. courses. In 2011-12 it also did not seek permission from the University to close down these B.Sc. courses, so my question is that there should be an Inquiry committee instituted to look into the functioning of the college. Further, seven to eight non-teaching staffs who are working have also been terminated orally; students of the 2<sup>nd</sup> and 3<sup>rd</sup> year B.Sc. courses have been threatened and asked to take admission in other colleges. Although the management has been deducting the provident fund and pension benefits the non-teaching staff is in utter despair and this is the same management which is running an engineering course at Palghar where the staff is facing problem of payment of salary, hence, an enquiry committee be set up to look after the functioning of both these colleges which happen to be Theem college at Thane and the other college which is the engineering college run by the same management.

My second amendment is on page 19 which is again general administration; item No.23 miscellaneous, sub-item financial assistance to deserving BC students. In the budget estimates in the year 2010-11 allocation of 20 lakhs has been provided towards financial assistance to deserving BC students but the utilization has been only 25% if one looks at the actual figures in budget 2010-11. Now again for the Budget 2011-12 an allocation of 20 lakhs has been made for which none has been utilized till October 2012. My request is that it is important to publicize the availability financial assistance to deserving backward students and put forth two suggestions the first being that when a student fill an enrolment form which is submitted to the University this enrolment form should contain a question in case of backward class students does the student required financial assistance, this is one why to which the funds allotted by the University can be utilized and second colleges be asked by the University to recommend the names of the backward class students to university for financial assistance on the basis of family income. In this way the funds that do not get utilized when there are many students who require financial assistance can be utilized.

Third Amendment relates to exam section on page 25 item no.2 remuneration exam, commerce, as mentioned that there is a propose hike in the remuneration for college examination assessment. I want to point out that the remuneration for exams is a small proportion of the total exam fees which are collected from the students. However, there is no consideration of equity when a student fails in a few papers; he is asked to pay the maximum of Rs.650- 60/- in spite of having failed in one paper or two papers, or three papers or six papers. The students have been financially over burdened by being asked to pay the maximum fees even if they reappear in one paper, so the University should consider this and the fees charged for re-examination should be in proportion to the number of subject in which the student is appearing and not the maximum fees. In the Credit based system we have two additional semester exams being conducted which is putting too much financial strain on the student. The fees



charged from the students appearing for the additional exams should be in proportion to the number of subjects in which they are reappearing and not a maximum blanket fees of rs.600/- plus which is being charged at present. Lastly the fourth amendment relates of the services provided by IDOL on page 195 University exam fees here too the services that are provided to IDOL students, there is a ample scope to cut down the fees that are being charged.

Hon'ble Vice-Chancellor informed the members that pension issue which has been raised, the University has taken the initiative because there was a problem of approved and unapproved staff and now we have decided with the Joint Director, he had several meetings with the Joint Director, and whatever the Government is saying that they cannot approve them, the second day we have started giving pension and those we have not given pension we have started giving adhoc pension.

Regarding Theem college the data be given and then he would inquire into it and what best can be done we will do. He then requested the member to withdraw. He was sure there are several cut motions and he understood that the issues are related to this cut motion. We have the written answers which we will give it to those people who could not raise their issues here. And also will give them a meeting where they can come and meet me and we will discuss the issue and University is very positive in taking the issues forward and we will need your help also and therefore, he requested the other members also to withdraw or we collectively take all the rest of the cut motions are withdrawn. He hoped that all the cut motion which had come are now withdrawn and passed the budget.

Further the conveyed to the house that the detailed statement was pending for three years and immediately after he joined within six months completed the audit of the University of 2007-08, 2008-09, 2009-10 the audit has been done of the University. The auditory also raised some objection and we are taking steps in taking some action, whatever suggestion the auditor has made, that is the audit of the next year 2010-11 is now on and he was sure that in another three to four months the audit of 2010-2011 would be completed and then we would be on track so that every year will would be able to do the audit of the University.

यानंतर मा. कुलगुरूंनी डॉ.(श्रीमती) आरती प्रसाद यांना त्यांच्या दुरुस्ती सुचना मागे घेण्याची विनंती केली.

कुलगुरूंच्या निवेदनानंतर डॉ.(श्रीमती) आरती प्रसाद यांनी त्यांच्या दुरुस्ती सुचना मागे घेतल्या.

बाब क्र. ४:- मे.शेषन सुब्रह्मण्यम् आणि असोसिएटस् यांनी सादर केलेले मुंबई विद्यापीठाचे सन-२००८-२००९ चे वार्षिक लेखे आणि ३१ मार्च, २००९ चे ताळेबंद व त्यावरील लेखापरिक्षण अहवाल तसेच मे. शरद एस. गायकवाड आणि कंपनी यांनी सादर केलेले मुंबई विद्यापीठाचे सन २००९-२०१० चे वार्षिक लेखे आणि ३१ मार्च, २०१० चे ताळेबंद व त्यावरील लेखापरिक्षण अहवाल, त्यात उपस्थित केलेल्या मुद्द्यांना व्यवस्थापन परिषदेने दिलेले स्पष्टीकरण.



श्री. प्रकाश खी. पागे यांनी व्यवस्थापन परिषदेने केलेल्या शिफारसीनुसार प्रस्ताव सादर केले. त्यास श्री. संजय बाबुराव शेटे यांनी अनुमोदन दिले.

महाराष्ट्र विद्यापीठ कायदा १९९४ कलम २८(सी. सी.) अंतर्गत मे. शेपन सुब्रह्मण्यम् आणि असोसिएटस् यांनी सादर केलेले मुंबई विद्यापीठाचे सन २००८-२००९ चे वार्षिक लेखे आणि ३१ मार्च, २००९ चे तालेबंद व त्यावरील लेखा परिक्षण अहवाल तसेच मे. शरद एस्. गायकवाड आणि कंपनी यांनी सादर केलेले मुंबई विद्यापीठाचे सन २००९-२०१० चे वार्षिक लेखे आणि ३१ मार्च २०१० चे तालेबंद व त्यावरील लेखापरिक्षण अहवाल.

(१) "महाराष्ट्र विद्यापीठ अधिनियम १९९४, कलम २६(२) अन्वये विद्यापीठाचा सन २००८-२००९ व सन २००९-२०१० चे वार्षिक लेखे आणि ३१ मार्च, २००९ व ३१ मार्च, २०१० चा तालेबंद अधिसभेच्या विचारार्थ सादर करण्यात येत आहे."

(२) "मेसर्स शेपन सुब्रह्मण्यम् आणि असोसिएटस्, सांविधिक लेखा परिक्षक यांचा विद्यापीठाच्या सन २००८-२००९ तसेच मे. शरद एस्. गायकवाड आणि कंपनी, सांविधिक लेखा परिक्षक यांचा सन २००९-२०१० या वर्षाचा वार्षिक लेखासंबंधीचा लेखा परिक्षण अहवाल" त्यात उपस्थित केलेल्या मुद्दयांना व्यवस्थापन परिषदेने दिलेल्या स्पष्टीकरणांसह, महाराष्ट्र विद्यापीठ अधिनियम १९९४, कलम २६ (२) अन्वये अधिसभेने मान्य करण्यात यावा."

(३) "सन २००८-२००९ चा वर्षाचे वार्षिक लेखे आणि ३१ मार्च २००९ चा तालेबंद तसेच सन २००९-२०१० चा वर्षाचे वार्षिक लेखे आणि ३१ मार्च, २०१० चा तालेबंद स्वीकृत आणि संमत करण्यात यावा."

(४) "सन २००८-२००९ या वर्षाच्या वार्षिक लेखांमध्ये 'परिशिष्ट १' पृष्ठ क्र. ३९४ ते ४०९ व 'परिशिष्ट २' पृष्ठ क्र. ४०९ ते ४१४ मध्ये तसेच सन २००९-२०१० या वर्षाच्या वार्षिक लेखांमध्ये 'परिशिष्ट १' पृष्ठ क्र. ३८८ ते ४०१ व 'परिशिष्ट २' पृष्ठ क्र. ४०२ ते ४०९ मध्ये दर्शविलेल्या सुधारीत अंदाजापेक्षा जादा झालेल्या खर्चास मान्यता देण्यात यावी."

(टिप: विल व लेखा समितीच्या दिनांक ६ सप्टेंबर, २०११ (बाब क्र. ८) रोजी झालेल्या सभेत विद्यापीठाचे सन २००८-२००९ चे वार्षिक लेखे आणि ३१ मार्च, २००९ चा तालेबंद व मेसर्स शेपन सुब्रह्मण्यम् आणि असोसिएटस्, सांविधिक लेखा परिक्षक यांचा या लेखासंबंधीचा लेखा परिक्षण अहवाल तसेच दिनांक १४ फेब्रुवारी, २०१२ (बाब क्र. १४) रोजी झालेल्या सभेत विद्यापीठाचे सन २००९-२०१० चे वार्षिक लेखे आणि ३१ मार्च, २०१० चा तालेबंद व मेसर्स शरद एस्. गायकवाड आणि कंपनी, सांविधिक लेखा परिक्षक यांचा या लेखासंबंधीचा लेखा परिक्षण अहवाल व त्यात उपस्थित केलेल्या मुद्दयांना दिलेल्या स्पष्टीकरणांसह मंजूर करण्याची व अधिसभेच्या अंतिम मान्यतेसाठी सादर करण्याची शिफारस व्यवस्थापन परिषदेस करण्यात आली. व्यवस्थापन परिषदेच्या दिनांक २३ फेब्रुवारी, २०१२ (बाब क्र. ४) रोजी झालेल्या सभेत विल व लेखा समितीच्या शिफारशी मान्य करण्यात आल्या. विद्यापीठाचे सन २००८-२००९ चे वार्षिक लेखे, ३१ मार्च, २००९ चे तालेबंद व मेसर्स शेपन सुब्रह्मण्यम् आणि असोसिएटस् यांचा तदसंबंधीचा लेखा परिक्षण अहवाल तसेच विद्यापीठाचे सन २००९-२०१० चे वार्षिक लेखे, ३१ मार्च २०१० चे तालेबंद व मे. शरद एस्. गायकवाड आणि कंपनी यांचा तदसंबंधीचा लेखा परिक्षण अहवाल त्यात उपस्थित केलेल्या मुद्दयांना व्यवस्थापन परिषदेने दिलेल्या स्पष्टीकरणांसह अधिसभेपुढे अंतिम मंजूरीसाठी सादर करण्यात येत आहे.)

मे. शेपन सुब्रह्मण्यम् आणि असोसिएटस् यांनी सादर केलेले मुंबई विद्यापीठाचे सन २००८-२००९ चे वार्षिक लेखे व ३१ मार्च, २००९ चे तालेबंद तसेच मे. शरद एस्. गायकवाड आणि कंपनी यांनी सादर केलेले सन २००९-२०१० चे वार्षिक लेखे व ३१

मार्च, २०१० चे ताळेबंद त्यावरील लेखापरिक्षण अहवालास व्यवस्थापन परिषदेच्या मान्यतेनुसार अधिसभेच्या अवलोकनार्थ व मान्यतेसाठी सादर करण्यात येत आहे .

या विषयावर कोणत्याही सदस्यांनी दुरुस्ती सूचना मांडली नसल्याने सदर बाबीवर चर्चा करून मान्य करावी अशी विनंती कुलगुरूंनी केली.

त्यानंतर कुलगुरूंनी घोषित केले की, मे.शेषन सुब्रम्हण्यम् आणि असोसिएटस् यांनी सादर केलेले मुंबई विद्यापीठाचे सन-२००८-२००९ चे वार्षिक लेखे आणि ३१ मार्च, २००९ चे ताळेबंद व त्यावरील लेखापरिक्षण अहवाल तसेच मे. शरद एस. गायकवाड आणि कंपनी यांनी सादर केलेले मुंबई विद्यापीठाचे सन २००९-२०१० चे वार्षिक लेखे आणि ३१ मार्च, २०१० चे ताळेबंद व त्यावरील लेखापरिक्षण अहवाल मंजूर करण्यात आले.

बाब क्र. ५ :- महाराष्ट्र विद्यापीठ अधिनियम १९९४, कलम १०४ नुसार व्यवस्थापन परिषदेने तयार केलेल्या विद्यापीठाच्या सन २०१०-२०११ च्या वर्षवृत्ताला मान्यता देण्याविषयीचा प्रस्ताव.

प्राचार्य (डॉ.) राजपाल हांडे यांनी महाराष्ट्र विद्यापीठ अधिनियम १९९४, कलम १०४ नुसार व्यवस्थापन परिषदेने तयार केलेल्या विद्यापीठाच्या सन २०१०-२०११ चे वर्षवृत्त अधिसभेने मान्य करावे अशी विनंती केली.

त्यानंतर कुलसचिवांनी घोषित केले की, महाराष्ट्र विद्यापीठ अधिनियम १९९४, कलम १०४ नुसार व्यवस्थापन परिषदेने तयार केलेल्या विद्यापीठाच्या सन २०१०-२०११ च्या वर्षवृत्त अधिसभेने सर्वानुमते मान्य करण्यात आले.

सभेची सांगता राष्ट्रगीताने झाली.

मुंबई- ४०० ०३२  
२८ सप्टेंबर, २०१२.

कुमार खैरे  
कुलसचिव



परिच्छेद - १

वार्षिक अधिसभा - २८ व २९ मार्च, २०१२

\*\*\*\*\*

दिनांक २० ऑक्टोबर, २०११ रोजी झालेल्या सर्वसाधारण  
अधिसभेच्या इतिवृत्तावरील सुध्दपत्र

| पृष्ठ क्र. | परिच्छेद क्र. | ओळ क्र. | च्या ऐवजी       | असे वाचावे      |
|------------|---------------|---------|-----------------|-----------------|
| १          | -             | ६       | कुहा-डे         | कु-हाडे         |
| ५          | २             | २       | माहिते          | मोहिते          |
| ५          | ३             | २       | प्रोसिडिंग      | प्रोसिडिंग      |
| ८          | ३             | १८      | उपयोजना         | उपाययोजना       |
| ८          | -             | २०      | औद्योगिक        | औद्योगिक        |
| ८          | -             | २५      | व्यवसायीक       | व्यावसायीक      |
| ९          | -             | १       | विद्यार्थ्यांची | विद्यार्थ्यांची |
| ११         | ४             | ३       | शिफारसीची       | शिफारसीची       |

मुंबई- ४०० ०३२  
२८ मार्च, २०१२.

प्राचार्य (डॉ.) एम्. एस्. कु-हाडे  
प्रभारी कुलसचिव

Reference to item No.2

## APPENDIX - II UNIVERSITY OF MUMBAI

*'Question Hour' at the Annual Meeting of the Senate to be held on  
Wednesday, 28<sup>th</sup> March, 2012, at 11.00 a.m.  
(vide item No.2)*

*List of questions and supplementary questions asked by the members and  
allowed by the Vice-Chancellor and the answer given thereto.*

1) Dr. (Smt) Sangeeta A. Godbole

**Q. 1** Will the Vice-Chancellor be pleased to provide information on registrations granted for Ph.D during 2010-11 and 2011-12 in the following format?

| Faculty | Name of University<br>Dept/ Institute/College | No. of Applications<br>received for Ph.D<br>registrations | No. of<br>registrations<br>granted |
|---------|---|---|------------------------------------|
|---------|---|---|------------------------------------|

Ans:

| 2010-2012 |         |   |  |                                   |
|-----------|---------|---|--|-----------------------------------|
| Sr. No.   | Faculty | Name of University<br>Dept./ Institute/<br>College              | No. of<br>Application<br>received for<br>Ph.D.<br>Registration | No. of<br>Registration<br>granted |
| 1         | Arts    | K J Somaiya-<br>Institute of<br>Management                      | 26   | 5                                 |
| 2         |         | Alkesh Dinesh Mody  |  |                                   |
| 3         |         | Chetana   |  |                                   |
| 4         |         | Velingkar   |  |                                   |
| 5         | Arts    | University<br>Department of<br>Library &<br>Information Science | 12   |                                   |
| 6         | Science | Ramnarain Ruia<br>College                                       | 69   | 63                                |
| 7         |         | Mahatma Phule Col<br>of ASC                                     |  |                                   |
| 8         |         | K. C. College   |  |                                   |
| 9         |         | Vaze College  |  |                                   |
| 10        |         | Ismail Yusuf College  |  |                                   |



|    |         |   |    |    |
|----|---------|---|----|----|
| 11 |         | Mithibai College                        |    |    |
|    |         | University                              |    |    |
| 12 |         | Department of Chemistry                 |    |    |
| 13 |         | National Institute of Oceanography      |    |    |
| 14 |         | Ruparel                                 |    |    |
| 15 |         | Bandodkar College                       |    |    |
| 16 |         | Rizvi College                           |    |    |
| 17 |         | BARC                                    |    |    |
| 18 |         | Karjat College                          |    |    |
| 19 |         | Patkar College                          |    |    |
| 20 |         | Neeri                                   |    |    |
| 21 |         | Univ Dept of Chemistry                  | 24 | 24 |
| 22 |         | Chandibai Himmathmal Mansukhani College |    |    |
| 23 | Arts    | K V Pendharkar                          | 20 | 20 |
| 24 |         | Indian National Theatre                 |    |    |
| 25 |         | Marathi Sanshodhan Mandal               |    |    |
| 26 |         | M D College                             |    |    |
| 27 | Arts    | Univ. Dept. of Urdu                     | 5  | 4  |
| 28 | Arts    | Univ. Dept. of History                  | 14 | 2  |
| 29 | Arts    | Bhartiya Sanskriti Peetham              |    |    |
| 30 | Arts    | Univ. Dept. of Sociology                | 11 | 11 |
| 31 | Science | Univ. Dept. of Physics                  |    | 38 |
| 32 |         | Bhavans College, Andheri                | 39 |    |
| 33 |         | CHM College                             |    |    |
| 34 |         | Mithibai College                        |    |    |
| 35 |         | Patkar College                          |    |    |
| 36 |         | Indian Inst. Of Geomagnetism            |    |    |
| 37 |         | BARC                                    |    |    |
| 38 |         | Seth G S Medical                        |    |    |
| 39 |         | K J Somaiya                             |    |    |
| 40 |         | Birla College                           |    |    |

|    |         |                                |    |    |
|----|---------|--------------------------------|----|----|
| 41 | Science | Grant Medical College          | 10 |    |
| 42 |         | ICMR                           |    |    |
| 43 |         | Seth G S Medical               |    |    |
| 44 |         | Institute of Science           |    |    |
| 45 |         | T N Medical College            |    |    |
| 46 |         | Wilson College                 |    |    |
| 47 |         | The Institute of Science       | 26 | 25 |
| 48 |         | vaze College                   |    |    |
| 49 |         | R J College                    |    |    |
| 50 |         | Pendharkar College             |    |    |
| 51 |         | JSM, Alibaug                   |    |    |
| 52 |         | Ruparel                        |    |    |
| 53 |         | Birla College                  |    |    |
| 54 |         | Ruia College                   | 17 | 6  |
| 55 |         | The Institute of Science       |    |    |
| 56 |         | Circot                         |    |    |
| 57 |         | Haffkine Institute             |    |    |
| 58 |         | K B Patil College              |    |    |
| 59 |         | Mithibai College               |    |    |
| 60 |         | Seth G S Medical               |    |    |
| 61 |         | CHM College                    |    |    |
| 62 |         | TNMC College                   |    |    |
| 63 |         | G N Khalsa College             | 5  | 5  |
| 64 |         | Ruia College                   |    |    |
| 65 |         | Univ Dept of Commerce          | 38 | 3  |
| 66 |         | Changu Kana Thakur Col         |    |    |
| 67 |         | Ambedkar College               |    |    |
| 68 |         | R A Poddar                     |    |    |
| 69 |         | K B Hinduja                    |    |    |
| 70 |         | Siddharth College              |    |    |
| 71 |         | Adarsh College                 |    |    |
| 72 | Arts    | Mani Bhavan Gandhi Sangrahalay | 7  | 3  |
| 66 |         | Changu Kana Thakur Col         |    |    |
| 67 |         | Ambedkar College               |    |    |
| 68 |         | R A Poddar                     |    |    |
| 69 |         | K B Hinduja                    |    |    |



|     |         |                                   |    |    |
|-----|---------|-----------------------------------|----|----|
| 70  |         | Siddharth College                 |    |    |
| 71  |         | Adarsh College                    |    |    |
| 72  | Arts    | Mani Bhavan<br>Gandhi Sangrahalay | 7  | 3  |
| 73  |         | Dept of Biophysics                | 1  |    |
| 74  |         | K J Somaiya<br>Buddhist Studies   | 18 | 2  |
| 75  |         | Dept of Philosophy                |    |    |
| 76  |         | K J Somaiya<br>Comprehensive      | 61 | 49 |
| 77  |         | Dept of Education                 |    |    |
| 78  |         | H J College                       |    |    |
| 79  |         | K J Somaiya Arts &<br>Com         |    |    |
| 80  |         | Seva Sadan                        |    |    |
| 81  |         | Chembur<br>Sarvankash<br>Sanstha  |    |    |
| 82  |         | Kapila Khandwala                  |    |    |
| 83  |         | M D College                       | 7  | 6  |
| 84  |         | Dept of Gujarati                  |    |    |
| 85  |         | Dept of Geography                 | 5  | 5  |
| 86  |         | Dept of Economics                 | 35 | 33 |
| 87  | Science | Ruia College                      | 21 | 21 |
| 88  |         | G N Khalsa College                |    |    |
| 89  |         | K J Somaiya                       |    |    |
| 90  |         | C B Patel Research                |    |    |
| 91  |         | Waze College                      |    |    |
| 92  |         | Sir Pancham<br>Khemraj            |    |    |
| 93  |         | Rizvi College                     |    |    |
| 94  |         | M D College                       |    |    |
| 95  |         | Mithibai College                  |    |    |
| 96  |         | ESA College                       |    |    |
| 97  | Tech    | Sardar Patel col of<br>engg       | 7  | 7  |
| 98  |         | Lokmanya tilak col<br>of engg     |    |    |
| 99  | Tech    | NIRRH                             | 10 | 10 |
| 100 |         | Waze College                      |    |    |
| 101 | Arts    | Dept of Kannada                   | 5  |    |
| 102 | Arts    | Dept of Comm &<br>Journalism      | 10 |    |

|     |         |  |    |    |
|-----|---------|--|----|----|
| 103 | Arts    | Dept of Hindi                            | 29 | 29 |
| 104 |         | K J Somaiya Arts & Com                   |    |    |
| 105 |         | K C College                              |    |    |
| 106 |         | R K Talreja College                      |    |    |
| 107 |         | G N Khalsa College                       |    |    |
| 108 |         | S B College of Arts & Com                |    |    |
|     | Arts    | Dept. of Politics                        | 12 | 12 |
|     |         | Dept. of Psychology                      | 12 | 5  |
| 109 | Science | T.N.Medical College                      | 32 | 30 |
| 110 |         | Seth G S Medical                         |    |    |
| 111 |         | P.D.Hinduja Hospital                     |    |    |
| 112 |         | Haffkine Institute                       |    |    |
| 113 |         | BARC                                     |    |    |
| 114 |         | Sophia                                   |    |    |
| 115 |         | National Institute of Immuno             |    |    |
| 116 |         | H.N. Hospital                            |    |    |
| 117 | Tech    | Bombay College                           | 22 | 22 |
| 118 |         | Bharati Vidyapeeth's College             |    |    |
| 119 | Law     | Dept. of Law                             | 4  | 2  |
| 120 | Science | Dept. of Life Science                    | 15 | 4  |
| 121 | Tech    | National Chemical Lab                    | 4  | 2  |
| 122 |         | Sardar Patel col of engg                 |    |    |
| 123 | Science | Dept of Computer Science                 | 7  |    |
| 124 | Arts    | Center for C.E.S                         | 6  | 2  |
| 125 |         | Dept. of Mathematics                     | 1  |    |
| 126 | Arts    | Dept of Sanskrit                         | 16 | 14 |
| 127 |         | Dept. of African Studies                 | 6  |    |
| 128 | Science | NEERI                                    | 1  |    |
| 129 |         | College of Home Science                  | 4  |    |
| 130 | Arts    | K.J. Somaiya Centre for Buddhidt Studies | 2  | 2  |



|     |  |                                    |     |     |
|-----|--|------------------------------------|-----|-----|
| 131 |  | Dept of Physical Education         | 15  | 2   |
| 132 |  | B.P. C.A. S College                |     |     |
| 133 |  | Dept. of German                    | 3   |     |
| 134 |  | Dept of Music                      | 2   | 2   |
| 135 |  | Lokkala Acadamey                   | 7   | 7   |
| 136 |  | K.J. Somaiya Centre for Buddhist   | 5   |     |
| 137 |  | Dept. of Arabic                    | 5   |     |
| 138 |  | C.K.Thakur College                 | 7   | 7   |
| 139 |  | K.P.B. Hinduja College of Commerce | 9   | 9   |
| 140 |  | Dr. Ambedkar College of Commerce   |     |     |
| 141 |  | Nirmala Niketan                    | 1   | 1   |
| 142 |  | Dept. of Persian                   | 5   | 5   |
|     |  |                                    | 735 | 499 |

Supplementary questions to question (1) of Dr. (Smt.) Sangeeta A. Godbole, Shri Gajanan (alias) Dillip A. Karande, Dr. Deepak Bidwai, Dr.(Smt.) Anuradha Majumdar, Shri Mahadev Jagtap, Dr. A.N. Bambole, Shri Sanjay Vairal and Dr.(Smt.) Aarti Prasad and answers there to :-

**डॉ. (श्रीमती) संगिता गोडबोले**

प्रश्न: कॉम्प्युटर सायन्सच्या नुकत्याच झालेल्या पेट परीक्षेत ३५ विद्यार्थी पास झाले. कॉम्प्युटर सायन्स या विषयासाठी ४ ते ५ च गाईड उपलब्ध असताना इतर विद्यार्थ्यांचा प्रश्न विद्यापीठ कसे सोडविणार ?

उत्तर: (कुलगुरू) कॉम्प्युटर सायन्स या विषयात संपूर्ण देशातच गाईडची संख्या कमी आहे, तसेच आर. आर.सी. समिती पात्र उमेदवारांना वेळोवेळी गाईडशीपसाठी प्रोत्साहीत करीत असते.

प्रश्न : पेट परीक्षेच्या गुणपत्रिकेवर गुणपत्रिका ३ वर्षासाठी ग्राह्य राहिल, हे खरे आहे का ?

उत्तर : (कुलगुरू) पेट परीक्षेची गुणपत्रिका ३ वर्षासाठी ग्राह्य राहिल.

**श्री. गजानन (उर्फ) दिलीप अं. करंडे**

प्रश्न: दोन वर्षात किती विद्यार्थ्यांनी पीएच.डी. साठी नांवनोंदणी केली आहे? त्यापैकी महिला किती? दुसरा प्रश्न असा आहे की या पीएच.डी. विद्यार्थ्यांचा नांवनोंदणी केली त्याचा रिज्यु कधी आपण घेतला का ? एका गाईड कडे किती विद्यार्थी आहेत किती वर्ष आहेत याचा कधी रिज्यु आपण घेतला का? आणि घेणार आहात का?

उत्तर: (प्रभारी कुलसचिव) याबाबतची लेखी माहिती आपणास कळविण्यात येईल.

**डॉ. दिपक जी. बिठवई**

प्रश्न: पीएच.डी. गाईड हे पूर्णवेळ गाईड असावेत याबाबत विद्यापीठ काही तरतुद करेल का? आर. आर.सी. कमिटीचे मेबर होण्यासाठी पीएच.डी. गाईड असणे बंधनकारक आहे का ?

उत्तर: (कुलगुरु) पीएच.डी. गाईड हे पूर्णवेळ गाईड असावेत याबाबत यु.जी.सी मध्ये काही तरतुद नाही. यु.जी.सी.च्या नियमानुसार पीएच.डी. गाईड असणे बंधनकारक आहे?

**Dr. (Smt) Anuradha Majumdar**

Q. 1 How many registered Ph.D. students had applied for fellowship and how many fellowships or how much fellowship was disbursed during the fiscal year 2011-12 ? The University charges University share of tuition fees from h.D. students of affiliated colleges of University of Mumbai. That is quite substantial because I know in our college in Pharmacy students pay almost Rs.5,300/- per year. This is other than synopsis fees and registration fees. How does the University contribute back to the Ph.D. students in these colleges in lieu of these fees levied on the students?

Ans: (By I/C Registrar) Regarding provision of the fellowship amount that is about 57 lakhs in the budget. 60 Ph.D. fellows are there. Per month Rs.8,000 is given to each student. From the University fund about 28 students are beneficiaries and about twenty one lakhs eighty thousand rupees are given.

**श्री. महादेव जगताप**

प्रश्न : विद्यापीठाकडून किती विद्यार्थ्यांना पीएच.डी. प्रदान करण्यात आली आहे ? पीएच.डी. करिता कालावधी किती असतो ?

उत्तर : (प्रभारी कुलसचिव) विद्यापीठातर्फे पीएच.डी. प्रदान केलेल्या विद्यार्थ्यांची संख्या ३,१५८ आहे. तसेच पीएच.डी. करिता विद्यार्थ्यांचा कालावधी किमान २४ महिन्यांचा असतो.

**डॉ. अभय बांबोले**

प्रश्न: पीएच.डी. प्रवेश प्रक्रियेसाठी रिक्षर्वेशन पॉलिसी लागू आहे का ?

उत्तर: (कुलगुरु) पीएच.डी. प्रवेश प्रक्रियेसाठी यु.जी.सी. च्या नियमांचे काटेकोर पालन करण्याचे आदेश विद्यापीठ विभागांना तसेच पीएच.डी. केंद्रांना देण्यात आले आहेत. नियमांचे काटेकोरपणे पालन करीत नसल्यास त्यांच्यावर योग्य ती कार्यवाही करण्यात येईल.



**श्री. संजय वैराज**

प्रश्न: विद्यापीठातील प्राध्यापक तसेच विद्यार्थी इतर विद्यापीठांमध्ये पीएच.डी. साठी नांवनोंदणी करीत आहे याबाबतीत आपण खुलासा करावा? तसेच पीएच.डी. गाईडची यादी अद्यावत का नाही?

उत्तर: (कुलगुरू) पीएच.डी. साठी प्रवेश कोटे घ्यावा हा ज्याचा त्याचा प्रश्न आहे. लोक सोयीनुसार व आपल्या आवडीनुसार प्रवेश घेत असतात तसेच पीएच.डी. गाईड यादी अद्यावत करण्याचे आदेश विभागाला दिलेले आहेत.

**Dr. (Smt.) Aarti Prasad**

Q.: Botany and Zoology do not have University department at Kalina Campus and therefore all the Ph.D. guides are in their own colleges. When the recognition of a particular lab is over with that particular college, it needs to be renewed and when this is to be renewed, a LIC Committee comes and renews it. Does the University charge any fees from the college when it gives this renewal and if they do charge what is the amount and for what are the charging these fees? It is a Lab recognition renewal only and what is the University doing in return for the college?

Ans: (By Vice Chancellor) University is having a Department of Life Sciences and Botany & Zoology is near to Life Sciences and today we are talking about interdisciplinary approach and if some students wants to do research in interdisciplinary area, I am sure the Department of Life Science where we have the centre will accommodate the students which are from Botany and Zoology. But apart from this, there are centres in colleges where Botany and Zoology have recognized guides. Students can register with these guides which are available with the colleges. Students can approach them after they qualify the UGC exam guidelines not only PET examination there is some relaxation given to students and they will be accommodated accordingly with them.

**डॉ. दिपक बिठवई:-**

प्रश्न: आर.आर.सी. कमिटीचे सदस्य होण्यासाठी पीएच.डी गाईड असणे आवश्यक आहे का? असल्यास पीएच.डी नसलेल्या आरआरसी गाईडवर कार्यवाही करणार का?

उत्तर: (कुलगुरू) यु.जी.सी.च्या नियमानुसार आर.आर.सी. कमिटीचे सदस्य होण्यासाठी पीएच.डी. गाईड असणे बंधनकारक आहे. गाईडशिपसाठी पीएच.डी. संबंधी आपल्याकडे काही तक्रारी आल्या तर तुम्ही विद्यापीठाकडे सादर करा परंतु आपणास काही ठिकाणी असेही आढळून येईल की, जुन्या काळी काही लोकांना विषयातले तज्ञ म्हणूनही अनुभवाच्या आधारावर त्यांना पीएच.डी गाईड बनविलेले आहे.

**Q. 2** Will the Hon'ble Vice-Chancellor be pleased to provide information regarding implementation of Sixth Pay as per AICTE gazette notification no. F.No. 37-3/Legal/2010 dated 5<sup>th</sup> March, 2010 in all the affiliated Engineering Colleges in the Following format?

**Ans:** College have been asked to send the information vide circular No. concol/senate/9/2012, Date 23/2/2012. Following Colleges have sent the information.

| Sr. No | Name of the College  | Whether implemented if yes, dated implementation | Whether Arrears from 1/1/2006 paid       | Number of Teachers |
|--------|--|--|--|--------------------|
| 1      | Mahatma Education Society's, Pillai's Institute of Information Technology, Engineering, Media Studies & Research, New Panvel -410 206. | Academic Year 2010-2011                          | ----                                     | 145                |
| 2      | SSPM's College of Engineering, Harkul Budruk, Tal.Kankavli, Dist. Sindhudurga.   | 01/10/2010                                       | 01/03/2010                               | 53                 |
| 3      | Jayawanti Babu Foundation's Metropolitan Institute of Technology & Management, Tal.Malvan, Dist.Sindhudurg.                            | No.  | New Institute from Academic year 2011-12 | 12                 |
| 4      | Anjuman-I-Islam's Kaisekar Technical Campus, Khandagaon, New Panvel, Navi Mumbai-400 614.  | Yes  | Not Applicable Newly established         | 31                 |
| 5      | Shree L.R.Tiwari College of Engineering, Mira Road,(E) -401 107.   | No   | ----                                     | 32                 |
| 6      | Datta Meghe College of Engineering, Airoli, Navi Mumbai-400 708.   | 01/04/2011                                       | No                                       | 139                |
| 7      | Annasaheb Chudaman Patil College of Engineering, Kharghar Stn., Navi Mumbai.   | Yes  | Pending                                  | 148                |



|    |  |   |   |                                |
|----|--|---|---|--------------------------------|
| 8  | FR.C. Rodrigues Institute of Technology,<br>Vashi, Navi Mumbai- 400 703.   | September 2010  | No  | All the Staff who are on Roll. |
| 9  | Watumull Institute of Electronics Engineering & Computer Technology,<br>Worli, Mumbai – 400 018.                               | 01/04/2009  | Under Process<br>Partial payment to be paid by march end. | 46                             |
| 10 | Finolex Academy of Management & Technology,<br>Ratnagiri-415 639.  | 1 <sup>st</sup> July 2010   | No  | 61                             |
| 11 | The Anjuman-I-Islam's,<br>M.H.Saboo Siddik College of Engineering,<br>Byculla, Mumbai-400 008.                                 | 1 <sup>st</sup> April,2010  | ---   | 98 as on 5.3.12                |
| 12 | Prabodhan Shikshan Prasarak Sanstha's,<br>Rajendra Mane College of Engineering & Technology,<br>Sangameshwar, Dist. Ratnagiri. | 01.10.2010  | No  | 39                             |
| 13 | Society of ST.Francis Xavier, Pilar's, FR. Coneicao Rodrigues College of Engineering, Bandara (W) - 400 050.                   | Yes,<br>Teaching - 01.08.2010<br>Non Teaching – 01.04.2009          | No  | 70                             |
| 14 | Adarsh Shikshan Mandal, Kalyan, Ideal College of Pharmacy & Research, Dist. Thane -421 301.                                    | Not yet. But will implement the 6 <sup>th</sup> Pay from April 2012 | ----  | 14                             |
| 15 | Gharda Foundatopm's Gharda institute of Technology, At & Post Lavel, Tal.Khed, Dist. Ratnagiri-415 708.                        | 01.01.2010  | ----  | 33                             |
| 16 | Rizvi Educational Society's, Rizvi College of Engineering, Bandra(W)-400 050.  | May 2011  | No  | 83                             |

|       |   |  |   |     |
|-------|---|--|---|-----|
| 17    | Thakur College of Engineering & Technology, Kandivali (E) Mumbai- 400 101                                     | 01.09.2010   | No  | 99  |
| 18    | Aldel Education Trust's, St. John College of Engineering & Technology, Borivli(W) Mumbai- 400 103.            | 1 <sup>st</sup> January, 2011  | ----  | 7   |
| 19    | Gahlot Institute of Pharmacy, Koparkhairane, Navi Mumbai – 400 709.   | July, 2010   | ----  | 17  |
| 20    | Mahavir Education Trust's Shah & Anchor Kutchhi Engineering College, Chembur, Mumbai.                         | January 2011   | Arrears paid from October 2010, to December, 2010 | 70  |
| 21    | Vivekanand Education Society's Institute of Technology, Chembur, Mumbai.                                      | 01/04/2009   | No  | 107 |
| 22    | Vishwatmak Jangli Maharaj Ashram Trust's Vishwatmak Om Gurudev College of Engineering, Shahapur, Dist. Thane. | Partly implemented   | College started from A.Y. 2011                    | 16  |
| 23    | Thadomal Shahani Engineering College, Bandra (W), Mumbai.   | Yes from April 2010 as per AICTE Gazette notification dtd. 5 <sup>th</sup> March, 2010 | Arrears paid from April 2009 to March 2010        | 107 |
| Total |   |  | 1427  |     |

माहिती जास्त असल्याने उर्वरीत माहिती मा. सदस्यांना नंतर पाठविण्यात येईल.

Supplementary questions to question (2) of Dr.(Smt.) Sangeeta A. Godbole, Dr. Vivek Deshmukh, Dr. Jalindar Adsule and Dr.(Smt.) Anupama Sawant and answers thereto :-



**डॉ.(श्रीमती) संगिता गोडबोले**

प्रश्न: एम.ई.टी. महाविद्यालयातील शिक्षकांना सहावा वेतन आयोग अद्याप लागू करण्यात आलेला नाही त्याबाबत माहिती द्यावी.

उत्तर: (कुलगुरू) सदरची माहिती महाविद्यालयांकडून मागितली होती परंतु त्यांनी अद्याप दिलेली नाही प्राप्त होताच आपल्याला पुरविण्यात येईल.

**डॉ. विवेक देशमुख**

प्रश्न: इंजिनिअरींगच्या शिक्षकांना वेतन वेळेत व नियमानुसार का मिळत नाही? याबाबत आपण खुलासा करावा?

उत्तर: विद्यपीठ अंतर्गत महाविद्यालयांना सहावा वेतन आयोग लागू करण्यासंबंधीचे परिपत्रक निर्गमित केलेले आहे. त्याचप्रमाणे त्यांना पाचव्या व सहाव्या वेतन आयोगाची थकबाकी देण्याचे आदेश ही देण्यात आलेले आहे.

**डॉ. जालिंदर अडसुळे**

प्रश्न: विनाअनुदानित महाविद्यालयातील शिक्षकांना सहावे वेतन आयोग लागू होईल का? याबाबत आपण काही कार्यवाही केली आहे का?

**डॉ.(श्रीमती) अनुपमा सावंत**

प्रश्न: सहावे वेतन आयोग दिनांक १ जानेवारी २०१० पासून लागू असतानाही लागू न केलेल्या महाविद्यालयावर तसेच वेतनावरील थकबाकी लागू न केलेल्या महाविद्यालयावर कार्यवाही करणार आहात का

उत्तर: डॉ. जालिंदर अडसुळे व डॉ.(श्रीमती) अनुपमा सावंत यांच्या वरील उप-प्रश्नांना मा. कुलगुरूंनी एकत्रित उत्तर पुढीलप्रमाणे दिले.

University has already sent circulars to colleges to implement the GRs whatever issued by the Government and whatever GRs adopted by the Management Council of the University of Mumbai. We have already sent circulars to all the colleges. We will once again send these circulars to these colleges to adopt the circulars which have been adopted by the Management Council of this University.

**2) Dr. Jalindar Adsule**

Q.1 Will the Hon'ble Vice-Chancellor be pleased to provide Branch-wise aggregate information regarding number of approved teachers and enrolment of students in affiliated Engineering colleges for examinations to be conducted in the first half of 2012 in following format?

Ans: सेमीस्टर II व VIII साठी नावनोंदणी होत नाही. परंतु प्रथम सत्र २०१२ ला अभियांत्रिकी शाखेच्या परीक्षेला सत्र-२ व ८ साठी नोंदणी झालेल्या विद्यार्थ्यांची यादी खालीलप्रमाणे आहे.

| Sr. No | Name of Branch                                   | Branch-Wise total number of students enrolled for Examinations in Semester |      | Branch-wise total number of approved teachers | Total number of approved teacher of FE in Humanities, Maths, Science |
|--------|--|--|------|---|--|
|        |  | II   | VIII | Please see Appendix "B"                       |  |
| 1      | F.E. (Sem. II) Common                            | 45216  | -    |   |  |
|        |  | -  | -    |   |  |
| 2      | B.E. (Civil) (Sem.-VIII) (Old)                   | -  | 46   |   |  |
| 3      | B.E. (Mechanical) (Sem.-VIII) (Old)              | -  | 50   |   |  |
| 4      | B.E. (Electrical) (Sem.-VIII) (Old)              | -  | 34   |   |  |
| 5      | B.E. (Electronics) (Sem.-VIII) (Old)             | -  | 83   |   |  |
| 6      | B.E. (Computer) (Sem.-VIII) (Old)                | -  | 148  |   |  |
| 7      | B.E. (Instrumentation) (Sem.-VIII) (Old)         | -  | 47   |   |  |
| 8      | B.E. (Automobile) (Sem.-VIII) (Old)              | -  | 5    |   |  |
|        | B.E. (Electronics & Tele) (Sem.-VIII) (Old)      | -  | 174  |   |  |
| 9      | B.E. (Chemical) (Sem.-VIII) (Old)                | -  | 3    |   |  |
| 10     | B.E. (Information Technology) (Sem.-VIII) (Old)  | -  | 45   |   |  |
| 11     | B.E. (Civil) (Sem.-VIII) (Rev.)                  | -  | 593  |   |  |
| 12     | B.E. (Mechanical) (Sem.-VIII) (Rev.)             | -  | 2149 |   |  |
| 13     | B.E. (Electrical) (Sem.-VIII) (Rev.)             | -  | 597  |   |  |
| 14     | B.E. (Electronics) (Sem.-VIII) (Rev.)            | -  | 2159 |   |  |
| 15     | B.E. (Computer) (Sem.-VIII) (Rev.)               | -  | 4419 |   |  |
| 16     | B.E. (Instrumentation) (Sem.-VIII) (Rev.)        | -  | 726  |   |  |
| 17     | B.E. (Bio-Medical) (Sem.-VIII) (Rev.)            | -  | 346  |   |  |
| 18     | B.E. (Automobile) (Sem.-VIII) (Rev.)             | -  | 111  |   |  |
| 19     | B.E. (Electronics & Tele) (Sem.-VIII) (Rev.)     | -  | 4079 |   |  |
| 20     | B.E. (Chemical) (Sem.-VIII) (Rev.)               | -  | 538  |   |  |
| 21     | B.E. (Information Technology) (Sem.-VIII) (Rev.) | -  | 3097 |   |  |
| 22     | B.E. (Biotechnology) (Sem.-VIII) (Rev.)          | -  | 61   |   |  |
| 23     | B.E. (Printing & Pack. Tech) (Sem.-VIII) (Rev.)  | -  | 54   |   |  |



|              |  |              |              |  |  |
|--------------|--|--------------|--------------|--|--|
| 24           | B.E. (Civil) (Sem.-VIII) (P.T.D.C.)      | -            | 22           |  |  |
| 25           | B.E. (Mechanical) (Sem.-VIII) (P.T.D.C.) | -            | 12           |  |  |
| 26           | B.E. (Electrical) (Sem.-VIII) (P.T.D.C.) | -            | 11           |  |  |
| <b>Total</b> |  | <b>45216</b> | <b>19610</b> |  |  |

Supplementary questions to question (1) of Dr. Jalindar Adsule answers there to :-

प्रश्न: आपण दिलेली उपरोक्त माहिती एक दुस-या कॉलमशी जुळत नसून सदरची माहिती चुकीची आहे का?

उत्तर: (प्रभारी कुलसचिव) नावनोंदणी ही पहिल्या सेमिस्टरच्या वेळेला होते. दुस-या, तिस-या आणि चौथ्या सेमिस्टरला नावनोंदणी होत नाही. कारण सुरुवातीला अॅडमिशनच्या वेळेला आपण नावनोंदणी करतो. जे विद्यार्थी अॅडमिशन घेतात मग ते ब्रांच वाईज असतील किंवा कॉमन असतील तर त्या संदर्भात शिक्षक आणि विद्यार्थी यांचा जो रेशो असेल.

शिक्षकांच्या अॅपुवल्च्याबाबत सिलेक्शन कमिटीने जो काही प्रस्ताव पाठविलेला असेल तो योग्य आहे किंवा नाही प्रचलित नियमाप्रमाणे आहे की नाही हे पाहिले जाते. हे थ्रि पेजेसचे फॉर्म योग्य असतील तर महाविद्यालयांना कळविले जाते आणि नंतर त्यांच्याकडून सेवन पेजेसमध्ये माहिती मागविली जाते. जर मायनॉरीटी महाविद्यालये असतील तर निवड झाल्यानंतर एकाच वेळेला सेवन पेजेसमध्ये तीच सर्व माहिती मागितली जाते. व ती सर्व माहिती बरोबर असेल तर निश्चित त्यांना अॅपुवल दिले जाते.

Q.2 Will the Hon'ble Vice-Chancellor be pleased to provide aggregate information regarding number of approved teachers and enrolment of students for T.Y.B.Com examinations to be conducted in the first half of 2012 in following format?

Ans :- टी.वाय.बी.कॉमसाठी नावनोंदणी होत नाही. परंतु प्रथम सत्र २०१२ ला टी.वाय.बी.कॉमच्या परीक्षेला नोंदणी झालेल्या विद्यार्थ्यांची संख्या तसेच मान्यता असलेल्या शिक्षकांची माहिती खालीलप्रमाणे आहे.

| <u>Total number of students enrolled for T.Y.B.Com Examinations in</u> |             | <u>Total number of approved teachers in the subject</u> |                 |
|--|-------------|---|-----------------|
| <u>Affiliated Colleges</u>   | <u>IDOL</u> | <u>Accountancy</u>                                      | <u>Commerce</u> |
| 71476  | 11412       |   |                 |

All the affiliated Commerce Colleges are required to provide aggregate information regarding number of approved teachers and enrollment of students for T.Y. B.Com. examinations to be conducted in the first half of 2012 in the following format.

| Sr. No. | Name of the College   | Total number of approved teachers in the subject |                                       |
|---------|---|--|---------------------------------------|
|         |   | Accountancy                                      | Commerce                              |
| 1       | Dr. Ambedkar College of Commerce & Economics, Wadala, Mumbai - 400 031..  | 8 full time<br>1 part time<br>2 CHB              | 01 Principal<br>02 Full time<br>3 CHB |
| 2       | Shikshak Sanchalit Shikshan Sanstha's Arts & Commerce College, Wada, Dist. Thane -421 303   | 01   | 02                                    |
| 3       | Smt. Sushiladevi Deshmukh College of Arts, Science & Commerce, Airoli, Navi Mumbai - 400 708  | 01   | 01                                    |
| 4       | Mithibai College of Arts, Chauhan Institute of Science & Amrutben Jivanlal College of Commerce & Economics, Vile Parle (W), Mumbai. | 07   | 07                                    |
| 5       | Maharashtra Shasan Elphinstone College, Fort, Mumbai - 400 032.   | 02<br>(Part Time)                                | 02                                    |
| 6       | Guru Nanak College of Arts, Science & Commerce, G.T.B. Nagar, Mumbai - 400 037.   | 01 Full-Time<br>01 Part-Time                     | 03 Full-Time                          |
| 7       | The Bharat Education Society's Sant Gadge Maharaj College of Commerce & Economics, Girgaon, Mumbai - 400 004.                       | 2 Approved                                       | 2 Posts                               |
| 8       | Smt. Parmeshwaridevi Durgadutt Tibrewala Lions Juhu College of Arts, Commerce & Science, Andheri (E), Mumbai - 400 059.             | 01   | 01                                    |
| 9       | Vivekanand Education Society's College of Arts, Science & Commerce, Chembur, Mumbai - 400 071                                       | Full Time = 3<br>Part Time = 1<br>Total = 4      | Full Time 4                           |
| 10      | Jai Hind College Basantsing Institute of Science & J.T. Lalvani College of Commerce, "A" Road, Mumbai - 400 020                     | 5  | 4                                     |
| 11      | St. Andrew's College of Arts, Science & Commerce, Bandra (W), Mumbai - 400 050  | 03   | 03                                    |
| 12      | Mahatma Education Society's Pillai's College of Arts, Commerce & Science, Sector 16, New Panvel - 410 206                           | 2  | 1                                     |
| 13      | Konkan Gyanpeeth's Uran College of Commerce & Arts, Uran, Dist. Raigad - 400 702  | 01   | 02                                    |



|    |   |                                  |     |
|----|---|----------------------------------|-----|
| 14 | Nagindas Khandwala College of Commerce, Arts & Management Studies and Shantaben . Nagindas Khandwala College of Science, Malad (W), Mumbai - 400 064                                    | 05                               | 04  |
| 15 | Chandrabhan Sharma College Arts, Science & Commerce, Powai, Mumbai - 400 076  | 01                               | Nil |
| 16 | S.I.C.E. Society's Degree College of Arts, Science and Commerce, Chikhlioli, Ambarnath (W) - 421 505  | 02                               | 02  |
| 17 | Hind Seva Parishad's Public Night Degree College, Santacruz (E), Mumbai - 400 055   | 01                               | --  |
| 18 | Gokhale Education Society's Dr. T.K. Tope Arts & Commerce Night (Senior) College, Parel, Mumbai - 400 012   | 01                               | 02  |
| 19 | H.R. College of Commerce & Economics, 123 Dinshaw Wachha Road, Churchgate, Mumbai - 400 020   | Full-time = 06<br>Part-time = 03 | 06  |
| 20 | Nagrik Shikshan Sanstha's, College of Commerce & Economics, 'A' Wing, NSS Educational Complex, M.P. Mills Compound, Tardeo, Mumbai - 400 034.   | 3                                | 2   |
| 21 | Ramanand Arya D. A. V. College, Station Road, Datar Colony, Bhandup-East, Mumbai- 400 042.  | 04                               | 02  |
| 22 | Bharatiya Vidya Bhavan's, Bhavan's College, Munshi Nagar, Andheri (West), Mumbai - 400 058  | 04                               | 03  |
| 23 | Om Vidyalkar Shikshan Sanstha's, Asmita College of Arts & Commerce, Asmita College Chowk, Kannamwar Nagar No.02, Vikhroli-East, Mumbai - 400 083.                                       | 02                               | 02  |
| 24 | Chikitsak Samuha's, S.S. & L.S., Patkar College of Arts & Science & V.P. Varde College of Commerce & Economics, S.V. Road, Goregaon-West, Mumbai - 400 062.                             | 03                               | 02  |
| 25 | S.I.W.S. N.R. Swamy College of Commerce & Economics & SMT. Thirumalai College of Science, Plot No.337, Major R. Parameshwaran Marg, Sewree Wadala Estate, Wadala, Mumbai - 400 031      | 03                               | 04  |
| 26 | Navkonkan Education Society's, D.B.J. College, Chiplun, Dr. Datar Science, Dr. Behere Arts, Shree Pilukaka Joshi Commerce College, S.K. Patil Nagar, Chiplun - 415 605, Dist. Ratnagiri | 01                               | --- |
| 27 | Tolani College of Commerce, 150-151, Sher-E-Punjab Society, Guru Gobind Singh Road, Andheri (East), Mumbai- 400 093.  | 04                               | 04  |

|    |   |                           |  |
|----|---|---------------------------|--|
| 28 | Shri Vile Parle Kelavani Mandal's, Narsee Monjee College of Commerce & Economics, Juhu Scheme, Vile Parle(W), Mumbai- 400 056.                          | 07                        | 05   |
| 29 | Patpanhale Education Society's, Senior College, Patpanhale, Arts, Commerce, & Science, Patpanhale-Shringartali, Tal. Guhagar, Dist. Ratnagiri, 415 724. | 01                        | 01   |
| 30 | Bhavna Trust's, Junior & Degree College of Commerce & Science, Plot No.5, Sunder Baug, Raje Shivaji Chowk, V.N. Purav Marg, Deonar, Mumbai - 400 088    | 02                        | 04   |
| 31 | Educational Uplift Society's Husna Abdul Malik Madu Women's Degree College, Kalyan (E), Dist. Thane   | 02                        | 01   |
| 32 | Devrukh Shikshan Prasarak Mandal, Devrukh, Dist. Ratnagiri.   | 01                        | 02*  |
| 33 | Shiromani Gurudwara Prabhandhak Committee's Guru Nanak Khalsa College of Arts, Science & Commerce, Matunga, Mumbai.                                     | 02                        | 6 (2 teachers are approved both for Accounts & Commerce) |
| 34 | Dnyandeep Shikshan Prasarak Mandal, Dnyandeep College, Khed, Ratnagiri.   | 02                        | 01   |
| 35 | K.M.C. College, Khopoli, Dist. Raigad - 410 203.  | 01                        | 02   |
| 36 | D.J. Samant Senior College of Arts, Commerce & Science, Pali, Dist. Ratnagiri.  | 02                        | 03   |
| 37 | N.G. Acharya & D.K. Marathe College of Arts, Science & Commerce, Chembur, Mumbai - 400 071.   | 03                        | 04   |
| 38 | ICLES Motilal Jhunjhunwala College, Vashi, Navi Mumbai.   | 03                        | 02   |
| 39 | Bharatiya Vidya Bhavan's Hazarimal Somani College, Chowpatty, Mumbai.   | 02                        | 02   |
| 40 | Savitribai Phule Shiksha Prasarak Mandal's Mandangad Arts, Commerce & Science College, Ratnagiri.   | 01                        | 02   |
| 41 | D.G. Tatkare Arts & Commerce College, Tala, Dist. Raigad.   | 00<br>(01 L.M.C. Appoint) | 00 (01 L.M.C. Appoint)                                   |
| 42 | B.N.N. College (Arts, Science & Commerce), Bhiwandi, Dist. Thane.   | 03                        | 04   |
| 43 | Ismail Yusuf College, Jogeshwari (E), Mumbai.   | --                        | 08   |
| 44 | National Education Society's Ratnam College of Arts, Science & Commerce, Bhandup (W), Mumbai.   | 02                        | 02   |
| 45 | Siddharth College of Arts, Science & Commerce, Mumbai.  | 01                        | 05   |



|    |  |     |    |
|----|--|-----|----|
| 46 | V.K. Krishna Menon College of Commerce & Economics, Bhandup (E), Mumbai.         | 03  | 03 |
| 47 | Dr. Shree Nanasaheb Dharmadhikari Arts, Commerce & Science College, Kolad.       | 01  | 02 |
| 48 | Veer Wajekar Arts, Science & Commerce College, Phunde.                           | 01  | 01 |
| 49 | M.P.S.P. Singh College.  | 03  | 02 |
| 50 | M.S.S. College of Commerce   | 01  | -- |
| 51 | Bhausahab Nene Arts, Science & Commerce College, Pen, Raigad.                    | Nil | 02 |
| 52 | Shri Manohar Hari Khapane College of Arts & Commerce, Pachal, Ratnagiri.         | 01  | 01 |
| 53 | Thakur College of Science & Commerce, Kandivli (E).                              | 03  | 09 |
| 54 | Chandibai Himathmal Mansukhani College, Ulhasnagar.                              | 06  | 05 |
| 55 | Sathaye College, Vile Parle (E), Mumbai.   | 03  | 02 |
| 56 | Rajasthan Sammelan's Ghanshayamdas Saraf College.                                | 04  | 03 |
| 57 | The Byramjee Jeejeebhoy College of Commerce, Mumbai.                             | 01  | 01 |
| 58 | Seva Sadan's College of Arts, Science & Commerce, Ulhasnagar.                    | 08  | 07 |
| 59 | R.D. National College & W.A. Science College, Bandra (W).                        | 02  | 02 |
| 60 | Gokhale Education Society's Arts, Commerce & Science College, Shreevardhan.      | 01  | 01 |
| 61 | Modern Education Society, Pune D.G. Ruparel, Mahim (W).                          | 01  | 01 |
| 62 | Clara's College of Commerce, Versova, Mumbai.                                    | 03  | 01 |
| 63 | Rizvi Education Society's Rizvi College of Arts, Science & Commerce, Bandra (W). | 03  | 02 |
| 64 | Deccan Education Society's Kirti M. Doongursee College.                          | 04  | 05 |
| 65 | Shri Chinai College of Commerce & Economics, Andheri (E), Mumbai.                | 01  | 01 |
| 66 | Shri S.H. Kelkar College of Arts, Commerce & Science, Devgad, Sindhudurg.        | 02  | 01 |
| 67 | J.B. Sawant Education Society's Tikambhai Mehta Commerce College, Mangaon.       | 01  | 03 |
| 68 | R.P. Gogate College of Arts & Science, Ratnagiri.                                | 03  | 04 |
| 69 | Malini Kishor Sanghvi College of Commerce & Economics, Vile Parle (W), Mumbai.   | 05  | 04 |

|       |  |                                   |                 |
|-------|--|-----------------------------------|-----------------|
| 70    | Akbar Peerbhoy College of Commerce & Economics, Do Taki, Mumbai.                   | 04                                | 03              |
| 71    | Pragati College of Arts & Commerce, Dombivli (E), Mumbai.                          | 01                                | 02              |
| 72    | Konkan Gyanpeeth Karjat College of Arts, Science & Commerce, Karjat, Raigad.       | 01                                | 01              |
| 73    | Janata Shikshan Mandal's Late Nanasaheb Kunte Educational Complex, Alibag, Raigad. | 02                                | 02              |
| 74    | S.P.K. College, Sawantwadi.  | 01                                | 02              |
| 75    | V.G. Vaze College of Arts, Science & Commerce, Mulund (E), Mumbai.                 | 04 (full time)<br>01 (Part Time)  | 03 (Full Time)  |
| 76    | Jashbhai Maganbhai Patel College of Commerce, Goregaon (W), Mumbai.                | 02                                | 02              |
| TOTAL |  | Full Time - 186<br>Part Time - 09 | Full Time - 196 |

माहिती प्रचंड मोठी असल्याने ठवरीत माहिती मा. सदस्यांना नंतर पाठविण्यात येईल.

Supplementary questions to question (2) of Dr. Jalindar Adsule answers there to :-

प्रश्न: आपण दिलेली उपरोक्त माहिती चुकीची आहे परंतु विद्यार्थ्यांच्या प्रमाणात शिक्षकांची नेमणूक यासाठी विद्यापीठ काही उपाययोजना करणार आहे का?

उत्तर: (प्रभारी कुलसचिव) सन्माननीय सदस्यांनी जो प्रश्न विचारलेला आहे. तो टी.वाय.बी.कॉम.च्या विद्यार्थ्यांच्या परीक्षेच्या संदर्भात आणि त्यांच्या असेसमेंटच्या संदर्भात असावा असे मला वाटते. शिक्षकांना जे ऑप्शन दिले जाते ते केवळ टी.वाय.बी.कॉम.ला शिकविणारे आहे म्हणून नाही तर ते यात्रीएअरर्स इंटीग्रेटेड जो कोर्स आहे. फर्स्ट, सेकंड आणि थर्ड इयर मग ते बी.कॉम, बी.एस. सी, बी.ए. असेल यांच्या अनुषंगाने ते कोणत्या शाखेला कॉमर्सला, अकाऊंटन्सला शिकवितात का किंवा इतर विषयाला शिकवितात का त्या अनुषंगाने त्यांना ऑप्शन दिले जाते. केवळ टी.वाय.बी. कॉम.साठी ऑप्शन दिले जात नाही.

मुंबई- ४०० ०३२

२८ मार्च, २०१२.

प्राचार्य (डॉ.) एम्. एस्. कु-हाडे  
प्रभारी कुलसचिव



मुंबई विद्यापीठ

University of Mumbai



अर्थसंकल्पीय अंदाज २०१२ - २०१३

BUDGET FOR THE YEAR 2012-2013

सीए. पी. व्ही. पागे यांनी विद्यापीठाच्या वार्षिक अधिसभेत,  
बुधवार, दिनांक २८ मार्च, २०१२ रोजी सादर केलेले  
अर्थसंकल्पावरील भाषण

SPEECH OF CA. P.V. PAGE  
AT THE ANNUAL MEETING OF THE SENATE,  
ON WEDNESDAY, 28TH MARCH, 2012.

## परिशिष्ट - ३

सीए. पी. व्ही. पागे अधिसभा सदस्य यांनी विद्यापीठाच्या २०१२-२०१३ वर्षाच्या अर्थसंकल्पावर अधिसभेच्या वार्षिक सभेत केलेले भाषण

सन्माननीय कुलगुरू, संचालक, महाविद्यालय व विद्यापीठ विकास मंडळ, प्रभारी कुलसचिव आणि अधिसभेचे सन्माननीय सदस्य,

व्यवस्थापन परिषदेच्या वतीने मुंबई विद्यापीठाचे वर्ष २०१२-२०१३ चा अर्थसंकल्पीय अंदाज आणि आर्थिक स्थितीचे विवरणपत्र आपणा समोर सादर करण्यास मला आनंद होत आहे. आपल्या समोर विद्यापीठाचा अर्थसंकल्प सादर करण्याची संधी मला दिल्याबद्दल मी, मा. कुलगुरू, व्यवस्थापन परिषद आणि वित्त व लेखा समिती यांच्या प्रती कृतज्ञ आहे.

विद्यापीठातील विविध विभाग, संस्था व कक्ष यांची ध्येय व धोरणे, योजना, कार्यक्रम व आवश्यकता विचारात घेऊन अंदाजपत्रक तपासणी समितीने अंदाजपत्रक वास्तव स्वरूपात तयार करण्याचा प्रयत्न केला आहे.

१९९४ च्या विद्यापीठ कायद्यान्वये प्रस्तुत अर्थसंकल्पीय अंदाज तीन स्वतंत्र भागांमध्ये सादर करण्यात आला आहे. हे भाग पुढील प्रमाणे: भाग १ व २ - देखभाल आणि विकास आणि भाग ३ - स्वतंत्र प्रकल्प किंवा योजना किंवा सहयोगी उपक्रमासाठी अनुदान. केंद्रशासन/राज्यशासन/विद्यापीठ अनुदान मंडळ आणि अन्य संस्था यांनी मान्यता दिलेल्या आणि आर्थिक सहाय्य केलेल्या योजनांचा सारांश त्या त्या विभागांतर्गत दाखवला आहे.

प्रस्तुत प्रस्ताव दोन भागात आहे. विद्यापीठ कामकाजाच्या सर्वसाधारण चर्चेसाठी प्रस्तावाचा भाग - १, मी प्रथम सादर करीत आहे. त्यामुळे अधिसभेच्या सर्व सदस्यांना विद्यापीठाच्या आर्थिक बाबी, प्रशासकीय बाबी आणि अन्य उपक्रम या संबंधी चर्चा करता येणे शक्य होईल.

त्यानंतर दुरुस्ती प्रस्तावावर चर्चा करण्यासाठी मी प्रस्तावाच्या दुस-या भागाकडे वळेन.

अधिसभा वर्ष २०१२-२०१३ चा अंदाजित अर्थसंकल्प विचारात घेऊन त्यावर विचारविनिमय करून तो संमत करील.

व्यवस्थापन परिषदेने केलेल्या शिफारशीनुसार भाग एकचा प्रस्ताव मी आपल्यासमोर सादर करीत आहे.

"महाराष्ट्र विद्यापीठ कायदा, १९९४ कलम २८(३)" ला अनुसरून व्यवस्थापन परिषदेने सादर केलेल्या वार्षिक वित्तीय विवरणपत्राचा (ज्यामध्ये २०१२-२०१३ वर्षाचा अर्थसंकल्पीय अंदाज तसेच २०११ - २०१२ सालासाठी सुधारीत अंदाज यांचा समावेश आहे) विचार अधिसभेने करावा.



आपल्या विद्यापीठाच्या वैशिष्ट्यपूर्ण अशा वित्तीय, प्रशासकीय, शैक्षणिक आणि अन्य बाबी आपल्यासमोर ठळकपणे मांडणे रास्त ठरेल, असे मला वाटते.

### वाढ आणि विकास :

परिशिष्ट २ मध्ये विद्यापीठाशी संलग्न असलेल्या महाविद्यालयांची संख्या नमूद करण्यात आली आहे. २००२-२००३ साली संख्येने ३३८ असणारी महाविद्यालये वर्ष २०११-२०१२ मध्ये ६५४ इतकी झाली आहेत. ही वाढ एकूण ९३.४९ टक्के झाली आहे. विद्यापीठाची अधिमान्यता असणा-या संस्थांची संख्या ८८ असून विद्यापीठामध्ये एकूण ५४ परव्युत्तर विभाग आहेत, त्यामध्ये संस्था व अभ्यास केंद्रे यांचाही समावेश आहे.

विद्यार्थ्यांच्या संख्येतही लक्षणीय वाढ झाली आहे. वर्ष २००२-२००३ मध्ये विद्यार्थ्यांची संख्या ३७५४८५ इतकी होती, ही विद्यार्थी संख्या वाढून वर्ष २०११-२०१२ मध्ये ही ६४३७५४ इतकी झालेली आहे. याचा अर्थ गेल्या दहा वर्षांत विद्यार्थ्यांच्या संख्येत ७१.४४ टक्के इतकी वाढ झालेली आहे.

आपल्या माहितीस्तव तसेच अवलोकनार्थ या आधीच वितरीत केलेल्या वर्ष २०१२-२०१३ चे जोडपत्र २ व ३ या पुस्तिकेकडे मी आपले लक्ष वेधू इच्छितो. या पुस्तिकेत विद्यापीठाच्या आर्थिक बाबीबद्दल माहिती दिलेली आहे.

### बांधकाम आणि विकास

विद्यापीठाच्या विविध संकुलामध्ये चालू असलेली बांधकामे खालील प्रमाणे आहेत:

१. विद्यानगरी व इतर परिसरातील संरक्षण भिंतीचे बांधकाम
२. विविध इमारतींना वॉटरप्रूफिंग करणे
३. राजीव गांधी केंद्राचे देणगांद्वारे उभारण्याच्या निधेमधून करावयाच्या बांधकामासाठी विद्यापीठाचा वाटा
४. मराठी भाषा भवनाच्या पहिल्या मजल्याचे बांधकाम

वरील सर्व कामे येत्या आर्थिक वर्षात पूर्ण करण्याचे उद्दिष्ट घेण्यात आलेले आहे.

२०१२-२०१३ या वर्षामध्ये नियोजित बांधकामे खालीलप्रमाणे आहेत.

१. सिंथेटिक एथलेटिक ट्रॅकचे बांधकाम
२. अपारंपारिक उर्जा प्रकल्प
३. विद्यापीठाच्या विविध इमारतींचे नुतनीकरण
४. नविन परिक्षा भवन इमारतीचे बांधकाम
५. दोन प्रवेशद्वारांचे बांधकाम
६. जमिनीखालील नविन पाण्याच्या टाकीचे बांधकाम
७. नविन अतिथीगृहाचे बांधकाम
८. विद्यानगरी परिसरात सुविधा विकास कामे (रस्ते, सांडपाणी व्यवस्था, गटारसफाई, पयदिवे इत्यादी)
९. जवाहरलाल नेहरू ग्रंथालय बांधकाम

१०. तलावाचे बांधकाम  
११. मुलीच्या वसतिगृहाचे बांधकाम  
१२. मुलीच्या नवीन वसतिगृहाचे बांधकाम

### आर्थिक स्थिती :

आता आपण वर्ष २०१२-२०१३ ची आर्थिक स्थिती आणि अंदाजपत्रकायं तरतुदी यांच्याकडे वळू या.

२०१० - २०११ सालात रु.३९०४.७० लाखांची तूट येईल असा अंदाज होता. परंतु प्रत्यक्षात मात्र रु.२७११.९० लाख अधिशेष आहे.

२०११-२०१२ या वर्षी रु.४०११.४७ लाख तुटीचा अर्थसंकल्प सादर करण्यात आला होता. तथापि हया वर्षाच्या सुधारित अंदाजपत्रकात रु.८८२.३९ लाख एवढे आधिक्य अपेक्षित आहे.

### आर्थिक वर्ष २०११-२०१२ साठी मिळालेली देणगी

| क्र. | निधी देणा-याचे नाव  | प्राप्त रक्कम (रु.) | प्रयोजन   |
|------|---|---------------------|---|
| १.   | बजाज फाऊन्डेशन  | ३५,००,०००/-         | रामकृष्ण बजाज भवन बांधण्याकरीता   |
| २.   | इंडियन मर्चन्टस् चेबर सेन्टेनरी ट्रस्ट                      | २,००,००,०००/-       | प्रवीणचंद्र गांधी अध्यासन स्थापन करण्यासाठी   |
| ३.   | श्री. नंदीप डी. वैद्य                                       | ३,००,०००/-          | श्री. नंदीप डी. वैद्य यांनी संगीत विभागातील विद्यार्थ्यांस सुवर्ण पदक सुरु करण्यासाठी   |
| ४.   | विजय कपूर, दी इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटंट्स ऑफ इंडिया | १०,०००/-            | विजय कपूर, दी इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटंट्स ऑफ इंडिया यांच्या नावाने बी.कॉम परीक्षेत उच्च गुणांनी उत्तीर्ण होणा-या विद्यार्थ्यांस बक्षीस देण्यासाठी |
| ५.   | डॉ. आलू जे. दस्तूर  | १,००,०००/-          | डॉ. आर. श्रीनीवासन यांच्या नावाने एम्. ए. डीग्री परीक्षेत पॉलीटीकल सायन्स या विषयात सर्वोच्च गुण संपादन करणा-या विद्यार्थ्यांस शिष्यवृत्ती देण्यासाठी     |
|      | एकूण  | २,३९,९०,०००/-       |   |

विद्यापीठाच्या प्रकल्पांना सहदयतेने व उदारपणे देणगी देणा-या सर्व दात्यांचे मी मनःपूर्वक अभिनंदन करतो व त्यांच्याप्रती कृतज्ञता व्यक्त करतो. तसेच हया देणग्या मिळवण्यासाठी ज्यांनी महत्त्वपूर्ण योगदान दिले त्या सर्व शुभचिंतकांचे ही आधार मानतो.

### २०१२ - २०१३ अर्थसंकल्पीय अंदाज

आवर्ती खात्यात १५३७.०८ लाख रुपयांचा अधिशेष आणि अनावर्ती खात्यात ६८०१.३५ लाख रुपयांची तूट असल्यामुळे वर्ष २०१२-२०१३ ची निव्वळ तूट ५२६४.२६ लाख रुपये एवढी आहे.



अनावर्ती खात्याची स्थिती पुढीलप्रमाणे आहे:

|                                |                 |
|--------------------------------|-----------------|
| एकूण अनावर्ती उत्पन्न          | रु.२५०९३.८१ लाख |
| एकूण अनावर्ती खर्च             | रु.२३५५६.७३ लाख |
| अनावर्ती खात्यातील एकूण आधिक्य | रु.१५३७.०८ लाख  |

अनावर्ती खात्याची स्थिती पुढीलप्रमाणे आहे:

अनावर्ती खात्यात जमीन आणि इमारत यासाठी रुपये ५९०८.६५ लाख, सयंत्र व यंत्रसामुग्री रुपये ५५.७५ लाख, साधनसामुग्री व फर्निचर इत्यादीसाठी रुपये १२१०.२१ लाख, अन्य खर्चासाठी रुपये ६५.०५ लाख आणि पुस्तकांसाठी रुपये २०१.७१ लाख इतकी तरतूद करण्यात आली आहे.

|                             |                |
|-----------------------------|----------------|
| एकूण अनावर्ती उत्पन्न       | रु.६४०.०२ लाख  |
| एकूण अनावर्ती खर्च          | रु.७४४१.३७ लाख |
| अनावर्ती खात्यातील एकूण तूट | रु.६८०१.३५ लाख |

मी आता या महनीय सभागृहाच्या सदस्यांना अशी विनंती करतो की त्यांनी पुस्तिकांतील परिशिष्ट रोम पहावे. प्रपत्र 'ड' मध्ये महसुली जमा व खर्च आणि प्रपत्र 'ई' मध्ये एकूण तूट, निव्वळ तूट व संपूर्ण तूट यांचा तपशीलवार ताळेबंद दिलेला आहे.

मी आता, अर्थसंकल्पीय वर्ष २०१२-२०१३ चे अंदाजपत्रकात समाविष्ट असलेल्या नवीन

|    |  |             |
|----|--|-------------|
| १. | रेडिओ फ्रिक्वेन्सी आयडेंटिफिकेशन प्रकल्प | ५०,००,०००/- |
|----|--|-------------|

योजना/उपक्रम व त्याकरीता केलेली तरतूद याची माहिती खालील प्रमाणे नमूद करित आहे -  
वरील तरतुदी मधुन पुस्तके व मालमत्ता यांचे नियोजन व सुरक्षितता सुलभ होण्याची अपेक्षा आहे.

#### निधीमध्ये अंशदान

अर्थसंकल्पामध्ये १३.४० कोटी रुपये इतक्या रक्कमेचे अंशदान विविध प्रकारच्या निधीमध्ये केलेले आहे. यामध्ये विकास निधी, घसारा निधी, आकस्मिकता निधी, कर्मचारी घर बांधणी निधी, सीकींग निधी, कुलगुरू निधी, निवृत्ती वेतन निधी आणि इतर निधी यांचा समावेश आहे.

या विवेचना नंतर मी या अर्थसंकल्पीय भाषणाचा समारोप करित आहे. मात्र हा समारोप करण्यापूर्वी वर्ष २०१२-२०१३ चे अर्थसंकल्पीय अंदाजपत्रक आपल्या समोर मांडण्याची संधी दिल्याबद्दल मी विद्यापीठाचे सन्माननीय कुलगुरू, व्यवस्थापन परिषद आणि वित्त व लेखा समितीचे सन्माननीय सदस्य यांच्या विषयी कृतज्ञता व्यक्त करतो.

अर्थसंकल्प तयार करण्यासाठी घेतलेल्या सक्रीय सहभागाबद्दल आणि मौलिक मार्गदर्शनाबद्दल मी अंदाजपत्रक परिक्षण समितीचे आभार मानतो. त्याचप्रमाणे विद्यापीठाच्या प्रशासन विभागातील कर्मचारी, विद्यापीठाच्या विविध परिसरातील वित्त व लेखा विभागातील कर्मचारी आणि विद्यापीठ मुद्रणालयातील कर्मचारी यांनी दिलेल्या सहकार्याबद्दल त्यांचे मी आभार मानतो.

आता मी २०१२-२०१३ चा अर्थसंकल्प या महनीय सभागृहापुढे विचारार्थ, स्वीकृतीसाठी आणि मंजूरीसाठी सादर करित आहे.

## APPENDIX - III

**The Hon'ble Vice-Chancellor, The Director, B.C.U.D., In charge Registrar and Hon'ble members of the Senate.**

I have great pleasure and privilege of presenting the Budget Estimates of the University of Mumbai for the year 2012-2013 and the Statement of Financial Position on behalf of the Management Council. I am grateful to the Hon'ble Vice-Chancellor, the Management Council and Finance & Accounts Committee for giving me an opportunity to place before you the Budget of the University.

The Budget Scrutiny Committee has made efforts in preparing the most realistic Budget Estimates taking into consideration the Vision and Mission, Plans, Programmes and requirements of various Departments of University, Institutions, Sections and the University in general.

The Budget Estimates have been prepared in three distinct parts as per the University Act, 1994 viz. Part - I & II are relating to Maintenance and Development and Part - III is Independent Projects or Schemes or Collaborative Programme Grants. A summary of schemes approved and funded by the Central Government/State Government/ University Grants Commission and Other Bodies have also been shown separately in the Budget Estimates.

The Motion stands in two parts. Part - I is moved first for the general discussion on the working of the University. This would provide an opportunity for members of the house to discuss matters pertaining to Finance, Administration, as well as Academic and other activities of the University.

I shall, thereafter, move Part - II when Budget Provisions along with Amendments will be taken up. The Senate would then proceed to consider, adopt and pass the Budget Estimates for the year 2012-2013.



Now, as recommended by the Management Council of the University, I move Part

- I of the Motion which reads:-

"that the Senate do proceed to consider the Annual Financial Statement, including the Budget Estimates for the year 2012-2013 and the Revised Estimates for the year 2011-2012 presented to them by the Management Council for consideration under Section 28 (e) of the Maharashtra Universities Act, 1994. "

-2-

It would be appropriate if I highlight certain salient features relating to the Financial, Administrative, Academic and Other matters of the University.

### **GROWTH AND DEVELOPMENT**

As stated in Annexure - II, the total number of affiliated colleges has increased from 338 in 2002-2003 to 654 in 2011-2012 recording 93.49 percent growth. Further, number of affiliated institutions is 88. There are 54 Post Graduate Departments that include Institutions and Centers of studies in the University.

The student population has also increased from 375485 in 2002-2003 to 643754 in 2011-2012 indicating 71.44 percent growth during the last 10 years.

I would like to draw your kind attention to Annexure II & III to the Budget Estimates of the year 2012-2013, which have already been circulated for your kind perusal. These provide complete information on various financial aspects of the University.

### **CONSTRUCTION AND DEVELOPMENT**

The Details of the major works being carried out at various Campuses of the University are as under:-

1. Construction of Compound Wall at Vidyanagari & other sub-Campuses
2. Water Proofing to various Building
3. University Contribution for the Building to be constructed out of Donations such as Rajiv Gandhi Centre for Contemporary Studies
4. Construction of 1<sup>st</sup> Floor on Marathi Bhasha Bhavan.

The above mentioned works will be completed during the year 2012-2013.

**The New Major Works to be carried out during the year 2012-2013 are as follows**

1. Construction of Synthetic athletic track
2. Installation of renewal energy equipments and power Management initiatives
3. Refurbishment of the University Buildings
4. Construction of New Examination House Building
5. Construction of two Entrance gate
6. Construction of New underground Water Tank
7. Construction of New Guest House
8. Infrastructure Development at Vidyanagari (Roads, Storm water Drain, Sewerage Network, Street Light)
9. Construction of J. N. Library
10. Construction of Lake
11. Construction of Boy's Hostel
12. Construction of New Girls Hostel cum Women's Hostel

**FINANCIAL POSITION**

Let me now turn to the financial position and budgetary provisions for the year 2012-2013.

Actual for the year 2010-2011 shows a surplus of about Rs.2711.90 lakhs as against the estimated Deficit of Rs.3904.70 lakhs.

The Revised Estimates for 2011-2012 show a Surplus of Rs.882.39 lakhs as against budget estimated Deficit of about Rs.4011.47 lakhs for the year 2011-2012.

**DONATIONS RECEIVED DURING THE FINANCIAL YEAR 2011-2012**

| Sr. No. | Name of the financing Body                                  | Purpose for which Donation Received  | Amount Rs.    |
|---------|---|--|---------------|
| 1.      | Bajaj Foundation  | Construction of Ramkrushna Bajaj Bhavan  | 35,00,000/-   |
| 2.      | Indian Marchants Chambers Centenary Trust                   | Donation for Established a Chair in the name of Pravin Chandra Gandhi  | 2,00,00,000/- |
| 3.      | Shri.Nandip D. Vaidya                                       | Donation for instituting a Gold Medal to a Student of Deptt. Of Music  | 3,00,000/-    |
| 4.      | Vijay Kapur The Institute of Chartered Accountants of India | Donation for prize to be awarded to the Student to secure highest number of marks in B.com examination   | 90,000/-      |
| 5.      | Late Dr. (Ms.) Aloo J. Dastur                               | Donation for the scholarship in the name of Dr.R.Srinivasan to the highest ranking for M.A Degree examination in the Political Science Student | 1,00,000/-    |
|         | Total   |  | 2,39,90,000/- |



I would like to put on record our sincere appreciation and gratitude to the benevolent donors for their generous and timely support for our projects. I am also taking this opportunity to thank all those who have helped in facilitating these donations.

#### **BUDGET ESTIMATES FOR 2012-2013**

There is a surplus of about Rs.1537.08 lakhs in Recurring Account and a Deficit of about Rs.6801.35 lakhs in Non-Recurring Account, thus the Net Deficit for the year 2012-2013 is about Rs.5264.26 lakhs.

#### **The Position of Recurring Account is as below:-**

|                             |                   |
|-----------------------------|-------------------|
| Total Recurring Income      | Rs.25093.81 lakhs |
| Total Recurring Expenditure | Rs.23556.73 lakhs |
| Recurring Surplus           | Rs.1537.08 lakhs  |

#### **The position of Non-Recurring Account is as follows:-**

As regards Non-Recurring Account, it can be seen that Rs.5908.65 lakhs are provided for Land & Building, Rs.55.75 lakhs for Plant & Machinery, Rs.1210.21 lakhs for Equipments/Furniture & Fixtures, Rs.65.05 lakhs for Other Expenditure & Rs.201.71 lakhs for Books.

|                                 |                  |
|---------------------------------|------------------|
| Total Non-Recurring Income      | Rs.640.02 lakhs  |
| Total Non-Recurring Expenditure | Rs.7441.37 lakhs |
| Non-Recurring Deficit           | Rs.6801.35 lakhs |

I now request the members of the august House to refer to the booklet marked as "Annexure - II" for a detailed break-up of Revenue & Expenditure as set out in the Statement "D" and the projection of Gross Contribution, Gross Deficit, Net Deficit and Total Deficit as per the Statement "E".

Now I turn to the budgetary provisions and mention one of the important scheme and allocation for it. This new scheme included in the Budget Estimates -

| Sr. No. | BUDGET ESTIMATES 2012-2013     | RUPEES      |
|---------|--------------------------------|-------------|
| 1.      | Radio Frequency Identification | 50,00,000/- |

With the introduce of the technology we expect to advices better identification and security of books and assets of the University

***ALLOCATION TO FUNDS:***

A provision of Rs.13.40 crores has been made for allocation to various funds such as a Development Fund, Depreciation Fund, Contingency Fund, Staff Housing Fund, Sinking Fund, Vice-Chancellors. Fund, Pension Fund and other such Funds.

With these few words, I wish to conclude the Budget Speech, but certainly not before thanking the Hon'ble Vice-Chancellor, Members of the Management Council and those of the Finance & Accounts Committee for giving me the opportunity to place before you the Budget Estimates for the year 2012-2013.

I also thank the Members of the Budget Scrutiny Committee for their co-operation, active participation and valuable guidance in the course of preparing the Budget. I also thank the members of the staff of Administrative and Accounts Section of the University at different campuses, Finance & Accounts Department and University Press for their valuable co-operation.

I now place before this august House, the Budget Estimates for the year 2012-2013 for kind consideration, acceptance and approval.

\*\*\*\*\*